शर्मा হার্ডওয়েৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 78 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 13 अक्तूबर, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बीटीआर को मिला विकास का नया आयाम : भाजपा — पेज 3

कौशल दीक्षांत समारोह नए भारत की प्राथमिकताओं को दर्शाता है : प्रधानमंत्री — पेज 4

हर क्षेत्र में बज रहा महिलाओं का डंका : सतीश चंद्र शर्मा — पेज 5

कांग्रेस ने राज्य को विकास में पिछड़ा व महंगाई में अव्वल बनाया : शेखावत — पेज 8

योजनाओं को लागू करने में अतिरिक्त कर नहीं : सीएम

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कहा कि उनकी सरकार ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के लिए लोगों पर कोई अतिरिक्त कर नहीं लगाया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन के कारण कल्याणकारी गतिविधियों को अंजाम देने में सक्षम है। वह एक कार्यक्रम में बोल रहे थे, जहां *अरुणोदय 2.0* योजना के लाभार्थियों को उनके कार्ड सौंपे गए। योजना के तहत आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को विभिन्न घरेलू खर्चों को पूरा करने के लिए हर महीने महिला सदस्य के बैंक खाते में 1,250 रुपए मिलते हैं। अरुणोदय 2.0 के तहत, लाभार्थियों की सूची में लगभग 7 लाख नए नाम जोड़े जाएंगे, जिससे कुल संख्या 26 लाख हो जाएगी। कार्यक्रम में जोरहाट जिले के 25,000 से अधिक नए लाभार्थियों को उनके कार्ड प्राप्त हुए। अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से *लाभार्थी* बनाने के लिए सरकार की आलोचना करने वाले विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में मैं निश्चित रूप से, *हिताधिकारी* (लाभार्थी) बनाने पर ध्यान दूंगा। उन्होंने कहा कि इन लोगों का लाभ पर अधिकार है। अगर मैं उन्हें ये -शेष पृष्ठ दो पर

नागरिकता कानून की धारा 6ए की चुनौती पर एससी करेगा 7 नवंबर को सुनवाई

नई दिल्ली / गुवाहाटी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 7 नवंबर के लिए पोस्ट कर दिया, जिसे 1985 में एक संशोधन द्वारा बांग्लादेश से भारत में आए प्रवासियों को नागरिकता देने के लिए असम समझौते के अनुसरण में शामिल किया गया था। मालूम हो कि 15 अगस्त 1985 को नई दिल्ली में केंद्र सरकार, असम सरकार, ऑल-असम स्टूडेंट्स यूनियन और ऑल असम गण संग्राम परिषद के बीच असम समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे। उस समय राजीव गांधी भारत के प्रधान मंत्री थे। धारा 6ए की वैधता को चुनौती, जिस पर 17 अक्तूबर को सुनवाई होनी थी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता द्वारा मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना, न्यायमूर्ति ए.एस. एमएम सुंदरेश, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा ने कहा कि कल हमें (सरकार को) पता चला कि पूरा सप्ताह एक विविध सप्ताह है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि यह मामला 7 नवंबर को जाएगा। संविधान पीठ ने इससे पहले 20 सितंबर को धारा 6ए की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं को 17 अक्तूबर को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया था। शीर्ष अदालत 16 अक्तूबर से शुरू होकर 20 अक्तूबर तक चलने वाले सप्ताह में केवल विविध मामलों की सुनवाई करेगी। शीर्ष अदालत 21 अक्तूबर (शनिवार) से 29 अक्तूबर तक दशहरा की छुट्टियों पर रहेगी। प्रथा के अनुसार, शीर्ष अदालत लंबी छुट्टियों से पहले और बाद के सप्ताह में केवल विविध मामलों (ताजा मामलों) की सुनवाई करती है। पिछली सुनवाई में, अदालत ने कहा था कि कार्यवाही का कारण शीर्षक होगा कि नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 6ए। इससे पहले 10 जनवरी को मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एमआर शाह, न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी -शेष पृष्ठ दो पर

मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी

गुवाहाटी। असम के कामरूप के आग्याथुरी इलाके में अज्ञात उपद्रवियों ने मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा को धमकी भरे पोस्टर लगाए हैं। इसमें उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई है। अभी तक पता नहीं चला है कि इलाके में पोस्टर किसने लगाए हैं। इस बीच दादरा पुलिस ने इलाके में पहुंचकर पोस्टर हटा दिए और जांच शुरूकर दी। सूत्रों के मुताबिक असमिया भाषा में लिखे गए पोस्टरों में लिखा है कि हिमंत विश्व शर्मा, आपकी हरकतें असम के लिए हानिकारक हैं और आपको ऐसी सभी हरकतें तुरंत बंद कर देनी चाहिए वरना -शेष पृष्ठ दो पर

जल जमाव को रोकना सरकार के हाथ में नहीं : हिमंत

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि शहरों में होने वाले जलजमाव को रोकना किसी भी सरकार के हाथ में नहीं है। सरकार की दक्षता का इसमें पता चलता है कि शहर में भरने वाले पानी को कितनी जल्दी निकाल देते हैं। उन्होंने आज पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि दिल्ली, मुंबई यहां तक कि न्यूयॉर्क में भी जल जमाव होता है। अधिक बारिश होने पर शहरों में जल जमाव होना आम बात है। इसे कोई रोक नहीं -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path, ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

परेश बरुवा आकर देखें असम का परिवर्तन : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉक्टर हिमंत विश्व शर्मा ने अल्फा (स्वा.) के प्रमुख परेश बरुवा से अपील की है कि वे लौटकर असम में आएं। परेश बरुवा असम में आकर देखें कि असम का किस प्रकार परिवर्तन हो चुका है। मुख्यमंत्री गुरुवार को यहां पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि जिस समय परेश बरुवा असम छोड़कर गए थे, उस समय असम की स्थिति और आज के असम की स्थिति में काफी बदलाव आ चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि परेश बरुवा लंबे समय से असम से बाहर रहे हैं। इसलिए, -शेष पृष्ठ दो पर

हम बच्चे को नहीं मार सकते, गर्भपात की जिद पर सीजेआई की सख्त टिप्पणी

नई दिल्ली। 26 सप्ताह की गर्भवती महिला पहले ही दो बच्चों की मां बन चुकी है। अब महिला तीसरी बार बच्चे को जन्म देने वाली है, लेकिन वह बच्चा गिराना चाहती है, लेकिन मेडिकल तरीकों का इस्तेमाल कर गर्भपात की अनुमति लेने पहुंची महिला को सुप्रीम कोर्ट से भी निराशा हाथ लगी है। गर्भ गिराने की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम किसी बच्चे को नहीं मार सकते। कोर्ट के निर्देश पर एम्स के मेडिकल बोर्ड ने कहा था कि बच्चे की जान बचाई जा सकती है। अदालत मामले में शुक्रवार सुबह 10.30 बजे भी सुनवाई करेगी। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने 10 अक्तूबर को केंद्र सरकार की अपील पर गर्भपात पर अस्थायी रोक लगाई थी। केंद्र की याचिका पर सुनवाई करते हुए गुरुवार, 12 अक्तूबर को शीर्ष अदालत ने कहा कि हम एक बच्चे को नहीं मार सकते। कोर्ट ने ये भी पूछा कि गर्भवती महिला शादीशुदा हैं, दो बच्चों की मां हैं। ऐसे में वे 26 हफ्तों तक क्या कर रही थीं? अदालत ने स्पष्ट किया कि शीर्ष अदालत को अजन्मे बच्चे, एक *जीवित और व्यवहार्य भ्रूण* के अधिकारों को उसकी मां के फैसले लेने के अधिकार के साथ संतुलित करना है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने केंद्र सरकार और महिला के वकील से बात कर गर्भ में पल रहे शिशु को कुछ और हफ्तों तक पालने की संभावना पर विचार करने को कहा। -शेष पृष्ठ दो पर

जयशंकर को जेड श्रेणी की सिक्योरिटी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने विदेश मंत्री एस जयशंकर की सुरक्षा बढ़ा दी है। उन्हें वाई श्रेणी की बजाय अब जेड श्रेणी की सुरक्षा मिलेगी। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार (12 अक्तूबर) को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सीआरपीएफको उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने का निर्देश दिया है। अब तक 68 वर्षीय विदेश मंत्री एस जयशंकर की सुरक्षा वाई श्रेणी के तहत दिल्ली पुलिस की एक सशस्त्र टीम कर रही थी। सूत्रों ने कहा कि सीआरपीएफ द्वारा दी जाने वाली जेड श्रेणी की सुरक्षा के तहत अब जयशंकर के साथ शिफ्टों में चौबीस घंटे 14-15 सशस्त्र कमांडो रहेंगे। बता दें कि सीआरपीएफके वीआइपी सुरक्षा घेरे में वर्तमान में 176 वीवीआईपी व्यक्ति हैं। इसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा -शेष पृष्ठ दो पर

door graphy Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

मणिपुर : हिंसा और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वाले वीडियो पर रोक

इंफाल। मणिपुर में दो समुदायों मैतेई और कुकी के बीच लगातार हिंसक झड़प जारी हैं। इस दौरान संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वाले कई वीडियो और फोटोज भी तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। जिन पर रोक लगाने के लिए मणिपुर सरकार ने एक आदेश जारी किया है। इस आदेश में कहा गया है कि इस तरह के प्रसार से गंभीरता से निपटा जाएगा और कानून के अनुसार मामला दर्ज किया जाएगा। हाल ही में व्यापक हिंसा के कई वीडियो और फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे जिसके बाद सरकार द्वारा एक आदेश बुधवार की रात को जारी किया गया था। एक वीडियो में दिखाया गया है कि दो युवकों को कुछ लोगों द्वारा बिल्कुल पास से गोली मार दी जाती है और फिर उन्हें एक गड्ढे में दफना दिया जाता है। हालाँकि, घटना स्थल का स्थान और दफ़नाने का स्थान ज्ञात नहीं है। मणिपुर गृह विभाग द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि राज्य सरकार विभिन्न सामाजिक माध्यमों से -शेष पृष्ठ दो पर

अरुणाचल में 118 करोड़ की सात पुल परियोजनाएं

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने अरुणाचल प्रदेश में सेतु बंधन योजना के तहत मौजूदा वित्त वर्ष में 118.50 करोड़ रुपए की संचयी लागत वाली सात पुल परियोजनाओं को मंजूरी दी है। यह जानकारी गुरुवार को केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने एक्स पोस्ट के जरिए दी। गडकरी ने कहा कि सभी क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ाना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, ये परियोजनाएं -शेष पृष्ठ दो पर

फिलिस्तीन के अस्तित्व को समर्थन, लेकिन आतंक स्वीकार्य नहीं : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि भारत एक संप्रभु, स्वतंत्र और मान्य सीमाओं से सुरक्षित फिलिस्तीन चाहता है जो इजराइल के साथ अस्तित्व में रहे। इसके लिए भारत बातचीत का पक्षधर है लेकिन आतंक किसी भी तरह स्वीकार्य नहीं है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में इजराइल-फिलिस्तीन और हाल ही में हुए हमास के हमले से जुड़े प्रश्नों के उत्तर दिए। उन्होंने कहा कि भारत संघर्ष की स्थिति में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर तय मानवीय दायित्वों के पालन का पक्षधर है। साथ ही आतंक के खिलाफ लड़ाई को हमेशा समर्थन देता है। उन्होंने कहा कि भारत की इस समय प्राथमिकता अपने नागरिकों -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

अगर कोई पाप है.., तो वो सिर्फ और सिर्फ अपने आपको या दूसरों को कमजोर मानना है।

- स्वामी विवेकानंद

न्यूज गैलरी

बजाली राज्य का 35वां जिला

गुवाहाटी। असम सरकार ने गुरुवार (12 अक्तूबर) को बजाली नाम के एक नए जिले की अधिसूचना जारी कर दी। बजाली जिला बरपेटा जिले को विभाजित करके बनाया गया है। असम के राज्यपाल के आदेश के मुताबिक, अधिसूचना जारी होने के साथ ही बजाली असम का 35वां जिला बन जाएगा। असम सरकार के एडिशनल चीफसेक्रेटरी अविनाश जोशी ने एक आदेश में कहा कि प्रशासनिक सुविधा के लिए और सार्वजनिक सुविधा के हित में असम के राज्यपाल मदन रौता नगर, पाठशाला में मुख्यालय के साथ -शेष पृष्ठ दो पर

इजराइल तो सिर्फ शुरुआत है, पूरी दुनिया में होगा हमारा राज : हमास

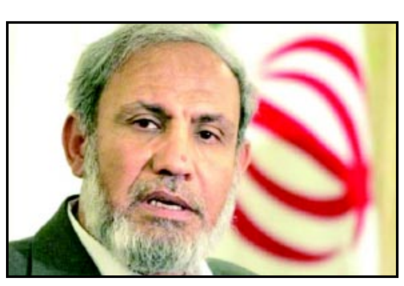

गाजा सीटी। इजराइल और हमास के बीच विनाशकारी जंग चल रही है। इस युद्ध ने पुरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। अभी तक दों पक्षों की ओर से 2200 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है जबकि हजारों को तदाद में लोग घायल हैं। इजराइल के साथ चल रही जंग के बीच हमास कमांडर महमूद अल जहर का एक वीडियो सामने आया है। इसमें हमास कमांडर ने चेतावनी देते हुए कहा कि इजराइल तो सिर्फ शुरूआत है, पूरी दुनिया में जल्द ही हमारा राज और कानून लागू होगा...कोई यहूदी या ईसाई गद्दार नहीं बचेगा। हमास सिर्फ फलस्तीन ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया को आजाद कर देगा। हमास के कमांडर महमूद अल जहर ने चेतावनी देते हुए कहा कि इजराइल हमारा पहला -शेष पृष्ठ दो पर

युद्ध में अबतक 22 अमेरिकी नागरिकों की मौत

वाशिंगटन/यरूशलम (हि.स.)। इजराइल-हमास युद्ध में मारे गए अमेरिकी नागरिकों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है। अमेरिकी विदेश विभाग ने बुधवार को इसकी पुष्टि की है। एक दिन पहले इस युद्ध -शेष पृष्ठ दो पर

चीन में मंदी और उत्पीड़न से तंग लोग कर रहे पलायन

बीजिंग। चीन में आर्थिक मंदी और उत्पीड़न से तंग आए चीनी नागरिकों का पलायन बढ़ता जा रहा है। बड़ी संख्या में ये चीनी नागरिक दक्षिणी सीमा पार कर अमेरिका में अवैध प्रवेश कर रहे हैं। 2023 के पहले तीन महीनों में 2022 की तुलना में दोगुने चीनी अवैध अप्रवासी अमेरिकी सीमा पार कर गए थे। इस साल की पहली तिमाही में लगभग 4,293 चीनी नागरिकों को अमेरिकी सीमा पर पकड़ा गया था। यूएस डिपार्टमेंट ऑफहोमलैंड सिक्योरिटी की सीमा शुल्क और सीमा सुरक्षा (सीबीपी) एजेंसी द्वारा संकलित आंकड़ों के अनुसार, पूरे 2022 में यह आंकड़ा 1987 के करीब था। दरअसल, डेटा से पता चलता है कि फरवरी 2021 के बाद से अमेरिका में प्रवेश करने वाले अवैध चीनी प्रवासियों की संख्या हर महीने -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बक्सर में रेल दुर्घटना, पांच की मौत, 70 से अधिक घायल

पटना (हि.स.)। बिहार के बक्सर जिले के रघुनाथपुर रेलवे स्टेशन के पास बीती रात 9:35 बजे आनंद विहार से असम के कामख्या तक जाने वाली नार्थ ईस्ट एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 2506) दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिसमें अबतक 5 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। हादसे में 70 से अधिक यात्री घायल हुए हैं। बक्सर के जिलाधिकारी अंशुल अग्रवाल ने 4 लोगों की मौत की पुष्टि की है। वहीं, राहत कार्य में जुटी पुलिस ने एक और शव बरामद होने की पुष्टि की, जिससे मृतकों की संख्या पांच हो गई। भोजपुर के जिलाधिकारी राजकुमार ने बताया कि दुर्घटना में 70 यात्री जख्मी हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने 100 के करीब यात्रियों के घायल होने की बात कही है। पूर्व मध्य रेलवे के जीएम अनुपम शर्मा ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त ट्रेन के यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई। घटनास्थल पर एक रेक पहुंचाया गया जिससे नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस के यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई। जीएम अनुपम शर्मा और दानापुर रेल मंडल के डीआरएम जयंत कुमार चौधरी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। राहत कार्य जारी है। राहत यान, रेस्क्यू ट्रेन क्रेन और मेडिकल टीम मौके पर लगातार काम कर रही है। एनडीआरएफ-एसडीआरएफकी टीमें घटनास्थल पर पहुंच कार्य कर रही हैं। राज्य के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने ट्वीट कर कहा कि स्वास्थ्य एवं आपदा प्रबंधन विभाग बिहार के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत नियंत्रण कक्ष में स्वास्थ्य एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारियों के साथ राहत, बचाव व रसद जुटाने व अन्य सभी व्यवस्थाओं की निगरानी कर रहे हैं। अस्पताल अलर्ट है। गाड़ियों के लिए जिले के टोल फ्री कर दिए गए हैं। पूर्व मध्य रेलवे के सीपीआरओ ने बताया कि दुर्घटना के बाद इस रूट की सभी ट्रेनों को आसपास के स्टेशनों पर रोक दिया गया है। कई ट्रेनों का रूट डायवर्ट कर दिया गया है। सीमांचल एक्सप्रेस दिलदार नगर में, गुवाहाटी राजधानी दानापुर में रोकी गई है। विभूति, पंजाब मेल समेत अन्य ट्रेनों को वाराणसी से ही दूसरे रूट से किउल भेजा गया है। दुर्घटना के कारणों का पता अभी नहीं चला है। ट्रेन के दुर्घटनाग्रस्त होने से थोड़ी देर पहले पटना-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, संपूर्ण क्रांति, और राजेंद्रनगर अजमेर जियारत एक्सप्रेस यहां से गुजर चुकी थीं। ऐसे में तकनीकी विशेषज्ञ प्वांइट फेल्योर का अनुमान लगा रहे हैं।

सनातन कभी खत्म नहीं होता : भागवत

रोहतक (हि.स.)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने गुरुवार को कहा कि सनातन हमेशा सनातन ही रहेगा। सनातन कभी खत्म नहीं होता और यह मनुष्य में आत्मा के रूप में रहता है। डॉ. भागवत स्थानीय श्रीबाबा मस्तनाथ मठ परिसर में ब्रह्मलीन महंत चांदनाथ योगी की स्मृति में मूर्ति स्थापना एवं प्राण प्रतिष्ठा समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सनातन सभी जगह है और इसका उल्लेख भगवद्गीता में भी है कि यह मरता नहीं है, मारता नहीं है और वह सर्वत्र रहता है, सभी जगह रहता और पहले भी था, आज भी और आगे भी रहेगा। संघ प्रमुख का मौजूदा बयान हाल में तमिलनाडु की डीएमके सरकार के मंत्री उदयनिधि स्टालिन के उस बयान का पलटवार माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने सनातन को खत्म करने की बात कही थी। डॉ. भागवतन ने भक्त प्रह्लाद का उल्लेख कर कहा कि सनातन को तोड़ने के लिए एक सज्जन (हिरण्यकश्यप) निकले, संयोग से उनका बेटा ही सनातनी बना गया, लाख मनाया, लेकिन उसने छोड़ा नहीं, उसे आग में फेंका गया, चट्टान से गिराया गया, पानी में डूबोया, सनातन ने उसकी रक्षा की। उसके पिता ने हाथ में तलवार लेकर पूछा कहां-कहां सनातन, उसे बताया गया कि सभी जगह है, क्या पत्थर के खंभे में भी है। इसके बाद उनके मन में सनातन को नष्ट करने का विचार ही बदल गया। डॉ. भागवत ने कहा कि भक्त प्रह्लाद की कहानी सब जानते हैं। सनातन के साथ हमें रहना है। सनातन के आधार पर दुनिया चलती है। सनातन धर्म ही हिन्दू राष्ट्र है। सारी संस्कृति सनातन का ही आधार है, सनातन भारत के साथ एकरूप है।

तवांग जिले के आधिकारिक दौरे पर पहुंचे गृह मंत्रालय के अधिकारी

इटानगर (हिंस)। केंद्रीय गृह मंत्रालय की संयुक्त सचिव पौसमी बासु अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिला की तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर आज तावांग पहुंची, जिनका जिला अधिकारियों ने स्वागत किया। तवांग जिले के कार्यालयों के प्रमुखों के साथ उन्होंने आज चर्चा करते हुए वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम की औपचारिक मंजूरी पर प्रकाश डाला और कहा कि पिछले छह महीनों में, तवांग ने सक्रिय रूप से कई गतिविधियां की हैं, जिसके परिणामस्वरूप इस नए पर्यटन स्थल के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ी है। राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत ग्राम कार्य योजनाएं विचाराधीन हैं और जल्द ही आगे के कार्यान्वयन के लिए मंजूरी दे दी जाएगी। उपायुक्त कांकी दरांग ने पौसमी बासु को तावांग में स्वागत करते हुए वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम की प्रगति पर जोर दिया और कहा कि इसकी सफलता सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। यह पहल न केवल सीमावर्ती गांवों की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए बल्कि, सीमावर्ती क्षेत्रों से शहर की ओर प्रवास को हतोत्साहित करने के लिए भी तैयार है। वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के तहत की गई गतिविधियों पर एक व्यापक प्रस्तुति पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के रूप में ईएसी सह जिला योजना अधिकारी चोइकी डोंडुप द्वारा दी गई। अपनी यात्रा के दौरान, संयुक्त सचिव बासु ने तवांग मठ, ब्रामडुंगचुंग अनी गोंपा और तवांग एम्पोरियम का दौरा किया।

मिजोरम विस चुनाव को लेकर कांग्रेस ने की बैठक

नई दिल्ली (हि.स.)। मिजोरम विधानसभा चुनाव को लेकर गुरुवार को कांग्रेस केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक हुई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक की फोटो एक्स पर साझा कर लिखा कि मिजोरम के लोग बदलाव के लिए प्रयासरत हैं। शांति, विकास और कल्याण से जुड़े इस खूबसूरत राज्य के साथ कांग्रेस पार्टी का ऐतिहासिक संबंध है। हमें विश्वास है कि मिजोरम कांग्रेस पार्टी को मजबूत करेगा और हमें अतीत की तरह सेवा करने का मौका देगा। खड़गे ने कहा कि हमने आज केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक (सीईसी) में आगामी मिजोरम विधानसभा चुनावों के लिए राजनीतिक रणनीति पर चर्चा की। उल्लेखनीय है कि यह बैठक कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित की गई। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के साथ कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और पार्टी सांसद राहुल गांधी सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

असम रायफल्स ने की 20 हजार याबा गोलियां जब्त

कछार (हिंस)। असम राइफल्स और लखीपुर पुलिस ने एक संयुक्त अभियान में एक स्कूटी से 20 हजार याबा गोलियां जब्त की। आपूर्ति के दौरान सिलचर-इंफाल राष्ट्रीय राजमार्ग 37 के बगल से गोलियां जब्त की गईं। टैबलेट को स्कूटी (एएस-11के-5253) में बिक्री के लिए लाया गया था। स्थानीय मार्कुलिन निवासी सीएमथार मार नामक आपूर्तिकर्ता को गोलियों के साथ गिरफ्तार किया गया था। असम राइफल्स ने कहा कि जब्त गोलियों का बाजार मूल्य लगभग एक करोड़ रुपए है।

चार करोड़ की हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

गोलाघाट (हिंस)। बरपथार पुलिस ने आज 4 करोड़ रुपए की हेरोइन के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर की गई कार्रवाई में भारी मात्रा में हेरोइन जब्त की गई। पुलिस की एक टीम ने दो ड्रग्स तस्करों को पकड़ने में भी कामयाबी हासिल की। खकराजान में पुलिस नाका चैकिंग के दौरान यह हेरोइन जब्त की गई। दो तस्कर डिमापुर से गोलाघाट जानेवाली आई-20 गाड़ी (एएस-13एफ-5257) के एक गुप्त चैंबर में छिपाकर हेरोइन की आपूर्ति करने का प्रयास कर रहे थे। 60 प्लास्टिक के साबुनदानी से 726.05 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। बरपथार पुलिस ने बताया कि जब्त हेरोइन का बाजार मूल्य करीब चार करोड़ रुपए है। गिरफ्तार किए गए दोनों तस्करों की पहचान इंफाल के साजित खान और इकबाल अहमद के रूप में की गई है। कानूनी प्रक्रिया शुरू की गई है।

पृष्ठ एक का शेष

योजनाओं को लागू ...

सुनिश्चित नहीं कर सकता, तो मैं हिमालय भी जा सकता हूं। उन्होंने राज्य के विभागों में रिक्तियों को भरने और शिक्षा और खेल के बुनियादी ढांचे के विकास में किए गए कार्यों के अलावा, उनकी सरकार द्वारा शुरू की गई नई सड़कों, पुलों और सुरंगों सहित कई अन्य कल्याण और विकास परियोजनाओं को सूचीबद्ध किया। सीएम ने कहा कि विपक्षी दलों को सवाल करना चाहिए कि क्या सरकार योजनाओं को लागू करने के लिए अधिक कर लगा रही है। उन्होंने कहा कि लोगों पर कोई अतिरिक्त कर लगाए बिना हम इन सभी योजनाओं को लागू कर रहे हैं। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार पीएम मोदी के आशीर्वाद और शुभकामनाओं के कारण ऐसा करने में सक्षम हो रही है। उन्होंने कहा कि मैं असम के लोगों से पीएम मोदी का समर्थन जारी रखने का आग्रह करता हूं क्योंकि उनकी मदद से ही हम अपने राज्य को विकास की नई ऊंचाइयों पर ले जा सकते हैं। शर्मा ने कहा कि सरकार अगले साल अरुणोदय योजना के तहत 5 लाख और लाभार्थियों को शामिल करने का लक्ष्य बना रही है, जिससे लाभार्थियों की संख्या लगभग 31 लाख हो जाएगी। उन्होंने मौजूदा लाभार्थियों से यह भी अनुरोध किया कि यदि उनके परिवार में किसी को सरकारी नौकरी मिलती है और उनकी आर्थिक स्थिति स्थिर हो जाती है तो वे खुद को सूची से हटा लें ताकि योग्य परिवारों को इसमें शामिल किया जा सके। उधर मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि यदि वे जनता का हित नहीं कर सकते हैं तो उनके मुख्यमंत्री के पद पर रहने का क्या मतलब है। हित के अधिकारियों को उनका अधिकार देने से बढ़कर मुख्यमंत्री के लिए कोई काम नहीं हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस तथा कुछ दलों के कुछ आंदोलनकारी हमेशा ही अरुणोदय योजना का विरोध करते हैं। वे यह कहकर इसकी निंदा करते हैं कि इस योजना के जरिए हिताधिकारी खड़े किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इसलिए मुख्यमंत्री बने हैं कि लोगों के हित में काम करें, जिनका जो प्राप्य अधिकार है, वह उन्हें दें। वहीं मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि यदि मुख्यमंत्री होकर वे हिताधिकारी (लाभार्थी) नहीं बना सकते हैं तो उनके मुख्यमंत्री बने रहने का क्या मतलब है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हिताधिकारी का मतलब होता है जो हित के अधिकारी हैं। हित के अधिकारियों को उनका अधिकार देने से बढ़कर मुख्यमंत्री के लिए कोई काम नहीं हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस तथा कुछ दलों के कुछ आंदोलनकारी हमेशा ही अरुणोदय योजना का विरोध करते हैं। वे यह कहकर इसकी निंदा करते हैं कि इस योजना के जरिए हिताधिकारी खड़े किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे इसलिए मुख्यमंत्री बने हैं कि लोगों के हित में काम करें। जिनका जो प्राप्य अधिकार है वह उन्हें दें।

नागरिकता कानून की ...

(दोनों सेवानिवृत्त), न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति पमिदिघनतम नरसिम्हा की पांच-न्यायाधीशों की पीठ ने कहा था कि इस मुद्दे का निर्णय क्या नागरिकता अधिनियम 1955 की धारा 6ए किसी संवैधानिक कमजोरी से ग्रस्त है। नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की वैधता पर सुनवाई 17 दिसंबर, 2014 को न्यायमूर्ति रंजन गोगोई और न्यायमूर्ति रोहिंटन फली नरीमन की दो-न्यायाधीश पीठ द्वारा दिए गए संदर्भ पर आधारित है। न्यायमूर्ति रंजन गोगोई भारत के मुख्य न्यायाधीश बने और सेवानिवृत्त हो चुके हैं। उन्हें मोदी सरकार द्वारा राज्यसभा सदस्य के रूप में नामित किया गया था। न्यायमूर्ति नरीमन भी सेवानिवृत्त हो चुके हैं। न्यायमूर्ति गोगोई और न्यायमूर्ति नरीमन की पीठ ने पांच-न्यायाधीशों की संविधान पीठ के संदर्भ के लिए 13 प्रश्न तैयार किए थे, जिसमें यह भी शामिल था कि क्या असम समझौते के अनुसरण में शामिल की गई धारा 6ए अनुच्छेद 6, अनुच्छेद 14, अनुच्छेद 21, अनुच्छेद 29(1) का उल्लंघन करती है। 355, संविधान और नागरिकता अधिनियम और कानून के शासन का मूल आधार। संविधान पीठ को भेजे गए प्रश्नों में से एक में यह शामिल था कि क्या भारत के संविधान के अनुच्छेद 10 और 11 नागरिकता अधिनियम की धारा 6 ए को लागू करने की अनुमति देते हैं, साथ ही धारा 6 ए में कट से अलग कट-ऑफ तारीख निर्धारित करने की अनुमति है -अनुच्छेद 6 में निर्धारित तारीख से बाहर, अनुच्छेद 6 में भिन्नता के बिना ही ऐसा किया जा सकता है। इसके बाद उसी पीठ ने 21 जुलाई, 2015 को एक संविधान पीठ को एक प्रश्न भेजा था कि क्या भारत में अवैध प्रवासियों से पैदा हुए बच्चे को भारत का नागरिक माना जाएगा या नहीं ? असम में बिना दस्तावेज वाले बांग्लादेशी प्रवासियों से पैदा हुए बच्चों की नागरिकता की स्थिति के संदर्भ में यह प्रश्न संविधान पीठ को भेजा गया था। नागरिकता अधिनियम की धारा 3 जन्म से नागरिकता प्रदान करती है। गुवाहाटी स्थित गैर सरकारी संगठन, असम संमिलित महासंघ ने असम पब्लिक वर्क्स, ऑल असम अहोम एसोसिएशन और अन्य के साथ मिलकर 2012 में धारा 6ए को यह कहते हुए चुनौती दी थी कि धारा 6ए भेदभावपूर्ण, मनमाना और अवैध है और यह अलग-अलग प्रावधान प्रदान करती है। असम तथा भारत में प्रवेश करने वाले गैर-दस्तावेज प्रवासियों को नियमित करने के लिए अंतिम तिथियां 1971 है। कारण बांग्लादेश के मुक्ति युद्ध, जिसके कारण बांग्लादेश को पाकिस्तान से आजादी मिली, उसी के चलते भारत में प्रवासियों का भारी प्रवाह देखा गया। युद्ध शुरू होने से पहले ही बड़ी संख्या में बंगाली पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के अत्याचारों से भागकर भारत में प्रवेश कर गए थे, जिससे असम जैसे सीमावर्ती राज्यों में गंभीर शरणार्थी संकट पैदा हो गया था। युद्ध समाप्त होने और बांग्लादेश को स्वतंत्रता मिलने के बाद, इनमें से कई शरणार्थी भारत में ही रह गए और कई अन्य बिना दस्तावेज वाले प्रवासियों के रूप में भारत में प्रवेश कर गए। इन प्रवासियों की स्थिति दशकों से भारत और बांग्लादेश के बीच विवाद का विषय रही है।

मुख्यमंत्री को जान...

हम आपको उड़ा देंगे। जिस क्षेत्र में पोस्टर लगाए गए थे, वह गुवाहाटी के जालुकबाड़ी क्षेत्र से लगभग 10 किलोमीटर दूर है और हाजो निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आता है। यह परिसीमन से पहले जालुकबाड़ी निर्वाचन क्षेत्र का एक हिस्सा था, जिसका प्रतिनिधित्व मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा करते हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरूकर दी है और स्थानीय लोगों से जानकारी मांगी जा रही है। पोस्टर में तीन लोगों की तस्वीरें भी थीं, लेकिन वे कौन हैं, यह कोई नहीं जानता। बताया जा रहा है कि इलाके में करीब चार से पांच पोस्टर लगाए गए थे।

जल जमाव को ...

सकता है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के कहर को रोकना किसी भी सरकार के लिए नामुमकिन है। उन्होंने कहा कि जब वे असम के शहरी विकास मंत्री थे, तब गुवाहाटी में 7 दिनों तक पानी भरा रहता था। लेकिन, आज 4 घंटे के अंदर गुवाहाटी शहर के पानी को बाहर निकाल दिया जाता है। सरकार बस यही कर सकती है, इसके अलावा सरकार के हाथ में कुछ भी नहीं है।

परेश बरुवा आकर ...

वर्तमान असम के बारे में उन्हें जानकारी नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि परेश बरुवा असम में आएं और असम में क्या बदलाव हुए हैं और क्या और भी होना है इसको देखें।

हम बच्चे को नहीं ...

सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के साथ अदालत की पीठ में न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा भी शामिल हैं। पीठ ने 27 वर्षीय महिला की ओर से पेश वकील से पूछा कि क्या आप चाहते हैं कि हम एम्स के डॉक्टरों को भ्रूण की धड़कनों को रोकने के लिए कहें ? जब वकील ने जवाब में *नहीं* कहा, तो पीठ ने पूछा, जब महिला ने 24 सप्ताह से अधिक समय तक इंतजार किया है, तो क्या वह कुछ और हफ्तों तक भ्रूण को अपने गर्भ में नहीं पाल सकती ? ताकि एक स्वस्थ बच्चे के जन्म की संभावना बन सके। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, मामला सीजेआई की अगुवाई वाली पीठ के समक्ष तब आया जब बुधवार को दो न्यायाधीशों की पीठ ने खंडित फैसला सुनाया। शीर्ष अदालत ने 9 अक्तूबर के आदेश में कहा था कि महिला अवसाद से पीड़ित है। कोर्ट ने *भावनात्मक, आर्थिक और मानसिक रूप से* तीसरे बच्चे को पालने की स्थिति में नहीं होने के कारण महिला को गर्भ गिराने के लिए चिकित्सीय तरीके अपनाने की अनुमति दी थी। दरअसल, एक विवाहित महिला 26 सप्ताह के गर्भ को मेडिकल तरीके से समाप्त कराने के लिए एम्स, दिल्ली के डॉक्टरों से मिली थी। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट की न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना की पीठ ने गर्भ गिराने की अनुमति दी थी। हालांकि, भ्रूण के गर्भपात के मामले में केंद्र सरकार की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने आदेश को वापस लेने की मांग की। भाटी ने चीफजस्टिस चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ को गत 10 अक्तूबर को बताया था कि मेडिकल बोर्ड की राय में भ्रूण विकसित होने और बच्चे के जन्म की पूरी संभावना है। डॉक्टरों का कहना है कि *उन्हें भ्रूणहत्या करनी होगी* मेडिकल बोर्ड के ऐसा कहने के बावजूद गर्भपात की अनुमति दी गई। इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ की पीठ ने कहा था कि एम्स के डॉक्टर गर्भपात के इस मामले में बहुत गंभीर दुविधा में हैं।

मणिपुर : हिंसा और...

हिंसक गतिविधियों, (किसी भी) शरीर को नुकसान पहुंचाने या निजी और सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने वाले वीडियो और छवियों के कथित प्रसार को बहुत गंभीरता से और अत्यंत संवेदनशीलता के साथ लेती है। मीडिया प्लेटफॉर्म जो राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति को खराब कर सकते हैं। इसमें कहा गया है कि राज्य सरकार ने मामले की गहन जांच के बाद राज्य में सामान्य स्थिति लाने की दिशा में एक सकारात्मक कदम के रूप में ऐसे वीडियो और फोटो को फैलाने पर रोक लगाने का फैसला किया है। आदेश में कहा गया है कि जिस किसी के पास ऐसे वीडियो या चित्र हैं, वे अधिकार क्षेत्र की परवाह किए बिना निकटतम पुलिस अधीक्षक से संपर्ककर सकते हैं और उन्हें उचित कार्रवाई के लिए जमा कर सकते हैं। आदेश का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति पर प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के कानून और प्रावधान के तहत मामला दर्ज किया जाएगा और मुकदमा चलाया जाएगा। उन पर आईपीसी और आईटी एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। सितंबर में सोशल मीडिया पर दो लापता युवकों के शवों की तस्वीरें सामने आने के बाद इंफाल घाटी में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरूहो गए और प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों और पुलिस की कार्रवाई में 100 से अधिक छात्र, ज्यादातर लड़कियां घायल हो गईं। विरोध प्रदर्शन ने केंद्र को सीबीआई अधिकारियों की एक टीम भेजने के लिए प्रेरित किया और चार आरोपियों को बाद में सीबीआई टीम ने गिरफ्तार कर लिया। आगे की जांच और कानूनी प्रक्रियाओं के लिए उन्हें गुवाहाटी ले जाया गया। पूर्वोत्तर राज्य में इस साल 3 मई से मैतेई और कुकी जनजाति के बीच जातीय हिंसा देखी गई। मेइती लोगों द्वारा जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग के बाद हिंसा भड़क उठी थी।

अरुणाचल में 118...

जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार लाने और अरुणाचल प्रदेश के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप हैं।

इन सात पुलों की स्वीकृति-

पूर्वी कामेंग जिले के लाइमोया, नेरेवा और सोरोवा गांवों को जोड़ने वाले लाचांग में पाचा नदी पर आरसीसी पुल। पूर्वी कामेंग जिले में डोनीगांव के रास्ते में गोआंग में पाचा नदी पर गोआंग से डोनीगांव गांव तक आरसीसी पुल। निचले दिबांग जिले में एनएच-313 पर 3 पुल। पश्चिम कामेंग जिले के खरसा, दिरांग में आरसीसी डेकिंग के साथ डबल लेन स्टील कम्पोजिट पुल। लोअर सियांग जिले में कोयू-गोये रोड पर ताबिरिपो साकू गांव को जोड़ने के लिए सिगेन नदी पर आरसीसी पुल। पूर्वी सियांग जिले में मेबो-ढोला रोड पर न्गोपोक नदी पर आरसीसी पुल। निचले सुबनसिरी जिले में चल्ल्यू और केबी गांव को जोड़ने के लिए पन्योर नदी पर स्टील कम्पोजिट पुल।

फिलिस्तीन के अस्तित्व...

की सुरक्षा है। इसके लिए ऑपरेशन अजय के तहत पहली चार्टर फ्लाइट आज इजराइल पहुंच जाएगी। इसमें 230 के आसपास नागरिकों को लेकर कल फ्लाइट भारत के लिए रवाना होगी। उन्होंने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर एयरफोर्स की भी मदद ली जाएगी। बागची ने बताया कि इजराइल में 18 हजार भारतीय नागरिक हैं, जिनमें से कुछ छात्र हैं। हमने वहां रह रहे भारतीयों को दूतावास में खुद को पंजीकृत कराने के लिए कहा है। उन्होंने बताया कि एक भारतीय के घायल होने की जानकारी है। उनकी धीरे-धीरे रिकवरी हो रही है। अभी तक भारतीयों के हताहत होने का कोई बड़ा समाचार नहीं है। साथ ही उन्होंने बताया कि गाजा पट्टी में 3 और वेस्ट बैंक में 12 भारतीय नागरिकों के होने की जानकारी है। वहां से निकासी को लेकर अभीतक कोई अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है।

जयशंकर को जेड ...

आदि शामिल हैं। भारत सरकार विशिष्ट व्यक्तियों के ऊपर खतरों को देखते हुए एक्स, वाई, वाई प्लस, जेड, जेड प्लस और एनएसजी श्रेणियां की सुरक्षा देती है। इसमें जेड प्लस सबसे उच्चतम स्तर की सुरक्षा होती है। इसके बाद जेड, वाई और एक्स श्रेणी की सुरक्षा आती है। जेड प्लस की सुरक्षा केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री की सुरक्षा में लगाई जाती है। इसके अलावा एसपीजी की सुरक्षा होती है, जो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मिली हुई है। एसपीजी की सुरक्षा भारत में सबसे आधुनिक और उच्च कैटेगरी की होती है।

इजराइल तो सिर्फ ...

टारगेट है। जल्द ही पूरी दुनिया हमारे कानून के अंदर होगी। 510 मिलियन वर्ग किलोमीटर वाली पूरी दुनिया एक ऐसे व्यवस्था के अंतर्गत आएगी, जहां कोई अन्याय नहीं होगा, न कोई जुल्म होगा और न ही कोई अपराध होगा, जैसा कि सभी अरब देशों, लेबनान और सीरीया में फलस्तीनियों के साथ किया जा रहा है। हमास कमांडर की चेतावनी के बाद इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल हमास को कुचल देगा और तबाह कर देगा। नेतन्याहू ने कहा कि हमास का प्रत्येक सदस्य अब *मुर्दा* है। उन्होंने कहा कि हमास एक दाएश (आतंकी संगठन आईएसआईएस) है और हम उसे नष्ट कर देंगे। नेतन्याहू और शीर्ष विपक्षी नेता ने फलस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के खिलाफयुद्ध की निगरानी करने के लिए युद्धकालीन एकता सरकार बनाने का एक समझौता किया। इजराइल की सेना ने कहा है कि वह गाजा में संभावित जमीनी अभियान की तैयारी कर रही है लेकिन देश के नेताओं ने इस संबंध में अभी कोई निर्णय नहीं लिया है। लेफ्टिनेंट कर्नल रिचर्ड हेच ने गुरुवार को पत्रकारों को बताया कि बल जमीनी अभियान की तैयारी कर रहे हैं..। इजराइल ने लगभग 360,000 रिजर्व सैनिक बुलाए हैं और सप्ताहांत में हमास की ओर से किए गए घातक हमलों के बदले में भीषण कार्रवाई की चेतावनी दी है। इससे पहले इजराइली सेना ने बुधवार को बताया कि उनके देश में 189 सैनिकों सहित 1,200 से अधिक लोग मारे गए हैं। गाजा के अधिकारियों के अनुसार वहां 1,100 लोग मारे गए हैं। दोनों तरफसे हजारों लोग घायल हुए हैं। इजराइल का कहना है कि उसके क्षेत्र के अंदर लगभग 1,500 हमास आतंकवादी मारे गए, और गाजा के अंदर हमास के सैकड़ों लोग मारे गए हैं।

युद्ध में अबतक...

में 14 अमेरिकी नागरिकों की मौत की पुष्टि की गई थी। वहीं इजराइली एयरफोर्स ने गाजा में इस्लामिक यूनिवर्सिटी पर हमला कर खंडहर में तब्दील कर दिया है। इजराइली डिफेंस फोर्सेस ने बमबारी का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया। फोर्सेस ने लिखा कि हमास ने इंस्टीट्यूट ऑफनॉलेज को इंस्टीट्यूट ऑफडेस्ट्रक्शन में तब्दील कर दिया है। हमास ने इस यूनिवर्सिटी को हथियारों के ट्रेनिंग कैंप में तब्दील कर दिया था। बमबारी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा कि हमें बिल्कुल स्पष्ट रुख अपनाना होगा। आतंकवाद को कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा, इजराइल अमेरिका का सहयोगी है और हम हमेशा साथ मिलकर काम करते रहेंगे। इधर, लेबनान में ईरान समर्थित हिजबुल्ला और फिलिस्तीन चरमपंथियों के पास ड्रोन और ग्लाइडर होने की जानकारी है। विमान के सीमा में दाखिल होने की खबर ऐसे समय आई है जब बुधवार को हिजबुल्ला ने एक इजराइली सैन्य ठिकाने पर टैंक विध्वंसक मिसाइल दागीं, जिसमें सैनिकों के मारे जाने और घायल होने का दावा किया गया। इजराइली सेना ने दक्षिणी लेबनान के उस क्षेत्र पर गोलाबारी की जहां से हमला किया गया था। इजराइली एयरफोर्स की ताजा कार्रवाई में इस्लामिक यूनिवर्सिटी की इमारतें जमींदोज हो चुकी हैं। यूनिवर्सिटी के एक अधिकारी ने मीडिया एजेंसी को बताया कि इजराइली सेना की कार्रवाई में कई इमारतें पूरी तरह से खत्म हो गई हैं। बमबारी के बाद वहां मलबा दिखाई दे रहा है। बमबारी के वक्त वहां पर धूल और धुएं का गुबार ही दिखाई दिया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और शीर्ष विपक्षी नेता ने फिलिस्तीन आतंकवादी समूह हमास के खिलाफ युद्ध की निगरानी करने के लिए युद्धकालीन एकता सरकार बनाने का एक समझौता बुधवार को किया। नेशनल यूनिटी पार्टी के नेता बेनी गैंट्ज ने पूर्व में संकेत दिया था कि वह इजराइल के युद्ध प्रयासों को बढ़ावा देने के लिए आपातकालीन एकता सरकार में बिना शर्त शामिल होने के इच्छुक हैं। उन्होंने एक विज्ञप्ति जारी कर एकता सरकार बनाने पर सहमति की जानकारी दी और इसे नेतन्याहू के साथ संयुक्त बयान करार दिया। गैंट्ज पूर्व में इजराइल के रक्षामंत्री और इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) के प्रमुख की भूमिका निभा चुके हैं। बयान में कहा गया कि वे पांच सदस्यीय *युद्ध प्रबंधन* मंत्रिमंडल का गठन करेंगे। इसमें नेतन्याहू, गैंट्ज, मौजूदा रक्षामंत्री योआव गैलेंट और दो सेवारत शीर्ष अधिकारी बतौर *पर्यवेक्षक* सदस्य शामिल होंगे। बयान में कहा गया कि सरकार जबतक लड़ाई जारी रहेगी तब तक गैर युद्ध संबंधी कोई भी विधेयक पारित नहीं करेगी और न ही इससे जुड़ा फैसला लेगी। मुख्य विपक्षी दल यायर लापिद को भी नए मंत्रिमंडल में शामिल होने का आमंत्रण दिया गया है लेकिन उनकी ओर से अबतक जवाब नहीं आया है। दक्षिणपंथी चरमपंथी नेता और राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री इतामार बेन ग्विर को एकमात्र नेता माना जा रहा था जो एकता गठबंधन स्थापित करने से अपने पैर खींच रहे थे। उन्होंने फैसले की घोषणा होने के बाद सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर पोस्ट किया कि एकता का स्वागत, अब हमें जीत की जरूरत है। आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत ने लिखा कि इजराइल राज्य के पास एकता सरकार है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे समय में हमें एकजुट होना चाहिए, आईडीएफ सैनिकों को समर्थन देना चाहिए और तब तक एकजुट होकर काम करना चाहिए जब तक कि अपने दुश्मन पर इजराइल की पूरी तरह से जीत न हो जाए। इजराइल की सेना ने कहा है कि इजराइल में 155 सैनिकों सहित 1,200 से अधिक लोग मारे गए हैं, जबकि गाजा में अधिकारियों के अनुसार, 260 बच्चों और 230 महिलाओं सहित 950 लोग मारे गए हैं।

चीन में मंदी ...

लगातार बढ़ रही है। सीबीपी डेटा के अनुसार, दक्षिण पश्चिम सीमा पर आने वाले सैकड़ों हजारों प्रवासियों में चीनी सबसे तेजी से बढ़ती जनसांख्यिकीय हैं। अधिकांश अवैध चीनी प्रवासी आमतौर पर इस्तांबुल और फिर इक्वाडोर के लिए उड़ान भरते हैं, जो उन कुछ लैटिन अमेरिकी देशों में से एक है जहां वे बिना वीजा के प्रवेश कर सकते हैं। वहां से, वे कोलंबिया के उत्तरी तट में नेकोक्लि तक बस से यात्रा करते हैं। यह डेरियन गैप को पार करने के लिए लॉन्चपैड है जो जंगलों, पहाड़ों और तेजी से बहने वाली नदियों के माध्यम से 110 किमी का जोखिम भरा, दलदली मार्ग जो मध्य और दक्षिण अमेरिका को जोड़ता है। इस पूरी यात्रा के दौरान, प्रवासियों को घातक जानवरों और हिंसक आपराधिक समूहों के जोखिम का सामना करना पड़ता है, जिसमें गल्फक्लान, एक अर्धसैनिक समूह और कोलंबिया का सबसे बड़ा ड्रग कार्टेल शामिल है। पनामा स्थित एनजीओ आईओएम के अनुसार, 2014 और 2022 के बीच मार्ग पर कम से कम 207 प्रवासियों के लापता होने या मरने की सूचना मिली है, जिसमें अकेले 2022 में 41 मौतें शामिल हैं। इस खतरनाक यात्रा को करने के लिए, चीनी प्रवासी कथित तौर पर लगभग यदि स्वयं यात्रा कर रहे हैं तो 5,000 से 7,000 खर्च करते हैं। यदि वे तस्करों की मदद लेते हैं, तो 35,000 तक खर्च करते हैं। यह मध्य या दक्षिण अमेरिका के प्रवासियों द्वारा आम तौर पर भुगतान की जाने वाली राशि से तीन गुना अधिक है। यह इस तथ्य की ओर इशारा करता है कि केवल गरीब चीनी ही अपने देश से नहीं भाग रहे हैं, बल्कि इनमें से कई प्रवासी श्रमिक वर्ग या मध्यमवर्गीय पृष्ठभूमि से आते हैं। इनमें छोटे व्यवसाय के मालिक, शिक्षक, फाइनेंसर, खेत के मालिक, फिल्म निर्माता आदि शामिल हैं।

बजाली राज्य का...

प्रशासनिक जिला बजाली बनाने में खुश हैं। इसमें कहा गया है कि बजाली जिले की भौगोलिक सीमा नए परिसीमित विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र बजाली के साथ सह-टर्मिनस होगी। आदेश में कहा गया है कि पहले से ही अधिसूचित कैबिनेट उप-समिति अधिक भौगोलिक क्षेत्रों की पहचान करेगी जिन्हें नए जिले में जोड़ा जा सकता है। इसमें कहा गया है कि इस संबंध में रिपोर्ट 30 दिनों के भीतर सौंपी जाएगी। बता दें कि बजाली उन चार जिलों में से एक है, जिन्हें परिसीमन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए 31 दिसंबर, 2022 को मूल जिलों में मिला दिया गया था। वहीं, अन्य तीन जिले होजाई, विश्वनाथ और तामुलपुर हैं। असम कैबिनेट ने दो अक्तूबर को बजाली को पूर्ण जिले का दर्जा देने का फिर से निर्णय लिया था। इसमें कैबिनेट उप-समिति को सीमा को निर्धारित करने का सुझाव देने के लिए अधिकृत किया गया था।

मंत्री पीयूष ने छात्रों में वितरित की 7, 749 साइकिलें

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य के सूचना एवं प्रसारण आदि मामलों के मंत्री पीयूष हजारिका ने आज हैलाकांदी जिले के 7, 749 छात्रों के बीच साइकिलें वितरित कर छात्रों को साइकिल वितरण की योजना की औपचारिक शुरुआत की। इस अवसर पर आयोजित एक भव्य समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री हजारिका ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में हमारी सरकार राज्य में शिक्षा क्षेत्र के समग्र उत्थान के लिए अथक प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि इस पहल को हाल ही में बढ़ाते हुए हमारी सरकार ने राज्य में नौवीं कक्षा के छात्रों को 3.69 लाख साइकिलें प्रदान करने का कार्य शुरू किया है। उन्होंने कहा कि मुझे (मंत्री) आज हैलाकांदी जिले में साइकिल वितरण कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन करने का सौभाग्य मिला। जिससे 7, 749 छात्र लाभान्वित हुए। मुझे विश्वास है कि इस पहल से न केवल दूरदराज के क्षेत्रों के छात्रों के लिए परिवहन की कठिनाई कम होगी, बल्कि राज्य के शैक्षिक क्षेत्र में भी नई जान आएगी। इस अवसर पर मंत्री के साथ विधायक कौशिक राय, कृष्णेंदु पॉल और बिजय मालाकार, जिला आयुक्त निसर्ग हिवरे गौतम, भाजपा जिला अध्यक्ष स्वपोन भट्टाचार्जी, हैलाकांदी नगरपालिका के अध्यक्ष कल्याण गोस्वामी और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

बीटीआर को मिला विकास का नया आयाम : भाजपा

चार दिनों में 570 करोड़ की परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने चार दिनों में 570 करोड़ रुपए की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन करके बीटीआर क्षेत्र के विकास को एक नया आयाम दिया है। ये बातें प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता मनोज बरुवा ने आज प्रदेश भाजपा मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन में आयोजित एक पत्रकार सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं। बरुवा ने कहा कि सरकार ने 193.48 मीटर लंबे पुल का उद्घाटन करके जहां, बाक्सा जिले में 40 बीघा भूमि पर एक गुणवत्तापूर्ण खेल परियोजना की आधारशिला रखकर बाक्सा और तामुलपुर जिलों में सड़क कनेक्टिविटी में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। वहीं, बीटीआर क्षेत्र में सरकार ने 63 करोड़ रुपए की लागत से 419.05 मीटर काशीकोटरा-बासुगांव-तालगुड़ी सड़क और रेलवे फ्लाईओवर और बासुगांव में 11 करोड़ रुपए की लागत से कुलुंग नदी पर 152 मीटर लंबे पुल का उद्घाटन किया। उन्होंने काजलगांव में 39 करोड़ रुपए की लागत से एक अत्याधुनिक खेल परियोजना की आधारशिला भी रखी। असम माला योजना के तहत 204 करोड़ रुपए की लागत से 44.77 किलोमीटर सड़क विकास की आधारशिला भी रखी। 132 करोड़ रुपए की चंपावती-बहुगांव जलापूर्ति योजना और चौरंग-बहुगांव जलापूर्ति योजना का शिलान्यास कल मुख्यमंत्री ने बीटीआर क्षेत्र की विकास यात्रा को गति दी। दरअसल, प्रदेश बीजेपी ने विपक्ष की इस आलोचना को हास्यास्पद बताया कि चार दिनों के भीतर इन परियोजनाओं के उद्घाटन के बावजूद राज्य में कोई विकास नहीं हुआ है। इस दौरान भाजपा प्रवक्ता ने कांग्रेस में शामिल होने के कल के कार्यक्रम को एक हास्यपद कार्यक्रम बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह कार्यक्रम *खोदा पहाड़ निकली चुहिया* जैसा साबित हुआ। जिस कारण कांग्रेस की हर तरफ किरकिरी हो रही है।

रिश्वत लेते रंगे हाथों थाना प्रभारी गिरफ्तार

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय में एक शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसमें, आरोप लगाया गया था कि पुलिस उप निरीक्षक (यूबी) सनत कुमार मुदोई, डोकमोका पुलिस स्टेशन, जिला- कार्बी आंग्लांग के प्रभारी अधिकारी ने 40 हजार रुपए की मांग की थी। रिश्वत देने के इच्छुक नहीं होने पर, शिकायतकर्ता ने उपरोक्त लोक सेवक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने के लिए इस निदेशालय से संपर्क किया। तदनुसार, सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की एक टीम द्वारा आज डोकमोका पुलिस स्टेशन में एक जाल बिछाया गया था। पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी सब इंस्पेक्टर (यूबी) सनत कुमार मुदोई को रुपए लेते ही स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में रंगे हाथों पकड़ लिया गया। शिकायतकर्ता से मांगी गई रिश्वत के हिस्से के रूप में चार हजार रुपए उसके कब्जे से बरामद कर ली गई है और स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में उसे जब्त कर लिया गया। इसके अलावा, सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की टीम द्वारा पुलिस स्टेशन परिसर के अंदर स्थित सब इंस्पेक्टर के आधिकारिक आवास की तलाशी ली गई। तलाशी में 17 लाख 74 हजार 5 सौ रुपए बरामद कर जब्त कर लिया गया है। उपरोक्त लोक सेवक के खिलाफ पर्याप्त सबूत पाते हुए, उसे सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय की टीम द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। इस संबंध में एसीबी थाने में केस संख्या 82/2023 के तहत भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (यथा संशोधित 2018) की धारा 7 (ए) के तहत मामला दर्ज किया गया है। आवश्यक कानूनी कार्रवाई चल रही है।

एसएसबी गुवाहाटी की साइकिल रैली आयोजित

कोकराझाड़ (हिंस)। सीमांत मुख्यालय सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) गुवाहाटी के आरके भुबला, महानिरीक्षक ने एकता और पर्यावरण की सुरक्षा थीम को लेकर आयोजित साइकिल रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह रैली प्रथम वाहिनी एसएसबी, सोनापुर से रवाना हुई जो छठीं वाहिनी रानीगुली, कोकराझाड़ से होते हुये लगभग 285 किमी की दूरी तय करके 31वीं वाहिनी गोसाइगांव में समापन किया गया। इस साइकिल रैली में कुल 34 साइकिल चालकों ने बढ़-चढ़कर कर हिस्सा लिया। यह रैली एकता का प्रतीक है तथा हमारे पर्यावरण की रक्षा के प्रयासों की शुरुआत की गई है। इसके अलावा लोगों को साइकिल अपनाने के लिए प्रोत्साहित भी किया गया, जिससे न केवल पर्यावारण की रक्षा हो बल्कि, वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाया जा सकेगा।

मजबूत महिलाएं बनाती हैं मजबूत समाज : अशोक सिंघल

बंगाईगांव (हिंस)। उत्तर बंगाईगांव स्थित पुलिस रिजर्व ग्राउंड में आज असम सरकार के शहरी विकास आदि मामलों के मंत्री अशोक सिंघल ने *अरुणोदय 2.0* के तहत लाभार्थियों में कार्ड का वितरण किया। इस अवसर पर आयोजित एक भव्य समारोह को संबोधित करते हुए मंत्री सिंघल ने कहा कि मजबूत महिलाएं एक मजबूत परिवार का निर्माण करती हैं। और, मजबूत परिवार एक मजबूत राष्ट्र की नींव रखते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे (मंत्री) आज उत्तरी बंगाईगांव पुलिस रिजर्व ग्राउंड में आयोजित आधिकारिक वितरण कार्यक्रम के दौरान नए लाभार्थियों को *अरुणोदय 2.0* कार्यक्रम में कार्ड वितरित करते हुए बहुत खुशी हो रही है। हमारे मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की एक दूरदर्शी पहल अरुणोदय योजना ने असम की महिलाओं की मासिक पोषण और चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करके उनके जीवन स्तर में सुधार किया है। इस अवसर पर बंगाईगांव के लोगों के साथ-साथ विधायक फणी भूषण चौधरी भी उपस्थित थे।

बाल विवाह : दुल्हा-दुल्हन समेत परिवार के सदस्य गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। बाल विवाह के खिलाफ राज्य सरकार के कड़ा रुख अपनाने के बाद भी अभिभावकों का एक वर्ग जागरूक नहीं हो पाया है। कामपुर देवनारीकली गांव की 17 वर्षीय किशोरी की शादी आटिगांव के रिंटू कलिता नामक युवक से कराने की व्यवस्था की गई थी। खाने-पीने के बहुत सारे सामान का इंतजाम किया गया। शादी हुई। दुल्हन के घर में हर कोई इंतजार कर रहा है। लेकिन, दुल्हन बिना दूल्हे के ही घर पहुंच गई। पुलिस और बाल संरक्षण समिति (चाइल्ड लाइन) के लोग दुल्हन के घर पहुंच गए। दुल्हन के पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है। उधर, रिंटू कलिता नामक युवक को भी कामपुर पुलिस ने हिरासत में लिया गया। फिलहाल उनसे कामपुर थाने में पूछताछ की जा रही है।

मारवाड़ी सम्मेलन, फकीरग्राम महिला शाखा ने बालिकाओं के बीच बांटी स्कूल बैग

कोकराझाड़ (विभास)। मारवाड़ी सम्मेलन फकीरग्राम महिला शाखा ने स्थानीय हिंदी स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस समारोह ।का आयुजन किया। इस मौके पर सम्मेलन ने पहली कक्षा से आठवीं कक्षा तक बालिकाओं को स्कूल बैग वितरण किया। वितरण कार्यक्रम के बाद एक सभा का आयोजन किया गया। सभी की अध्यक्षता सरिता शर्मा ने संबोधन करते हुए बालिकाओं के संरक्षण हेतु विकास के लिए आगे आना का आह्वान किया। इसके अलावा स्कूल के प्रधानाचार्य राजेश ठाकुर एवं शिक्षिका उमा शर्मा ने बालिकाओं के विकास की जरूरत पर बल दिया। इस वितरम कार्यक्रम में सम्मेलन की फकीरग्राम शाखा के सभी सदस्यों ने बढ़-चढ़कर कर भाग लिया। जिसमें उपाध्यक्ष सलोचना पोद्दार, सचिव शिल्पा अग्रवाल के साथ सदस्य शोभा खेमका, उर्मिला अग्रवाल, उमा शर्मा, सीता तिवारी, प्रेम पोद्दार, कविता अग्रवाल उपस्थित थी।

होजाई में भी अरुणोदय 2.0 योजना के बांटे गए कार्ड

होजाई (निसं)। राज्य के अन्य जिलों के साथ-साथ होजाई जिले में भी अरुणोदय 2.0 योजना के लाभार्थियों के बीच अरुणोदय कार्ड का वितरण बुधवार को जिला मुख्यालय शंकरदेव नगर में हुआ। होजाई जिला के आयुक्त लचित कुमार दास की अध्यक्षता में आयोजित सभा में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे परिवहन, मत्स्य और अबकारी विभाग के मंत्री परिमल शुक्लवैद्य। उल्लेखयोग्य है कि होजाई में प्रथम चरण में 41890 लाभार्थियों के बीच कार्ड का वितरण हुआ था। वही दूसरे चरण में 16098 महिला लाभार्थियों के बीच कार्ड का वितरण हुआ। होजाई जिले में कुल मिलाकर 51988 लाभार्थी महिलाओं को अरुणोदय योजना के तहत 1250 हर महीने रुपए मिलेंगे। उक्त सभा में मुख्य अतिथि के अलावा होजाई के विधायक रामकृष्ण घोष, लामडिंग के विधायक शिबू मिश्रा, जिला पुलिस अधीक्षक सौरभ गुप्ता, जिला बीजेपी के सभापति अनूप देव, जिला

परिषद की सभानेत्री रामवाला देवी सहित कई अधिकारी उपस्थित थे। जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र के कुल 25 लाभार्थियों को मंत्री ने अपने हाथों से कार्ड प्रदान किया। मंत्री परिमल शुक्लवैद्य ने सभा को संबोधित करते हुए कहा राज्य में दूसरे चरण की अरुणोदय योजना का काम प्रारंभ हो चुका है जिससे राज्य के लाख-लाख महिलाओं को इसका फायदा हुआ है और होजाई के जिला के तीनों विधानसभा समष्टि के 51 हजार से अधिक महिला के नाम इस योजना में शामिल हुए हैं। अब आर्थिक के रूप से दुर्बल महिलाओं को प्रतिमहा 10 तारीख को 1250 रुपए मिलेंगे। विरोधीदलों की आलोचना करते हुए मंत्री परिमल शुक्लवैद्य ने कहा अब हिंदू, मुसलमान, जैन क्रिश्चियन आदि सब संप्रदाय के लोग लाभान्वित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम के एक लाख युवक-युवक्तियों की नौकरी हुई। अरुणोदय योजना के जरिए आज असम के 23 लाख परिवारों को फायदा पहुंचा है। उन्होंने आगे कहा कि आर्थिक रूप से दुर्बल परिवार अरुणोदय योजना से लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा है अगर कोई दुर्बल परिवार इस योजना के अंतर्गत शामिल नहीं हो पाए हैं तो आगे तृतीय चरण की तालिका में अंतर्गत हो सकेंगे। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस की सरकार के भ्रष्टाचार के कारण असम की प्रगति नहीं हो पाई। कांग्रेस हर समय सूत-कमल की राजनीति करती है और भाजपा उन्नयन की राजनीति करती है।

त्रिदिवसीय मर्यादा एवं स्वर्णिम जयंती महोत्सव का दूसरे दिन डॉ. वीरेंद्र हेगड़े आचार्य श्री के दर्शन किए

गुवाहाटी (विभास)। फैंसी बाजार के भगवान महावीर धर्म स्थल में मर्यादा एवं स्वर्णिम जयंती महोत्सव उत्साह पूर्वक मनाया जा रहा है। इस अवसर पर आज (गुरुवार) आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा की शांत रहना ही एक उत्तर है और उत्तर का खंडन कर पाना नासमझ से कोसो दूर है। उन्होंने कहा की रंग छोड़ते कपड़े और रंग बदलते लोग कितने भी अच्छे हो दिल से उतर ही जाते है। इससे पूर्व आज राज्यसभा सदस्य डॉ. वीरेंद्र हेगड़े एवं कर्नाटक के धर्म स्थल मंदिर के धर्माधिकारी आचार्य श्री के दर्शनाथ पहुंचे। आचार्य श्री ने हेगड़े को अपना आशीर्वाद प्रदान किया एवं कई विषयों पर चर्चा की

तथा शुक्रवार को होने स्वर्णिम जयंती एवं दीक्षा दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होने का निमंत्रण दिया। प्रचार प्रसार विभाग के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने बताया कि आज आचार्य श्री ससंघ के सानिध्य में श्रीजी की शांतिधारा करने का परम सौभाग्य प्रदीप कुमार- सरला देवी जैन परिवार कानपुर एवं आचार्य श्री गुरु भक्त परिवार को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात आचार्य प्रमुख सागर विधान पूजन का आयोजन किया गया जिसका मुख्य मंगल कलश स्थापन ओमप्रकाश- प्रभादेवी, संदीप कुमार, सचिन कुमार सेठी परिवार बैंगलोर / गुवाहाटी द्वारा किया गया। रामचंद्र सेठी के संयोजन में संध्याकालीन श्रीजी एवं आचार्य श्री की आरती के पश्चात भजन संध्या का आयोजन किया गया। इस अवसर पर इंदौर (म.प्र.) से पधारे भजन गायक रूपेश जैन एवं उनके सहयोगी कलाकारों ने अपने-अपने भजनों से उपस्थित श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। प्रचार प्रसार विभाग के सहसंयोजक सुनील कुमार सेठी ने जानकारी दि की इस त्रि दिवसीय महोत्सव का समापन कल (शुक्रवार) को विभिन्न कार्यक्रम के साथ होगा।

तीन चोर चढ़े पुलिस के हत्थे

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के जालुकबारी पुलिस आउटपोस्ट की टीम ने चोरी मामले में शामिल तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान चोरी मामले में उदय दास (23, विजयनगर) दीपंकर दास (24, पलासबारी) और दीपक दास (22, पलासबारी) के रूप में की गई है। गिरफ्तार तीनों चोरों के पास से दो बैग में भरकर रखी गई चोरी की सामग्री के अलावा नगद 50 हजार रुपए जब्त किया गया है।

डॉ. अमूल्य चंद्र बर्मन की पुस्तक का लोकार्पण

गुवाहाटी। महानगर स्थित कॉटन विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के तत्वावधान में आज एक पुस्तक लोकार्पण समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर कॉटन विश्वविद्यालय के सुडमर्सन हॉल में आयोजित उक्त समारोह में डॉ. अमूल्य चंद्र बर्मन की पुस्तक *मुक्तिबोध की साहित्य-समीक्षा : दृष्टि और सृष्टि* का लोकार्पण हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष डॉ. दयानंद पाठक, लोकार्पणकर्त्ता डॉ. अच्युत शर्मा, मुख्य अतिथि डॉ. किरण हजारिका, अतिथि डॉ. रीतामणि वैश्य, डॉ. कुसुमकुंज मालाकार तथा लेखक डॉ. अमूल्य चंद्र बर्मन मंच पर उपस्थित थे। इस दौरान अतिथियों ने डॉ. अमूल्य चंद्र बर्मन के कार्य की सराहना की तथा मुक्तिबोध की समीक्षा की समीक्षा जैसे दुरूह विषय पर पुस्तक की रचना की महत्ता पर प्रकाश डाला। इसके साथ ही वक्ताओं ने डॉ. बर्मन के इस महत्वपूर्ण कार्य को रेखांकित किया। इस दौरान डॉ. देवेन चंद्र दास *सुदामा,* डॉ. राधेश्याम तिवारी तथा सौमित्रम् ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर कॉटन विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्राध्यापकों के अतिरिक्त अन्य कॉलेजों के कई प्राध्यापक तथा कॉटन विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के विद्यार्थीगण उपस्थित थे। इससे पहले मंचासीन अतिथियों का फुलाम गामोछा से स्वागत किया गया तथा अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्राओं ने दीप मंगलगान का सामूहिक गान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन कॉटन विश्वविद्यालय की प्राध्यापिका डॉ. परिस्मिता बरदलै ने किया।

असम सरकार को एनईपीडीडब्ल्यूएमए ने पैकेज्ड पेयजल पर प्रतिबंध में संशोधन के लिए दिया धन्यवाद

गुवाहाटी (विभास)। नॉर्थ ईस्ट पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (एनईपीडीडब्ल्यूएमए) को पीईटी पैकेजिंग एसोसिएशन फॉर क्लीन एनवायरमेंट (पीएसीई), इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी), फेडरेशन ऑफ इंडस्ट्री एंड कॉमर्स ऑफ नार्थ ईस्टर्न रीजन (फाइनर), कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी) और लघु उद्योग भारती (एलयूबी) जैसे विभिन्न प्रतिष्ठित संगठनों के सहयोग से असम सरकार के पैकेज्ड पेयजल पर प्रस्तावित प्रतिबंध में सफल संशोधन हुआ। पैकेज्ड पेयजल पर प्रतिबंध में संशोधन के लिए एनईपीडीडब्ल्यूएमए ने असम सरकार को धन्यवाद दिया है। असम सरकार ने शुरू में 1 लीटर से कम आकार के पैकेज्ड पेयजल बोतलों पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, नॉर्थ ईस्ट पैकेज्ड ड्रिंकिंग वाटर मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन के नेतृत्व में एक सामूहिक प्रयास के माध्यम से और हमारे सहयोगी संगठनों के समर्थन से, हमने सरकार से इस प्रतिबंध पर पुनर्विचार करने और केवल 500 मिलीलीटर से कम की बोतलों के लिए प्रतिबंध लागू करने की वकालत की थी। यह संशोधित प्रतिबंध न केवल पानी की गुणवत्ता और पर्यावरणीय स्थिरता से संबंधित चिंताओं को संबोधित करता है, बल्कि जनता के लिए सुरक्षित पेयजल की सुविधा और पहुंच को भी ध्यान में रखता है। यह एक महत्वपूर्ण संतुलन बनाता है जो उपभोक्ता कल्याण और उद्योग स्थिरता सुनिश्चित करता है। एसोसिएशन की ओर से जताई गई चिंताओं के प्रति ग्रहणशीलता और निष्पक्ष एवं व्यावहारिक समाधान के प्रति प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने के लिए संगठन की ओर से असम सरकार के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया है। एसोसिएशन का मनना है कि यह निर्णय अपने नागरिकों और उद्योगों के कल्याण के प्रति सरकार की जवाबदेही और समर्पण का प्रमाण है। यह क्षेत्र के समग्र औद्योगिक विकास के लिए असम सरकार की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है। हम इस प्रयास में उनके अमूल्य समर्थन, वकालत और सहयोग के लिए अपने सहयोगी पीएसीई, आईसीसी, फाइनर, सीएआईटी तथा एलयूबी आदि संगठनों के प्रति भी आभार व्यक्त किया है। इस उद्देश्य के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता इस सकारात्मक परिणाम को प्राप्त करने में सहायक रही। एसोसिएशन का मानना है कि इस संशोधित प्रतिबंध से जनता और सभी हितधारकों को लाभ होगा, और यह इस बात का प्रमाण है कि जब उद्योग, संगठन और सरकार एक समान लक्ष्य की दिशा में मिलकर काम करते हैं तो लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। एसोसिएशन भविष्य में भी सकारात्मक बदलाव और प्रगति की दिशा में निरंतर सहयोग की आशा करते हैं।

रंगिया : अभामामस करेगी महाराजा अग्रसेन जयंती का आयोजन

महोत्सव को गरिमामय बनाने के लिए तैयारियों को दिया जा रहा अंतिम रूप

रंगिया (विभास)। अग्रवंश की गौरवशाली परंपरा के अनुरूप महाराजा अग्रसेन की जयंती रंगिया में भी आगामी 15 अक्तूबर को मनाई जाएगी। पिछले वर्ष की तरह इसबार भी अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन की रंगिया शाखा द्वारा इसका आयोजन स्थानीय श्री श्री राधाकृष्ण मंदिर प्रांगण में किया गया है जिसको लेकर अध्यक्ष प्राची सिकरिया की अध्यक्षता में हाल ही में समिति की एक विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में समिति की सचिव अरुणा अग्रवाल ने पिछले आयोजन का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और कोषाध्यक्ष नीतू भगत द्वारा कार्यक्रम की लागत की जानकारी दी गई। इसके पश्चात उपस्थित सभी सदस्यों व पदाधिकारियों से विचार

विमर्श कर महोत्सव के कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में पिछले वर्ष की तरह इसबार भी महोत्सव को धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाने का निर्णय लिया गया जिसके अंतर्गत आगामी 15 अक्टूबर, रविवार को संध्या 6 बजे महाराजा अग्रसेन का भव्य दरबार, ज्योत प्रज्ज्वलन, पूजा-अर्चना, आरती एवं प्रसाद वितरण किया जाएगा। वहीं दूसरी ओर समिति के सभी पदाधिकारी व सदस्य महोत्सव की सफलता व तैयारियों में जुट गए है और पावन महोत्सव पर्व को गरिमामय बनाने के लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। समिति द्वारा कार्यक्रम में सभी भक्तों की उपस्थिति की कामना की गई है।

कौशल दीक्षांत समारोह नए भारत की प्राथमिकताओं को दर्शाता है : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि कौशल दीक्षांत समारोह नए भारत की प्राथमिकताओं को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि कौशल विकास का यह उत्सव (कौशल दीक्षांत समारोह) अपने आप में अद्वितीय है और देश भर के कौशल विकास संस्थानों के संयुक्त दीक्षांत समारोह का आज का आयोजन एक बहुत ही सराहनीय पहल है। प्रधानमंत्री वीडियो संदेश के माध्यम से एआईसीटीई ऑडिटोरियम, वसंत कुंज, नई दिल्ली में आयोजित द्वितीय कौशल दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। प्रधानमंत्री ने किसी भी देश की ताकत जैसे उसके प्राकृतिक या खनिज संसाधनों, या उसकी लंबी तटरेखाओं का उपयोग करने में युवाओं की शक्ति के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि देश मजबूत युवा शक्ति के साथ अधिक विकसित होता है, जिससे देश के संसाधनों के साथ न्याय होता है। प्रधानमंत्री ने भारत द्वारा माल निर्यात, मोबाइल निर्यात, इलेक्ट्रॉनिक निर्यात, सेवा निर्यात, रक्षा निर्यात और विनिर्माण में नए रिकार्ड बनाने और साथ ही अंतरिक्ष, स्टार्टअप जैसे ड्रोन, एनीमेशन, इलेक्ट्रिक वाहन, अर्धचालक आदि कई क्षेत्रों में युवाओं के लिए बड़ी संख्या में नए अवसर पैदा करने का उल्लेख किया। उन्होंने इसके लिए भारत की युवा आबादी को श्रेय देते हुए कहा, आज पूरी दुनिया इस बात पर विश्वास कर रही है कि यह सदी भारत की सदी होगी। मोदी ने पिछली सरकारों में कौशल विकास के प्रति उपेक्षा की ओर इशारा करते हुए कहा, मारी सरकार ने कौशल के महत्व को समझा और इसके लिए एक अलग मंत्रालय बनाया और एक अलग बजट आवंटित किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत अब तक करीब 1.5 करोड़ युवाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जैसे-जैसे भारत की अर्थव्यवस्था का विस्तार हो रहा है, युवाओं के लिए नई संभावनाएं पैदा हो रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत में रोजगार सृजन नई ऊंचाई पर पहुंच गया है और एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार भारत में बेरोजगारी दर 6 साल में सबसे निचले स्तर पर है। उन्होंने भारत के कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी में अभूतपूर्व वृद्धि का भी जिक्र किया और महिला सशक्तिकरण के संबंध में पिछले वर्षों में भारत में शुरू की गई योजनाओं और अभियानों के प्रभाव को श्रेय दिया। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा जारी हालिया आंकड़ों पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि भारत आने वाले वर्षों में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। उन्होंने भारत को दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में ले जाने के अपने संकल्प को भी दोहराया और कहा कि आईएमएफ को भी भरोसा है कि अगले 3-4 वर्षों में भारत दुनिया की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने रेखांकित किया कि इससे देश में रोजगार और स्वरोजगार के नये अवसर पैदा होंगे।

जातीय जनगणना के खिलाफ हिमाचल के राज्यपाल शुक्ल, बोले- देश तोड़ने में लगे कुछ लोग

शिमला, (हि.स.)। देश में जातीय जनगणना पर छिड़ी बहस के बीच हिमाचल के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल का बयान सामने आया है। शुक्ल ने जातीय जनगणना की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि इस तरह के मुद्दे उठाकर कुछ लोग देश को तोड़ने में लगे हैं। हालांकि उन्होंने इस बयान के दौरान किसी भी राजनीतिक दल का जिक्र नहीं किया। शिमला स्थित राजभवन में बुधवार देर शाम एक पुस्तक के विमोचन के अवसर पर राज्यपाल शुक्ल ने कहा कि दुनिया आज भारत की तरफ देख रही है, जबकि भारत के कुछ लोग देश को तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं। जातिवाद को बढ़ावा देकर लोकतंत्र को सशक्त नहीं किया जा सकता है। समाजवादी चिंतक डॉ. राम मनोहर लोहिया की पंक्तियों- दाम बांधो जाति तोड़ो का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि समाज को जोड़ने की आवश्यकता है, न कि जाति के आधार पर बांटने की। राज्यपाल का यह बयान उस समय आया है जब सीडब्ल्यूसी की बैठक में कांग्रेस शासित राज्यों में जातिगत जनगणना करवाने का प्रस्ताव पारित हुआ है। इस प्रस्ताव के बाद कांग्रेस शासित राज्य हिमाचल प्रदेश में भी जातीय जनगणना होनी है। जाति आधारित जनगणना को लेकर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू कह चुके हैं कि हिमाचल में सभी को जातियों का पता है। इसमें कोई बड़ी बात नहीं है, जो फॉर्मेलिटी है, वह कर रहे हैं। हिमाचल में तो वैसे भी सब लोगों को पता होता है। दूसरी ओर भाजपा के नेता जातिगत जनगणना का पुरजोर विरोध कर इसे लोगों विशेषकर हिंदू समाज को बांटने की कवायद बता रहे हैं। राज्यपाल शुक्ल ने शशांक मणि की पुस्तक मिडिल ऑफ डायमंड इंडिया का विमोचन किया। लेडी गवर्नर जानकी शुक्ला भी इस अवसर पर उपस्थित रहीं। इस दौरान राज्यपाल ने शशांक मणि के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि मिडिल ऑफ डायमंड इंडिया पुस्तक के माध्यम से भारत के आर्थिक, सामाजिक और राजनीति के केंद्र को उच्च वर्ग से देश के उभरते हुए मध्यम वर्ग की तरफ ले जाने का एक साहसिक प्रयास किया है, वहीं दूसरी तरफ जातिगत जनगणना कर वोट के लिए कुछ लोग देश को तोड़ने में लगे हैं। राज्यपाल ने कहा कि यह पुस्तक हाशिए पर रहने वाले उन लोगों की अनसुनी कहानियों को उजागर करती है जिन्हें उनके स्थान और भाषा के कारण लंबे समय तक नजरअंदाज किया गया है। शुक्ल ने कहा कि देश के प्रत्येक व्यक्ति को भारत को एकजुट करने के लिए काम करने की आवश्यकता है और शशांक मणि द्वारा संचालित जागृति यात्रा यही काम कर रही है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक देश के विकास में मध्यम वर्ग के योगदान और उनकी ताकत की भूमिका पर भी प्रकाश डालती है, साथ ही यह भारत के प्रति एक नई सोच को भी प्रदर्शित करती है।

अदालत के कामकाज में बाधा बर्दाश्त नहीं : दिल्ली हाईकोर्ट

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा कि वह नाम पुकारे जाने से नाराज नहीं है और न्यायसंगत और निष्पक्ष आलोचना के लिए खुला है, लेकिन अदालत या न्यायिक प्रणाली के कामकाज में बाधा डालने वाली किसी भी चीज को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ मृदुल और न्यायमूर्ति अनीश दयाल की खंडपीठ कुछ अवमाननाकताओं के खिलाफ शुरू किए गए स्वतः संज्ञान आपराधिक अवमानना मामले की सुनवाई कर रही थी। मामला तब का है, जब 2018 में भीमा कोरेगांव मामले में एक्टिविस्ट गौतम नवलखा की नजरबंदी और ट्रांजिट रिमांड के आदेश को रद्द करने के जज के आदेश के संबंध में जस्टिस एस. मुरलीधर के खिलाफ ट्वीट पोस्ट किए गए थे। पीठ ने कहा कि हम उचित और निष्पक्ष आलोचना का स्वागत करते हैं, जिसकी सराहना नहीं की जा सकती, वह कुछ ऐसी चीज है, जिसके बारे में हम कहना नहीं चाहते कि यह अदालत की महिमा को कम करती है, लेकिन अदालत के काम में रुकावट पैदा करती है। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। कथित अवमाननाकताओं में से एक लेखक की ओर से पेश वकील ने अदालत को अवगत कराया कि उन्होंने एक हलफनामा दायर किया है, जिसमें उन्होंने अपनी स्थिति स्पष्ट की है कि उनका बयान मामले के विशिष्ट तथ्यों पर कोई टिप्पणी नहीं है, बल्कि सामान्य प्रकृति का है। उन्होंने अदालत के समक्ष आगे कहा कि मामले में बिना शर्त माफी मांगना अवमानना कार्यवाही में आरोपों को स्वीकार करने के समान होगा। मामले की सुनवाई के बाद पीठ ने इसे 9 नवंबर को अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया।

गंगा जल पर जीएसटी हटाए सरकार : खड़गे

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि सरकार को चाहिए कि गंगा जल पर लगे वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) को हटाए। खड़गे ने गुरुवार को एक्स पर लिखा कि एक आम भारतीय के जन्म से लेकर उसकी जीवन के अंत तक मोक्षदायिनी मां गंगा का महत्व बहुत ज्यादा है। अच्छी बात है कि आप (प्रधानमंत्री मोदी) आज उत्तराखंड में हैं। आप की सरकार ने पवित्र गंगा जल पर 18 फीसदी जीएसटी लगाया है। एक बार भी नहीं सोचा कि जो लोग अपने घरों में गंगाजल मंगवाते हैं, उन पर इसका बोझ क्या होगा। इस मुद्दे पर सरकार को गौर करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज एक दिवसीय यात्रा पर उत्तराखंड पहुंचे हैं। इस दौरान उन्होंने पिथौरागढ़ में पार्वती कुंड और आदि कैलाश के दर्शन किए।

सुप्रीम कोर्ट ने एनसीपी नेता नवाब मलिक की अंतरिम जमानत तीन महीने के लिए बढ़ाई

अजय त्यागी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक की अंतरिम जमानत तीन महीने के लिए बढ़ा दी है। जस्टिस अनिरुद्ध बोस की अध्यक्षता वाली बेंच ने नवाब मलिक की मेडिकल रिपोर्ट पर गौर करने के बाद ये आदेश दिया। आज नवाब मलिक की ओर से कहा गया कि उनकी स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ है। नवाब मलिक की ओर से पेश वकील ने ताजा मेडिकल रिपोर्ट सौंपते हुए कहा कि उनकी किडनी काफी खराब है। ईडी ने मेडिकल रिपोर्ट का कोई विरोध नहीं किया। इससे पहले 11 अगस्त को कोर्ट ने नवाब मलिक को स्वास्थ्य के आधार पर दो महीने की अंतरिम जमानत दी थी। नवाब मलिक को 23 फरवरी, 2022 को ईडी ने कथित तौर पर भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके सहयोगियों से जुड़ी संपत्तियों के लेन-देन के मामले में मनी लॉड्रिंग एक्ट के तहत गिरफ्तार किया था। उसके बाद से वे लगातार जेल में बंद थे।

प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी ने किए बदरी-केदार दर्शन, मंदिर समिति को दिए पांच करोड़ दान

गोपेश्वर, (हि.स.)। रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रमुख और देश के प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी गुरुवार को बद्री-केदार धाम पहुंचे और दोनों धामों में विशेष पूजा अर्चना की। अंबानी के साथ उनके पुत्र अनंत अंबानी की मंगेतर राधिका मर्चेंट और समधन ने भी दर्शन और पूजन किया। प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश ने श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) को पांच करोड़ रुपये की धनराशि का चेक भी दान दिया। मुकेश अंबानी के बदरीनाथ और केदारनाथ धाम पहुंचने पर बीकेटीसी ने उनका स्वागत किया। अंबानी पहले बदरीनाथ धाम और उसके पश्चात केदारनाथ धाम पहुंचे। बदरीनाथ में बीकेटीसी अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने अंबानी का अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। अंबानी ने बीकेटीसी को पांच करोड़ रुपये की धनराशि दान दी। उन्होंने चेक के माध्यम से यह धनराशि बीकेटीसी के अध्यक्ष को सौंपी। इस दौरान प्रसिद्ध उद्योगपति मुकेश अंबानी ने मंदिर समिति के प्रोजेक्टों में भी मदद का भरोसा दिया है। इस अवसर पर बीकेटीसी के उपाध्यक्ष किशोर पंवार भी उपस्थित थे। बदरीनाथ दर्शन के पश्चात उद्योगपति मुकेश अंबानी केदारनाथ धाम पहुंचे। वहां भी मंदिर में उन्होंने विशेष पूजा-अर्चना की। केदारनाथ में केदारनाथ उत्थान चेरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त सचिव और बीकेटीसीके मुख्य कार्याधिकारी योगेन्द्र सिंह ने उनकी अगुवानी की।

सियाचिन में 15,500 फीट की ऊंचाई पर तैनात सैनिक कर सकेंगे मोबाइल पर बात

जम्मू(ईएमएस)। भारतीय सेना को लगातार मजबूत और साधन संपन्न बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। बीएसएनएल ने भी अपने अथक प्रयासों से सियाचिन में बैठे सैनिकों के लिए मोबाइल संचार माध्यम को मजबूत करने में अच्छी पहल की है। अब सियाचिन में 15,500 फीट की ऊंचाई पर बैठे सैनिकों को मोबाइल नेटवर्क बना रहेगा। हिमालय क्षेत्र का काराकोरम रेंज में सियाचिन ग्लेशियर भारत का सबसे कठिन और दुर्गम युद्धस्थल है। भारतीय जवान इस युद्धक्षेत्र पर तैनात देश की रक्षा करते हैं। सियाचिन वॉरियर्स के लिए इस कठिन युद्धक्षेत्र में मोबाइल संचार को लेकर कई तरह की परेशानियां आती हैं। इसी कड़ी में भारतीय सेना ने सियाचिन वॉरियर्स से जुड़ा एक अपडेट जारी किया है। सियाचिन वॉरियर्स ने 15,500 फीट से अधिक ऊंचाई पर तैनात सैनिकों के लिए मोबाइल संचार का विस्तार किया है। भारतीय सेना की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र की चौकियों पर पहला बीएसएनएल बीटीएस (बेस ट्रांसीवर स्टेशन) स्थापित किया गया है। सेना की ओर से दी गई इस जानकारी के मुताबिक सियाचिन पर तैनात सैनिकों के लिए मोबाइल संचार को बेहतर बनाने के लिए 6 अक्टूबर को बीएसएनएल बीटीएस स्थापित हुआ है। दरअसल, भारतीय सेना की ओर से सियाचिन ग्लेशियर को लेकर नया अपडेट कुछ घंटों पहले ही जारी किया गया है। इस अपडेट के साथ एक्स हैंडल पर एएनआई की ओर से कुछ तस्वीरें भी पोस्ट की गई हैं। मालूम हो कि इतनी ऊंचाई पर स्थित युद्धक्षेत्र में तैनात सिपाहियों को अक्सर मोबाइल संचार को लेकर परेशानी का सामना करना पड़ता है। सैनिकों को इंटरनेट कनेक्टिविटी को लेकर भी परेशानी आती है।

राष्ट्रपति ने माता वैष्णो देवी के किए दर्शन, नवनिर्मित स्काईवॉक किया उद्घाटन

जम्मू, (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को माता वैष्णो देवी के दर्शन किए। इस मौके पर राष्ट्रपति ने नवनिर्मित स्काईवॉक और नवदुर्गा पथ का उद्घाटन भी किया।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बुधवार से जम्मू व कश्मीर में अपने दो दिवसीय प्रवास पर हैं। राष्ट्रपति मुर्मू गुरुवार दोपहर को पंछी हेलीपैड पर पहुंचीं और यहां से माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए रवाना हुईं। भवन पहुंच कर मुर्मू ने माता वैष्णो देवी के दर्शन कर पूजा अर्चना की। उन्होंने मां के दरबार में माथा टेक कर सबकी सुख-शांति के लिए प्रार्थना भी की। राष्ट्रपति ने मां वैष्णो देवी भवन पर बने स्काईवॉक व नवदुर्गा पथ का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर उनका स्वागत श्राइन बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग और पुलिस के आला अधिकारियों ने किया। उनके साथ जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा भी मौजूद रहे। वैष्णो देवी भवन में श्रद्धालुओं भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने स्काईवॉक परियोजना का प्रस्ताव रखा था।

15 करोड़ की लगात से बना है स्कॉईवॉक

माता वैष्णो देवी भवन पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्काईवॉक बनाया गया है। यह 15 करोड़ रुपये की लागत से इसे डेढ़ साल में बनकर तैयार हुआ है। इसमें मां दुर्गा के नौ रूपों को प्रतिबिंबित किया गया है, जिसे नव दुर्गापथ नाम दिया गया है। प्रवेश द्वार पर 60 मीटर लंबी गुफा बनाई गई है, ताकि श्रद्धालुओं को मां वैष्णो देवी की प्राचीन गुफा का अहसास हो सके। यहां प्रत्येक 100 मीटर की दूरी पर यात्रियों के लिए प्रतीक्षा हॉल का निर्माण किया गया है। स्काईवॉक के एक ओर शीशा लगाया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को भवन के दर्शन होते रहें। इसके साथ ही माता वैष्णो देवी के श्लोक तथा मंत्र आदि अंकित किए गए हैं ताकि भक्ति पूर्ण वातावरण बना रहे। स्काईवॉक से एक समय में छह हजार से अधिक श्रद्धालु मंदिर तक पहुंच सकेंगे। इसे ट्रैक से 20 मीटर की ऊंचाई पर बनाया गया है। भवन के प्रवेश द्वार पर बने स्काईवॉक का नवदुर्गा पथ शारदीय नवरात्र पर भक्तों का स्वागत करेगा। माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड ने स्काईवाक फ्लाईओवर में लकड़ी की फ्लोरिंग की गई है। इससे नंगे पांव चलने में दिक्कत नहीं होगी।

मध्य प्रदेश में आदिवासियों पर सर्वाधिक अत्याचार : प्रियंका गांधी

मंडला, (हि.स.)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के मंडला जिले के रामनगर में कांग्रेस की जनाक्रोश यात्रा के दौरान सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आदिवासियों-महिलाओं पर अत्याचार और घोटालों को लेकर प्रदेश सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में भाजपा की 225 महीनों की सरकार है। इस दौरान ढाई सौ घोटाले हुए हैं। प्रदेश में आदिवासियों पर जो अत्याचार हो रहे हैं, उसका कोई मुकाबला नहीं है। प्रियंका ने जनसभा में जय जोहार, जय सेवा, जय रानी दुर्गावती, हर-हर नर्मदे के जयघोष के साथ अपना भाषण शुरू किया। उन्होंने कहा कि जल जंगल जमीन के आप अधिकारी हैं। यह अधिकार आपको मिलना चाहिए। उनके अधिकारी हमारे आदिवासी भाई बहन हैं। हमारी संस्कृति का विकास कैसे होगा? हमारी संस्कृति आगे कैसे बढ़ेगी? हमारी संस्कृति की सुरक्षा कैसे की जाएगी? यह आपको सोचना है। मैं आपसे वोट नहीं आपकी जागरुकता मांगती हूं जिस दिन आप लोग जागरूक हो जाएंगे आप सही गलत का सही निर्णय कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकार ने पंचायत को ताकतवर और आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए मनरेगा शुरू किया। पलायन रोकने के लिए मनरेगा शुरू किया, ताकि ग्राम के बेरोजगारों को मनरेगा के जरिए रोजगार मिले। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने मनरेगा के कार्य बंद करवा दिए। मनरेगा को पैसा भिजवाना बंद कर दिया। मनरेगा के कई काम रोक दिए गए और हमारे गांव के आदिवासी ग्रामीण बेरोजगार हो गए और घर परिवार छोड़कर पलायन करने को विवश हुए। प्रियंका ने कहा कि महिलाएं दिन-रात सूरज में तपते हुए पत्ता बीनकर घर लाती हैं, लेकिन उसके भुगतान में भी भ्रष्टाचार किया गया। यहां तो धान का बोनस भी नहीं दिया गया। तेंदूपत्ता पर बोनस देने का काम इंदिरा गांधी ने शुरू किया था। आज भाजपा आपको चप्पल दे रही है, छाते दे रही है, जूते दे रही है, लेकिन आपको आपका हक बोनस नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में 67 वन उपज के लिए सही दाम मिल रहा है। मध्य प्रदेश में तो धान और तेंदू पत्ता का बोनस नहीं मिल रहा है। मध्य प्रदेश में सरकार बनी तो तेंदूपत्ता के प्रति बोरे पर 4000 रुपये का बोनस दिया जाएगा। प्रियंका ने कहा कि यहां व्यापमं घोटाले हो गए कितने लोग मर गए कोई जांच पड़ताल नहीं हुई। महाकाल में घोटाला हो गया, नर्मदा नगरी में घोटाला हो गया। बीते 10 साल में मंडला-जबलपुर की सड़क नहीं बन पाईं। सड़क बनाने वाले परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को यहां आकर माफी मांगनी पड़ती है। ऐसी सरकार चल रही है। इन्होंने महंगाई को कम करने का काम किया क्या। छोटे दुकानदारों से पूछो 18 साल में क्या उनका व्यापार बढ़ा? हर चीज पर जीएसटी ले रहे हैं। एक तरफ रोजगार बंद दूसरी तरफ भ्रष्टाचार और महंगाई इतनी बढ़ गई है आप गुजारा कैसे करते हैं। प्रियंका ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने पर 100 यूनिट बिजली माफ होगी। 200 बिजली यूनिट हाफ होगी। रसोई गैस सिलेंडर 500 रुपये में मिलेगा। पुरानी पेंशन योजना लागू होगी।

बाला साहेब ठाकरे की विचारधारा को उद्धव ने दी तिलांजलि : भाजपा

नई दिल्ली (ईएमएस)। भाजपा ने उद्धव ठाकरे पर बाला साहेब ठाकरे की विचारधारा को तिलांजलि देने का आरोप लगाया है। भाजपा ने उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा है कि सत्ता के लिए उन्होंने अपने पिता बाला साहेब ठाकरे की हिंदू, हिंदुत्व और राष्ट्रीयता की विचारधारा को तिलांजलि दे दी है और अब उद्धव ठाकरे की शिवसेना हिंदू विरोधी और राष्ट्र विरोधी बन गई है। भाजपा ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर 3 मिनट 42 सेकंड का एक वीडियो शेयर कर कहा है कि एक समय था जब शिवसेना की विचारधारा में हिंदू, हिंदुत्व और राष्ट्रीयता हुआ करती थी, जब तक बाला साहेब ठाकरे जीवित रहे, उन्हें देश के आगे कुछ भी स्वीकार नहीं रहा लेकिन उनके जाने के बाद पार्टी की कमान अपने हाथ में लेने वाले उनके सुपुत्र उद्धव ठाकरे ने अपने पिता के बनाए सभी सिद्धांतों को मातोश्री से बाहर फेंक दिया और महज सत्ता पर बैठने के लिए शिवसेना के धुर विरोधी रहे शरद पवार और कांग्रेस से हाथ मिलाया और शिवसेना को हिंदू विरोधी और राष्ट्र विरोधी विचारधाराओं में रंग दिया। जारी वीडियो में बाला साहेब ठाकरे के कई बयानों और उद्धव ठाकरे सरकार के दौरान हुई कई घटनाओं को शेयर करते हुए भाजपा ने कहा कि आईएनडीआई गठबंधन में शामिल उद्धव ठाकरे ने किस तरह अपने पिता बाला साहेब ठाकरे की विचारधारा हिंदू, हिंदुत्व और राष्ट्रीयता को दी तिलांजलि। भाजपा ने यह भी आरोप लगाया कि जो बेटा अपने पिता की विरासत को सत्ता के लिए पल भर में मिटा सकता है, वह जनता के लिए हितकारी भला कैसे हो सकता है। दरअसल, भाजपा ने विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन में शामिल राजनीतिक दलों पर प्रहार करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर घमंडिया फाइल्स की एक नई सीरीज शुरू की है। इसी सीरीज के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर छठा एपिसोड जारी कर उद्धव ठाकरे को आड़े हाथों लिया है।

संपूर्ण विश्व के साझा भविष्य से जुड़ा मुद्दा है जलवायु परिवर्तन : बिरला

नई दिल्ली, (हि.स.)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण पूरी दुनिया के साझा भविष्य से जुड़ा मुद्दा है। इसलिए संपूर्ण विश्व को इस पर एक मत से विचार करने की जरूरत है। वह गुरुवार को दिल्ली में दो दिवसीय जी20 संसदीय अध्यक्ष शिखर सम्मेलन (पी20 शिखर सम्मेलन) के 9वें संस्करण को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन एक ऐसा विषय है, जो पूरी दुनिया के साझा भविष्य से जुड़ा है। इसलिए यह स्वाभाविक है कि पर्यावरण से संबंधित विषयों को लेकर पी20 में चर्चा करने के लिए हम एकत्र हुए हैं। आज हम इस प्री-समिट में जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण के मुद्दे पर चर्चा करेंगे। भारतीय संस्कृति में तो पर्यावरण को मानव जीवन का अभिन्न हिस्सा माना गया है। हम पर्यावरण को आदर देते हैं। यह हमारे संस्कार और संस्कृति का हिस्सा है। हमारे प्राचीन ग्रंथों में कहा गया कि जो प्रकृति की रक्षा करता है, प्रकृति उसकी भी रक्षा करती है। बिरला ने कहा कि बदले परिप्रेक्ष्य में आज दुनिया का कोई भी देश जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों से अछूता नहीं है। हम विश्व के समक्ष उपस्थित चुनौतियों से अवगत हैं। इसलिए इस दिशा में ठोस प्रयास किए जाने की जरूरत है। पर्यावरण संरक्षण के विषय पर प्रधानमंत्री मोदी ने पर्यावरण के लिए दिनचर्या में सुधार का विचार विश्व के सामने रखा है। विषम दिनचर्या पर्यावरण संरक्षण का व्यापक दृष्टिकोण है। जो प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में रिड्यूस, रीयूज और रीसायकल का व्यवहार अपनाने की प्रेरणा देती है। ऐसे में हम लोगों को ऐसा दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत है, जिससे पर्यावरण को नुकसान न पहुंचे। उन्होंने कहा कि दिनचर्या मिशन ने हमें जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, स्वास्थ्य सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और ऊर्जा सुरक्षा जैसी समकालीन चुनौतियों ने निपटने का नया मार्ग दिया है। यह विचार आज एक वैश्विक आंदोलन बन गया है। दुनिया इसके बारे में सोच रही है। भारत की संसद में भी इस मुद्दे पर चर्चा हुई है। जलवायु परिवर्तन के मुद्दे पर केवल कानून बनाना ही पर्याप्त नहीं है बल्कि सभी को अपनी दिनचर्या में बदलाव करना होगा।

समाजवादी सिद्धांतों को लेकर हम लोग आगे बढ़ते रहेंगे : अखिलेश यादव

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि आज की परिस्थिति में समाज को और देश को अगर कोई दिशा दे सकता है तो वह सिद्धांत है जो डॉ. राम मनोहर लोहिया ने दिए। शोषित, वंचित, पीड़ित, जिन्हें समाज में अब भी वह हक और सम्मान नहीं मिला। उनके लिए डॉ. लोहिया और नेता जी(मुलायम सिंह यादव) ने अपना पूरा जीवन लगाया। उन्हीं के समाजवादी सिद्धांतों को लेकर हम लोग आगे बढ़ रहे हैं। अखिलेश यादव गुरुवार को राजधानी के लोहिया पार्क में डॉ. राममनोहर लोहिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित करने पहुंचे थे। अखिलेश यादव ने कहा कि डॉ. लोहिया ने वो रास्ता दिखाया जो आज भी प्रासंगिक है। आज भी अगर हम उस रास्ते पर चलें, उन सिद्धांतों पर चलें तो समाज की तमाम समस्याओं का समाधान हो सकता है। गैर बराबरी कोई खत्म कर सकता है तो लोहिया के सिद्धांत और नेताजी का संघर्ष, उसी का संकल्प हर साल हम लोग लेते हैं। सपा अध्यक्ष ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि जब साथ आने की बात हो गई, गठबंधन की बात हो गई तो सीटों का भी मसला कोई बड़ा नहीं है। भाजपा को घबराहट है कि उसका सफाया होता जा रहा है। लोकनायक जयप्रकाश जी की प्रतिमा को इस तरह से ढकना, टीन शेड लगाना, गेट पर ताला लगा देना, क्या नियत थी इनकी, क्या छिपाना चाहते थें?

दुर्गा उत्सव समितियां पंडालों में लगाये कैमरे, रखें अग्निशमन यंत्र

झांसी, (हि. स.)। दुर्गा उत्सव महासमिति ने समस्त दुर्गा उत्सव समितियों से अपील करते हुए कहा कि वह अपने पंडालों में सीसीटीवी कैमरे अवश्य लगायें। इसके साथ ही फायर ब्रिगेड यंत्र भी रखें। महासमिति ने सभी दुर्गा उत्सव समितियों से बारी-बारी मिलकर प्रशासन की गाइडलाइन की विस्तार से जानकारी दी। एक स्थानीय होटल में हुई पत्रकार वार्ता में कार्यकारी अध्यक्ष पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रदीप जैन आदित्य, महासमिति अध्यक्ष पुरुषोत्तम स्वामी, शोभायात्रा संयोजक पीयूष रावत ने संयुक्त रूप से बताया कि पंडाल परिसर में जुआ, मादक पदार्थ का सेवन अन्य गतिविधियां होने पर दुर्गा उत्सव महासमिति व जिला प्रशासन अगले वर्ष उस समिति को रजिस्टर्ड नहीं करेगा और न ही उसको प्रतिमा की स्थापना करने की अनुमति दी जाएगी। पंडालों में सीसीटीवी कैमरे 9 दिन तक अनिवार्य रूप से लगाये जायें। समस्त दुर्गा उत्सव समितियों को एक रोस्टर रजिस्टर बनाना होगा, जिसे पुलिस सुरक्षा सम्बन्धी आवश्यक रात्रि गश्त के दौरान देखेगी। समस्त दुर्गा उत्सव समिति पंडालों में फायर ब्रिगेड यंत्र जरूर रखें। डीजे संचालकों को भी अवगत कराया कि डीजे मानक अनुसार ही बजे, 80 डिसमिल से ज्यादा तेज आवाज में गाने बजने पर प्रशासन उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करेगा। इस दौरान अध्यक्ष पुरुषोत्तम स्वामी, महामंत्री विनोद अवस्थी, शोभा यात्रा संयोजक पीयूष रावत, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश त्रिपाठी गोकुल दुबे, अरविंद वशिष्ठ, संतोष साहू, अमर सिद्ध, एडवोकेट अजय मिश्रा, सत्येंद्र पुरी गोस्वामी, पार्षद मुकेश सोनी, अभिषेक साहू, पवन गुप्ता, जयदीप खरे, संजीव तिवारी, अतुल मिश्रा, एडवोकेट नरेंद्र अग्रवाल, विकास अवस्थी सूर्यप्रकाश अग्रवाल, राहुल साहू, संजीव अग्रवाल लाला, अमन मिश्रा अतुल मिश्रा मार्तंड स्वामी, पहलाद साहू, राकेश त्रिपाठी, मुकेश सिंघल, कुलदीप सिंघल, राहुल साहू, सचिन पटवा, प्रभात शर्मा, पंकज नोटा मिश्रा, मंजुल रोहित आदि उपस्थित रहे।

झारखंड से दक्षिण भारत की ओर जाने वाले ट्रेनों के मार्ग में बदलाव

रांची, (हि.स.)। राज्य से दक्षिण भारत की ओर जाने वाली ट्रेनों के मार्ग में गुरुवार को बदलाव किया गया है। ये बदलाव दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाड़ा मंडल में चल रहे विकास कार्यों की वजह से हुआ है। इसमें ट्रेन संख्या 13351 धनबाद अल्लपुझा एक्सप्रेस की यात्रा 15 अक्टूबर से 20 अक्टूबर तक अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग निडदवोलु, भीमवरम टाउन, गुड़ीवड़ा, विजयवाड़ा होकर चलेगी। मार्ग परिवर्तन के कारण इस ट्रेन का ताडेपल्लीगुडेम और एलूरु स्टेशन पर ठहराव नहीं होगा।

-ट्रेन संख्या 12835 हटिया सर एम विश्वईश्वरैया बेंगलुरु एक्सप्रेस की यात्रा 15 अक्टूबर से 17 अक्टूबर तक अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग निडदवोलु, भीमवरम टाउन, गुडिवाड़ा, विजयवाड़ा होकर चलेगी।

-ट्रेन संख्या 22837 हटिया एणाकुलम एक्सप्रेस की यात्रा 16 अक्टूबर को अपने निर्धारित मार्ग के स्थान पर परिवर्तित मार्ग निडदवोलु, भीमवरम टाउन, गुडिवाड़ा, विजयवाड़ा होकर चलेगी। मार्ग परिवर्तन के कारण इस ट्रेन का एलूरु स्टेशन पर ठहराव नहीं होगा।

-ट्रेन संख्या 18111 टाटानगर यशवंतपुर साप्ताहिक एक्सप्रेस 19 अक्टूबर को परिवर्तित मार्ग निडदवोलु, भीमावरम, गुडिवाड़ा, विजयवाड़ा होकर यशवंतपुर तक जायेगी।

-ट्रेन संख्या 12889 टाटानगर सर एम विश्वेश्वरैय्या टर्मिनल बेंगलुरु सुपरफास्ट एक्सप्रेस 20 अक्टूबर को परिवर्तित मार्ग निडदवोलु, भीमावरम, गुडिवाड़ा, विजयवाड़ा होकर बेंगलुरु तक जाएगी।

-ट्रेन संख्या 13351 धनबाद एलेप्पी एक्सप्रेस 15 से 20 अक्टूबर तक परिवर्तित मार्ग निडदवोलु, भीमावरम, गुडिवाड़ा, विजयवाड़ा होकर एलेप्पी स्टेशन तक जाएगी।

-18 अक्टूबर को ट्रेन संख्या 12376 जसीडीह ताम्बरम साप्ताहिक सुपरफास्ट एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग निडदवोलु, भीमावरम, गुडिवाड़ा, विजयवाड़ा होकर बेंगलुरु तक जाएगी।

-ट्रेन नंबर 22837 हटिया एणार्कुलम धरती आबा एक्सप्रेस 16 अक्टूबर को परिवर्तित मार्ग निडदवोलु, भीमावरम, गुडिवाड़ा और विजयवाड़ा होकर एणार्कुलम तक जाएगी।

सीपीएम ने 20 सूत्री मांगों के समर्थन में प्रतिरोध मार्च निकाल अंचल में धरना प्रदर्शन किया

सहरसा, (हि.स.)। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी सिमरी बख्तियारपुर अंचल कमिटी के नेतृत्व में 20 सूत्री मांगों को लेकर हाईस्कूल मैदान से प्रतिरोध मार्च निकाल अंचल सह प्रखंड कार्यालय के समक्ष विशाल धरना प्रदर्शन किया। सभा की अध्यक्षता डोमी पासवान ने किया। माकपा के राज्य सचिव मंडल सदस्य विनोद कुमार ने कहा सिमरी बख्तियारपुर अंचलाधिकारी की लापरवाही के चलते हजारों मजदूर भूमिहीनों को वासगीत पर्चा नहीं मिला।आज तक एक भी पंचायत में भुमिहीनों का सर्व नहीं किया गया। लेकिन दाखिल खारिज के नाम पर किसान से मोटी रकम लेकर रात में भी काम करतें हैं। आम लोगों कि बात सुनने को तैयार नहीं होते हैं।गरीबों को वासगीत पर्चा देने के बजाय अतिक्रमण के नाम पर भूमाफिया से सांठ गांठ कर उजाड़ने की काम करते हैं।जिसे सीपीएम बर्दाश्त नहीं करेंगे। भाजपा शासनकाल में आकाश छूती मंहगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचारी संविधान विरोधी भाजपा, आरएसएस सरकार को उखाड़ फेंकने कि जरूरत है। भाजपा सरकार देश में हिन्दू मुस्लिम के कार्ड खेल रहे हैं।जब से भाजपा कि सरकार केन्द्र में बना है तब से खास कर दलित महादलित, अल्पसंख्यकों, महिलाओं पर हमला तेज हुए हैं। भाजपा सरकार को 2024 के चुनाव में उखाड़ फेंकने का आह्वान किया।माकपा जिला मंत्री सह पूर्व मुखिया का० रणधीर यादव ने कहा सरकारी घोषणा अनुसार सिमरी बख्तियारपुर अंचल के सभी भूमिहीनों को वास के लिए 05 डी. जमीन तथा पूर्व से बसे हुए भूमिहीनों को बासगीत पर्चा देने,सड़क के किनारे बसे भूमिहीनों को बगैर वैकल्पिक व्यवस्था किए अतिक्रमण के नाम पर उजाड़ने की कार्रवाई को तुरंत रोक लगाया लगाने, स्मार्ट बिजली मीटर लगाने पर रोक, मनरेगा योजना में व्याप्त भ्रष्टाचार पर पर सख्ती से रोक लगाने आदि मांगों को लेकर गुरुवार को सिमरी बख्तियारपुर अंचल सह प्रखंड मुख्यालय पर विशाल धरना प्रदर्शन किया गया। अगर हमारी मांगों पर जल्द विचार विमर्श कर आगे कार्रवाई नहीं हुई तो अनिश्चितकालीन घोरा डालो डेरा डालो कार्यक्रम करेंगे। माकपा नेता कुलानन्द यादव ने कहा कोसी बांध के भीतर उप स्वास्थ केन्द्र और स्कूल का हालत काफी गंभीर है। सभी पदाधिकारी और कुछ नकाबपोश नेता की सांठ गांठ से सरकार को बदनाम करने का काम कर रहे हैं।

हर क्षेत्र में बज रहा महिलाओं का डंका : सतीश चन्द्र शर्मा

नारी वंदन अधिनियम महिलाओं के लिए साबित होगा मील का पत्थर
-उत्कृष्ट काम करने वाली 10 महिलाओं को किया गया सम्मानित

सुलतानपुर, (हि.स.)। मिशन -2024 की तैयारी को लेकर गुरुवार को भाजपा महिला मोर्चा ने पं. रामनरेश त्रिपाठी सभागार में नारी शक्ति वंदन सम्मेलन आयोजित किया। सम्मेलन को सतीश चन्द्र शर्मा,खाद्य एवं रसद तथा नागरिक आपूर्ति मंत्री ने बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए कहा कि आज हर क्षेत्र में महिलाओं का डंका बज रहा है। उन्होंने कहा 2014 में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार ने महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं बनाई हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश की सरकार महिला सम्मान व स्वाभिमान के लिए समर्पित है। सरकार की बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सुमंगला योजना, पीएम मातृ वन्दना योजना, आवास, उज्जवला, सामूहिक विवाह जैसी कई योजनाएं के माध्यम से महिलाएं सशक्त हो रही हैं। उन्होंने कहा मोदी सरकार ने संसद में ऐतिहासिक नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत 33% आरक्षण देकर महिलाओं को उनका अधिकार देने का काम किया है। उन्होंने कहा नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं की राजनीतिक क्षेत्र की भागीदारी में मील का पत्थर साबित होगा। भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ आरए वर्मा ने कहा कि आने वाले समय में राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भूमिका अहम होगी। कार्यक्रम की अध्यक्षा व भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य सुमन सिंह व महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष रेखा निषाद ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। कार्यक्रम की संयोजक व काशी क्षेत्र महिला मोर्चा की महामंत्री बबिता तिवारी ने आए हुए अतिथियों व महिलाओं का आभार प्रकट किया। संचालन भाजपा जिला उपाध्यक्ष डॉ. प्रीति प्रकाश ने किया। भाजपा प्रवक्ता विजय सिंह रघुवंशी ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट काम करने वाली डॉ. मानसी तोमर, पूर्व प्रधानाचार्य कुसुम सिंह, लालती देवी, माया देवी, सविता श्रीवास्तव,रश्मि बाला श्रीवास्तव, सुमन तिवारी एवं सपना देवी सहित 10 महिलाओं को मुख्य अतिथि सतीश चंद्र शर्मा ने अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस मौके पर जिला उपाध्यक्ष अनीता पांडे, निवर्तमान नगर पालिका अध्यक्ष बबिता जायसवाल, कमला सिंह, पूजा कसौधन, रेनू सिंह, रेनू तिवारी, रचना सिंह, रीता निषाद आदि मौजूद रहीं।

अवैध निर्माण के विरूद्ध सील की कार्यवाही

लखनऊ, (हि.स.)। वाराणसी विकास प्राधिकरण, वाराणसी जोन-1 की प्रवर्तन टीम ने अवैध निर्माण के विरूद्ध सील की कार्यवाही सम्पादित की है। वार्ड-सिकरौल के अन्तर्गत संगीता द्वारा बटेश्वर नगर कालोनी में स्वीकृत मानचित्र के विपरीत निर्माण कार्य किया जा रहा था। पक्ष को उ0प्र0 नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत नोटिस जारी कर निर्माण कार्य बन्द करने हेतु सूचित किया गया था, परन्तु निर्माणकर्ता द्वारा निर्माण कार्य बन्द न करने एवं अनवरत रूप से निर्माण कार्य जारी रखने के कारण प्रवर्तन टीम एवं पुलिस बल के सहयोग से सील की कार्यवाही करते हुए थानाध्यक्ष, थाना कैंट की अभिक्षा में सुपुर्द कर दिया गया। उपाध्यक्ष वाराणसी विकास प्राधिकरण द्वारा आम जन-मानस से अपील की गयी है कि वाराणसी विकास प्राधिकरण से ले-आउट अथवा मानचित्र स्वीकृत कराये बिना किसी भी प्रकार का निर्माण न करें, अन्यथा की दशा में प्राधिकरण द्वारा सख्त कार्यवाही की जायेगी।

मुख्यमंत्री योगी ने सुनीं लोगों की समस्याएं, न्यायपरक निस्तारण का आश्वासन

- गोरखनाथ मंदिर में लगाया जानता दर्शन कार्यक्रम, 200 से अधिक लोगों की सुनी समस्याएं

गोरखपुर (हि.स.)। गोरखपुर दौरे पर पहुंचे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को जनता दरबार लगाया। लोगों की समस्याएं सुनी और उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने लगभग 200 लोगों की समस्याएं सुनी। गोरखनाथ मंदिर में लगे जनता दरबार में सीएम योगी ने कुर्सियों पर बैठाये गये फरियादियों से उनके पास जाकर मुलाकात की। हाथों से शिकायती पत्र लिया और ध्यान पूर्वक सुनने के बाद उनकी समस्याओं के त्वरित निस्तारण का आश्वासन दिया। शिकायत करने वाले लोगों में महिलाओं की संख्या भी अच्छी खासी रही। शिकायतों में इलाज से जुड़ी आर्थिक समस्या लेकर पहुँचने वालों की संख्या भी दर्जन भर से अधिक रही। समस्याओं को सुनते हुए सीएम ने अधिकारियों को सभी मामलों को समयबद्ध और न्यायपरक निस्तारण का निर्देश देते रहे। इस दौरान योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं के साथ आये बच्चों को पुचकारा और उन्हें पढ़ाई लिखाई कर एक अच्छा नागरिक बनने को प्रेरित किया।

हाई कोर्ट ने पुलिस एक्ट में सुधार के लिए दायर जनहित याचिका निष्पादित की

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट में पुलिस एक्ट में सुधार को लेकर दाखिल जियाउल हक की जनहित याचिका की सुनवाई गुरुवार को हुई। चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने राज्य सरकार की दलील को देखते हुए याचिका निष्पादित कर दी। मामले में राज्य सरकार की ओर से बताया गया कि झारखंड राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकार नियमावली 2017 बनाई गई है, जिसके तहत पुलिस अधिकारियों के खिलाफ शिकायत दर्ज की जा सकती है। सरकार ने राज्य में पुलिस शिकायत प्राधिकार एवं जिलों में पुलिस शिकायत प्राधिकार बनाया है। इस प्राधिकार में लोग अपनी शिकायत पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कर सकते हैं। प्राधिकार में एक अध्यक्ष, तीन अन्य सदस्य एवं एक सदस्य सचिव रखे गए हैं, जो लोगों की शिकायत को देखेंगे। प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता जीतेश कुमार ने पैरवी की। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट के प्रकाश सिंह बनाम केंद्र सरकार के आदेश का अनुपालन झारखंड में सुनिश्चित करने का आग्रह करते हुए जनहित याचिका दाखिल की थी। सुप्रीम कोर्ट में दायर इस याचिका में याचिकाकर्ता प्रकाश सिंह ने देश के सभी राज्यों में पुलिस एक्ट में सुधार करने एवं राज्य पुलिस शिकायत प्राधिकार एवं जिला आधार पर भी पुलिस शिकायत प्राधिकार गठित करने का आग्रह किया था।

लोहरदगा जिला शांति समिति की बैठक में दिए गए दिशा-निर्देश

लोहरदगा, (हि.स.)। उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में दशहरा को लेकर जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक जिला परिषद कार्यालय स्थित सभागार में हुई। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि दशहरा एक दूसरे को जोड़ने वाला त्योहार है। बीते वर्षों से लोहरदगा जिले ने शांति और सौहार्द्र की जो मिसाल कायम की है वह प्रशंसनीय है। इसका श्रेय जिला स्तरीय शांति समिति और प्रखण्ड स्तरीय शांति समिति के सदस्यों और आप सभी लोगों को जाता है। पुलिस अधीक्षक हारिश बिन जमां ने कहा कि सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने पर कार्रवाई होगी। सभी व्हाट्सअप, फेसबुक पेज या अन्य सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले एडमिन की जवाबदेही होगी कि वे किसी भी धार्मिक भावनाओं को आहत पहुंचाने वाले मैसेज पर रोक लगायें। सभी थाना प्रभारी अपने-अपने थाना क्षेत्र में डीजे संचालकों के साथ आवश्यक बैठक कर लें और जरूरी शपथ पत्र ले लें। उन्होंने कहा कि पंडालों की अनुज्ञप्ति में ही सभी मुख्य शर्तें अंकित हो। पूजा पंडालों में आवश्यक मानकों का पालन हो। अग्निशामक की व्यवस्था हो, बिजली हो, जरूरी पब्लिक एड्रेस सिस्टम हो। प्रवेश और निकास में सीसीटीवी लगे हों। पंडालों की वजह से ट्रैफिक में व्यवधान ना हों। सभी थाना क्षेत्रों में दुर्गा पूजा मॉनिटरिंग कमेटी के लिए व्हाट्सअप ग्रुप का निर्माण कर लें, जिसमें थाना प्रभारी, पूजा समिति के लोग और दण्डाधिकारी रहेंगे।

दुर्गा पूजा विसर्जन के दौरान पूजा समितियां अपने-अपने क्षेत्र में होने वाले विसर्जन/मेला आदि में अपने वालेंटियर्स तैनात रखें। उत्पाद अधीक्षक को अवैध देसी शराब से संबंधित मामलों में त्वरित सूचना दें व कार्रवाई करें। पुलिस से संपर्क करें। बैठक में दण्डाधिकारियों व पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि सभी पूजा पंडालों में सीसीटीवी की व्यवस्था समितियों को करनी होगी। सभी मेला, विसर्जन, पूजा पंडालों की निगरानी ड्रोन के माध्यम से करायी जाएगी। सभी थाना प्रभारियों को पूरी तैयारियों के साथ अपने-अपने थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च करने का निर्देश दिया गया। पूजा समितियों के साथ प्रत्येक 2-3 दिनों के अंतराल पर एक बैठक जोनल दण्डाधिकारी द्वारा किये जाने का निर्देश दिया गया। सभी थाना क्षेत्रों में लगने वाले मेले में एक हेल्प डेस्क स्थापित किये जाने का निर्देश दिया गया। सभी पूजा पंडालों में साउण्ड सिस्टम का इस्तेमाल अधिकतम रात्रि 10 बजे तक ही किया जाएगा। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ गणमान्य लोग मौजूद थे।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने किया नव निर्मित आवासीय सीमा शुल्क भवन का उद्घाटन

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। जिले के नेपाल सीमावर्ती रक्सौल शहर में गुरुवार को केन्द्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी व स्थानीय सांसद डा.संजय जायसवाल ने नव निर्मित आवासीय सीमा शुल्क भवन का उद्घाटन किया। मौके पर आयोजित एक भव्य समारोह को केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने संबोधित करते हुए केंद्र सरकार की उपलब्धियों और वित्त नीति पर विस्तुत रूप से प्रकाश डालते कहा कि केन्द्र सरकार समान रूप से बिना किसी भेदभाव के सभी नागरिको के हितो की चिंता कर रही है। केन्द्र सरकार वैश्विक मंदी के दौर में भी भारतीय अर्थव्यवस्था पर आंच नही आने दिया। सरकार सबके जीवन की प्रगति और खुशहाली लाने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होने अंतरराष्ट्रीय महत्व के रक्सौल शहर में बने आवासीय भवन को सीमा शुल्क के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम को बिहार बीजेपी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह सांसद संजय जायसवाल,रक्सौल विधायक प्रमोद सिन्हा,चनपटिया विधायक उमाकांत सिंह ने भी संबोधित किया।मौके पर कस्टम, भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियो के साथ अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

मस्जिद में ही खैरात बांटे नीतीश कुमार, यहां जरूरत नहीं है : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। बिहार के बक्सर में हुए रेल हादसा के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा रेल मंत्रालय पर सवाल उठाए जाने को लेकर बेगूसराय के सांसद और केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर बड़ा हमला किया है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस ट्रेन बक्सर में रघुनाथपुर के पास डिटेल हो गई। जानकारी के अनुसार 32 यात्री घायल हुए हैं और चार यात्रियों की मौत हो गई है। रेलवे ने त्वरित काम शुरू किया है। स्थानीय लोग घटना के तुरंत बाद मौके पर पहुंचकर यात्रियों की मदद किया। इसके लिए रेलवे और आमजनों को धन्यवाद। रेलवे ने सभी यात्रियों को विशेष ट्रेन से गंतव्य के लिए रवाना किया। घायलों का इलाज कराने के साथ-साथ 50 हजार रुपये मुआवजा दिया गया। मृतक के परिजनों को दस लाख मुआवजा दिया जा रहा है। लेकिन मुख्यमंत्री ने जिस तरह का वक्तव्य दिया कि यह मेरा काम नहीं है, यह शर्मनाक है। नीतीश कुमार खैरात नहीं बांटे।

गिरिराज सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार के पास बिहार शरीफ के मस्जिद को देने के लिए एक करोड़ रूपया है। लेकिन बिहार शरीफ के हिंदू दुकानदारों और जिनके घर जले उन लोगों के लिए पैसा नहीं है। एक मुख्यमंत्री जो पूर्व में भी रेल मंत्री भी रह चुके हैं, उनके द्वारा हादसा के संबंध में दिए गए वक्तव्य से लगता है कि खैरात बांट रहे हैं। यह संघीय ढांचा है, जिसमें ऐसी जुबान नहीं रखें, खैरात यहां नहीं मस्जिद में ही बांटते रहें।उल्लेखनीय है कि नीतीश कुमार ने कहा है कि जब हम रेल मंत्री थे तो रेल हादसों को रोकने के लिए कई तरह के कार्य किए। उससे घटनाएं कम हो गई थी, रेल मंत्री को इस पर ध्यान देना चाहिए, जिससे इस तरह की घटनाएं रोकी जा सके। यह रेलवे का काम है, इसके बाद भी हम मुआवजा दे रहे हैं।

संपादकीय

फिलिस्तीन का समर्थन करके क्या पाना चाहती है कांग्रेस?

कांग्रेस बार-बार यह साबित कर देती है कि वह मुस्लिम तुष्टीकरण से ऊपर नहीं उठ सकती। फिलिस्तीन के समर्थन में प्रस्ताव पारित करने की घटना से तो समूचा देश आश्चर्य है कि आखिर कांग्रेस की नीति और नीयत क्या है? कांग्रेस किस दिशा में आगे बढ़ गई है? क्या वास्तव में कांग्रेस की विचारधारा पर 'अर्बन नक्सल' सोच हावी हो गई है? जिस तरह की बर्बरता फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास ने इजराइल के नागरिकों के साथ की है, उसके बाद फिलिस्तीन का साथ कौन दे सकता है? शुद्ध इस्लामिक देश भी इजराइल-हमास युद्ध में फिलिस्तीन के साथ खड़े नहीं हो पा रहे हैं। हाँ, यह बात और है कि इग्लैंड, अमेरिका और भारत में रह रहे कुछ मुसलमानों के भीतर का सांप्रदायिकवाद अधिक उछाल मार रहा है। कांग्रेस के समर्थन से पूर्व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने फिलिस्तीन के समर्थन में रैली निकाली, इजराइल के विरोध में इस्लाम के नारे लगाए। याद रखें कि इस्लाम के नाम पर पाकिस्तान की भूमिका बनाने में भी अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की प्रमुख भूमिका रही है। इस विश्वविद्यालय में आज भी जिन्ना को आदर्श माना जाता है। मुस्लिम समुदाय में इस प्रकार के सांप्रदायिक कट्टर लोग बार-बार संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की उस मूल्यांकन को सत्य सिद्ध करते हैं, जिसमें उन्होंने कहा है कि मुसलमान सदैव इस्लामिक देशों की ओर ही झुकाव रखेंगे। उन्होंने अपनी पुस्तक 'पाकिस्तान या भारत विभाजन' में यहाँ तक कहा है कि यदि कभी मुस्लिम देशों ने भारत पर हमला किया तो भारत का मुसलमान हमलावर देश के साथ खड़ा होगा।

> कांग्रेस के समर्थन से पूर्व अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने फिलिस्तीन के समर्थन में रैली निकाली, इजराइल के विरोध में इस्लाम के नारे लगाए। याद रखें कि इस्लाम के नाम पर पाकिस्तान की भूमिका बनाने में भी अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय की प्रमुख भूमिका रही है। इस विश्वविद्यालय में आज भी जिन्ना को आदर्श माना जाता है। मुस्लिम समुदाय में इस प्रकार के सांप्रदायिक कट्टर लोग बार-बार संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की उस मूल्यांकन को सत्य सिद्ध करते हैं, जिसमें उन्होंने कहा है कि मुसलमान सदैव इस्लामिक देशों की ओर ही झुकाव रखेंगे। उन्होंने अपनी पुस्तक 'पाकिस्तान या भारत विभाजन' में यहाँ तक कहा है कि यदि कभी मुस्लिम देशों ने भारत पर हमला किया तो भारत का मुसलमान हमलावर देश के साथ खड़ा होगा।

हमास की नृशंसता एवं बर्बरता के बाद के बाद भी जिस प्रकार फिलिस्तीन के समर्थन में रैलियां निकाली जा रही हैं और इस्लामिक नारे लगाए जा रहे हैं, उन्हें देखकर तो बाबा साहेब की बातें सच ही प्रतीत होती हैं। कम्युनिस्टों की भी कमोबेश यही स्थिति है। कहना होगा कि वे इनसे भी अधिक खतरनाक हैं। इजराइल-हमास युद्ध के मामले में भारत का कम्युनिस्ट अपनी पूरी बुद्धि इस बात के लिए खर्च कर रहा है कि इतिहास की चुनिंदा घटनाओं को उल्लेख करके हमास के आतंकी एवं क्रूरता को कमतर साबित करके इजराइल को 'हिटलर' साबित कर दिया जाए। इस मामले में कम्युनिस्ट होशियार भी हैं, उन्होंने दुनिया में साम्यवाद के नाम पर किए गए अपने अत्याचार छिपा लिए हैं। तानाशाही एवं क्रूरता के लिए आज भी हिटलर और मुसोलिनी को याद किया जाता है कोई लेनिन और स्टालिन की बात नहीं करता है। जबकि लेनिन और स्टालिन भी हिटलर और मुसोलिनी से किसी भी रूप में कमतर नहीं हैं। बहरहाल, हैरानी हो रही है कि एक दिन पहले तक फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास द्वारा इजराइल के लोगों पर क्रूर हमलों की निंदा करनेवाली कांग्रेस अचानक से खुलकर फिलिस्तीनियों के समर्थन में क्यों उतर आई? कांग्रेस की ऐसी क्या मजबूरी रही कि उसे कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में फिलिस्तीन के समर्थन में प्रस्ताव पारित करना पड़ा? क्या कांग्रेस के नेतृत्व को वे महिलाएं दिखायी नहीं दे रही हैं, जिनके साथ नृशंस अपराध हमास के आतंकियों ने किया है? महिलाओं को नग्न करके उनके शरीर को नोंचते हमास के आतंकियों को कैसे कोई भूल सकता है? क्या वे दृश्य कांग्रेस के नेताओं को दिखायी नहीं दिए, जिनमें फिलिस्तीन के आतंकी छोटे बच्चों को हलाल करके उनका सिर धड़ से अलग कर रहे हैं और उन्हें विजय पताका के रूप में फहरा रहे हैं? हमास के बंदीगृह में बेचैन और तड़पने विभिन्न देशों के नागरिकों की चीख-पुकार को अनसुना कैसे किया जा सकता है? आखिर फिलिस्तीन के साथ खड़े होने की कांग्रेस की रणनीति क्या है? संभव है कि भाजपा इसे बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनाए। भाजपा यह मुद्दा उठा सकती है कि मुस्लिम तुष्टीकरण की नीति के कारण आज भी कांग्रेस आतंकवाद के साथ खड़ी है। हालांकि यह खतरा तो कांग्रेस को भी दिख रहा होगा। परंतु उसके लिए मुस्लिम वोटबैंक का लोभ छोड़ पाना इतना आसान भी नहीं है। बहरहाल, जो भी हो लेकिन कांग्रेस का फिलिस्तीन को समर्थन देना किसी के भी गले नहीं उतर रहा है। कांग्रेस का यह कदम देश की नीति के विरुद्ध भी है क्योंकि भारत आतंकवाद के खिलाफ है और वह इस आतंकी हमले में इजराइल के साथ खड़ा है।

कुछ अलग

इंसाफ में अड़चन

सुप्रीम कोर्ट में आया 26 सप्ताह की प्रेग्नेंसी का एक मामला न केवल अपने नेचर की वजह से बल्कि इससे निपटने के तरीकों के कारण ऐसे हालात में पहुंच गया, जिसे इंसाफ के लिहाज से अच्छी स्थिति तो कतई नहीं कहा जा सकता। इस मामले में प्रेग्नेंसी टर्मिनेशन के लिए कानूनन तय 24 हफ्ते की सीमा पहले ही गुजर चुकी थी। लेकिन पिटिशनर की शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और आर्थिक स्थितियां इस केस को महत्वपूर्ण बना रही थीं। एम्स के विशेषज्ञ डॉक्टरों की रिपोर्ट की रोशनी में पिटिशनर के हालात को ध्यान में रखते हुए सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच ने 9 अक्टूबर को दिए फैसले में अबॉर्शन की इजाजत दे दी। चौंकाने वाला घटनाक्रम अगले दिन यानी 10 अक्टूबर का रहा, जब एम्स के डॉक्टरों की उसी समिति की रिपोर्ट के हवाले से केंद्र सरकार चीफ जस्टिस के पास यह अर्जी लेकर पहुंच गई कि इस केस में भ्रूण के जीवित रहने की संभावना है और इसलिए पिटिशनर को अबॉर्शन की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। CJI ने आदेश के अमल पर तात्कालिक रोक लगाते हुए मामले को उन्हीं जजों की बेंच के पास भेज दिया। अगले दिन जब मामला उस बेंच के सामने आया तो कई बड़े वाजिब और गंभीर सवाल उठे। एक तो यह कि एम्स की जो एक्सपर्ट कमिटी इस मामले को देख रही थी, उसने अपनी पहली रिपोर्ट में यह बात क्यों नहीं कही कि भ्रूण के जिंदा रहने की संभावना है? दूसरा सवाल सुप्रीम कोर्ट में कामकाज के ढंग से जुड़ा था। पूछा गया कि केंद्र सरकार सर्वोच्च अदालत की एक बेंच के फैसले के खिलाफ मौखिक रूप से कैसे CJI के पास जा सकती है। बेंच ने इस पर ठीक ही केंद्र को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि यह गलत परिपाटी चल गई तो पूरी न्यायिक व्यवस्था गड़बड़ा जाएगी। मगर इन अहम तकनीकी सवालों के बीच इस प्रकरण का सबसे दुर्भाग्यपूर्ण पहलू यह है कि 26 हफ्ते की प्रेग्नेंसी के साथ इंसाफ मांगने आई वह महिला अभी भी न्याय का इंतजार ही कर रही है। एम्स की विशेषज्ञ समिति की नई रिपोर्ट के मद्देनजर दो सदस्यों वाली बेंच की राय बंट गई है। अब मामला फिर से CJI के पास जाएगा और वह नई बेंच गठित करेंगे, जो इस मामले पर सुनवाई करेगी। बहरहाल, यहां मिलते-जुलते से एक मामले का जिक्र किया जा सकता है, जिस पर इसी साल अगस्त महीने में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाया था। 27 हफ्ते के गर्भ से जुड़े इस मामले में रेप विक्टिम को अबॉर्शन की इजाजत देते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि अगर भ्रूण जीवित पाया जाता है तो उसका जीवन बचाने की पूरी कोशिश की जाए और बाद में राज्य सरकार यह सुनिश्चित करे कि बच्चे को कानूनी तौर पर गोद लेने की प्रक्रिया संपन्न हो। क्या इस मामले में भी ऐसे किसी संभावित उपाय पर विचार नहीं किया जा सकता।

यरुशलम की यहूदी बस्तियों पर एक साथ दो हजार राकेट दाग कर एक 'निर्णायक' युद्ध की दावत दे दी

हमास के इजरायल पर हमले के मायने

ललित मोहन बंसल

> इजरायली नींद से उठे, उन्हें अपने इर्द-गिर्द के शहरों और बस्तियों और खास कर देश के दक्षिणी हिस्से की क़रीब एक दर्जन उपनगरों से आ रही मातमी खबरों ने उद्धेलित कर दिया। इस हमले पर इजरायल के कुशल प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने त्वरित कार्रवाई में हमास आतंकवादियों के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दी। ये ही नेतान्याहू एक सप्ताह पूर्व अमेरिकी प्रस्ताव पर सऊदी अरब और इजरायल एक टेबल पर आने, मध्य पूर्व एशिया में शांति स्थापना के लिए गाजा में हमास आतंकवादियों को कुछेक रियायतें दिलवाने की कोशिश में जुटे थे।

इजरायल की सुरक्षा एजेंसियां गच्चा क्यों खा गयीं? गाजा स्थित हमास आतंकवादियों ने अकस्मात इजरायल के दक्षिण में गाजा पट्टी के साथ लगी बस्तियों पर जमीनी हमले और तेल अवीव तथा यरुशलम की यहूदी बस्तियों पर एक साथ दो हजार राकेट दाग कर एक 'निर्णायक' युद्ध की दावत दे दी है। इजरायली नींद से उठे, उन्हें अपने इर्द-गिर्द के शहरों और बस्तियों और खास कर देश के दक्षिणी हिस्से की क़रीब एक दर्जन उपनगरों से आ रही मातमी खबरों ने उद्धेलित कर दिया। इस हमले पर इजरायल के कुशल प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने त्वरित कार्रवाई में हमास आतंकवादियों के विरुद्ध युद्ध की घोषणा कर दी। ये ही नेतान्याहू एक सप्ताह पूर्व अमेरिकी प्रस्ताव पर सऊदी अरब और इजरायल एक टेबल पर आने, मध्य पूर्व एशिया में शांति स्थापना के लिए गाजा में हमास आतंकवादियों को कुछेक रियायतें दिलवाने की कोशिश में जुटे थे। सऊदी अरब ने भी हाथ बढ़ा दिया था। फिर हमास आतंकवादियों ने हमला क्यों किया? क्या इस प्रस्ताव पर ईरान को गुरेज था? इजरायल की मिली-जुली सरकार में दो दक्षिणपंथी राजनीतिक दलों के नेताओं की ओर से खबरें आ रही हैं कि हमास 18 वर्ष पूर्व कूटनीतिक दबाव से बच गया, वह गाजा पट्टी पर बेताज बादशाह भी बन गया, लेकिन इस बार इजरायली सेना उसकी हसरत मिटा कर रख देगी? यह एक बड़ी और चुनौतीपूर्ण धमकी है। हमास आतंकवादियों की प्रारंभिक सफलता पर पड़ोसी देश लेबनान में हेजबुल्ला की ओर से मिठाइयां बंटीं तो ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड ने सौलास आतिशबाजी की। अमेरिका के वरिष्ठ सैन्य अधिकारी के कथन को सही माने तो हमास आतंकवादियों में इतना दम नहीं है, वह उसकी सैन्य मदद के बिना इजरायल के दरवाजे पर बंदूक रख सके। हां, कुवैत ने धर्म निभाया। उसने उलटे इजरायल की निंदा कर दी। मुमकिन है, मध्य पूर्व एशिया के कुछ और देश लामबंदी के लिए आगे आएं। यूं इजरायल के पड़ोसी देश जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डा है। बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात, दो निकटवर्ती देश अमेरिकी मित्र हैं। सऊदी अरब ने भले ही ईरान के साथ कूटनीतिक संबंध बनाए हैं, लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि खाड़ी में वर्चस्व की लड़ाई में सऊदी प्रिंस एक बार अमेरिका का साथ भले ही नहीं दें, ईरान का साथ देने से बचेंगे। यह युद्ध क्या मोड़ लेगा, अभी कहना कठिन है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजरायल के साथ

मित्रता और निकटता पूर्ण संबंधों के आधार पर हमास आतंकवादियों के अकस्मात आक्रमण की निंदा की है। सीमापार आतंकवाद कश्मीर में हो अथवा इजरायल में, मानवीय मूल्यों पर उसका पक्षधर कोई नहीं हो सकता। बाइडन ने ईरान सहित अन्य देशों को सतर्क किया है कि वे हमास आतंकवादियों से दूर रहें। यो डेमोक्रेट और रिपब्लिकन, दोनों ही इजरायल के हितैषी हैं। 'अल अक्सा अभियान' : फिलिस्तीन आतंकवादियों की ओर से सीमापार आतंकी हमलों की घटनाएं कोई नई नहीं है। इस बार यहूदियों के एक पर्व के अंतिम दिन शनिवार को यरुशलम में सैकड़ों एकड़ भू-भाग में फैले यहूदी धार्मिक स्थली 'माउंट टेम्पल' में सैकड़ों लोग एकत्रित थे। यहीं पर 'अल अक्सा मस्जिद' भी है, जिसे मक्का और मदीना के बाद तीसरा बड़ा पवित्र स्थल माना जाता है। इसके बाहर जमा सैकड़ों यहूदी दर्शनार्थियों का जमावड़ा था। इस पवित्र स्थल पर आने-जाने में कोई रोकटोक नहीं थी। गाजा पट्टी से भी अक्सर लोग आते-जाते रहे हैं। हमास आतंकवादियों को भी मौका मिल गया। उन्होंने पहले ही झटके में चहुंओर से जमीनी और हवाई राकेट से हमले कर इजरायली इंटेलिजेंस को बैकफुट पर खड़ा कर दिया। बता दें, गाजा से आए दिन सैकड़ों लोग 'अल अक्सा मस्जिद' में आते-जाते रहे हैं। इसी 'अल अक्सा अभियान' के तहत हमास आतंकवादियों ने गाजा पट्टी के साथ साथ इजरायल के दक्षिण में यहूदी बस्तियों पर पैदल सेना और इजरायल के सुदूर अंदर में 2200 राकेट दागे। इनमें से कुछ की मार तेल अवीव और यरुशलम तक थी। कहते हैं कि पिछले पच्चास सालों की आपसी लड़ाई में यह पहला बड़ा हमला है। इस युद्ध को लेकर पश्चिमी और मध्य पूर्व एशियाई मीडिया से जो संकेत मिल रहे हैं, इस बार परिणाम भयावह हो सकते हैं।

खबरें आ रही हैं कि शनिवार सुबह से देर सायं तक हमास के आतंकवादी इजरायल की बाईस बस्तियों में घुस गए और उन्होंने महिलाओं और बच्चों सहित तीन सौ लोगों को मौत के घाट उतार दिया। इनमें करीब 1400 लोग घायल हो चुके हैं। इजरायल ने गाजा पट्टी में बहुमंजिली इमारतों पर हवाई हमले किए। इसमें 234 लोगों को जानें गंवानी पड़ी हैं, जबकि 1600 लोगों घायल हुए हैं। रविवार सुबह से हवाई हमलों की चेतावनियां दी जा रही हैं। इजरायल के समुद्री तट के एक शहर अशकेलों में तनाव की स्थिति बनी हुई है। भारत सहित कुछ देशों ने बड़े स्तर पर हमलों की आशंका में तेलअवीव और यरुशलम की हवाई उड़ानें रद्द की हैं। इसके बावजूद इजरायली युवा अपने देश की रिजर्व सेना में पंजीकरण के लिए स्वदेश पहुंच रहे हैं। इजरायल की रिजर्व सेना क्या है?: इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने युद्ध की घोषणा के बाद इजरायल के युवा और साठ वर्ष से नीचे की आयु के लोगों ने 'रिजर्व सेना' के अंतर्गत पंजीकरण करना शुरू कर दिया है। इसमें पूर्वप्रधान मंत्री नेफताली ने भी पंजीकरण कर दिया है। न्यूयॉर्क में बसे ऐसे सैकड़ों यहूदी रिजर्व सेना में पंजीकरण के लिए महंगी हवाई टिकट ले कर घर लौट रहे हैं। इजरायल में सोलह वर्ष की उम्र होते ही एक किशोर युवा को मिलिट्री ट्रेनिंग लेना जरूरी है और देश पर आक्रमण की स्थिति में युद्ध के लिए पंजीकरण आवश्यक है। कूटनीतिक प्रयासों में तेजीः अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सहित अनेक पश्चिमी देशों की ओर से किसी उकसावे की कार्रवाई के बिना हमास की ओर से हमले की निंदा की जा रही है। अमेरिकी विदेशमंत्री एंथनी ब्लिंकन ने शनिवार को सऊदी अरब के प्रिंस फैजल और मिस्र के विदेश मंत्री से अलग अलग फोन पर बातचीत की। ब्लिंकन ने कहा है कि हमास के हमलों के जवाब में इजरायली सेना को अपने बचाव में सैनिक कार्रवाई का पूरा हक है। इससे बेहतर होगा कि हमास आतंकवादियों को हिंसात्मक कार्रवाई करने से रोकने के लिए संयुक्त प्रयास किए जाएं। व्हाइट हाऊस के एक अधिकारी की ओर से कहा जा रहा है कि ईरान की ओर से हमास को सीधे सैनिक सहयोग के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं है। फ्रांस और जर्मनी ने इजरायल के समर्थन में कहा है कि उसे आत्मरक्षा करने का अधिकार है। इन दोनों देशों ने इस्लामिक जिहाद के आक्रमण के मद्देनजर इजरायल के मंदिरों की रक्षा में तैनाती मजबूत कर दी है।

हमास के जाल में उलझे नेतन्याहू को देना होगा परिपक्वता का परिचय

> इस्राइली लड़ाकू विमानों को गाजा के उन इलाकों पर हमला करते देख चुका हूं, जहां हमास के लड़ाके रहते हैं, जिससे बड़ी संख्या में बेगुनाह नागरिकों की मौतें भी हुई हैं। लेकिन पिछले सप्ताहांत जो हुआ, वैसा मैंने कभी नहीं देखा-हमास के लड़ाके इस्राइली पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को घेरकर, उनकी आंखों में आंखें डालकर उन्हें गोलियां मार रहे थे। इससे पहले वर्ष 1982 में मैंने बेरुत के साबरा और शतीला शरणार्थी शिविरों में ईसाई लड़ाकों द्वारा फलस्तीनी पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के नरसंहार के दौरान ऐसी बर्बरता देखी थी। हालांकि मुझे यहूदी राज्य के विनाश के प्रति हमास की लंबी तैयारी को लेकर कोई भ्रम नहीं है, फिर भी मैं आज खुद से पूछ रहा हूं कि सामूहिक हत्या के लिए आईएस जैसी यह क्रूरता आखिर कहां से आई? जाहिर है, इसमें कुछ नई बात है, जिसे समझना जरूरी है। बेशक इस हमले की योजना हमास नेतृत्व ने महीनों पहले बनाई होगी, लेकिन मुझे लगता है कि इसकी भावनात्मक उत्पत्ति को तीन अक्तूबर को इस्राइली प्रेस में छपी एक तस्वीर से समझाया जा सकता है।

मैंने लगभग 50 वर्षों तक इस संघर्ष की रिपोर्टिंग की है और इस्राइली एवं फलस्तीनियों को कई भयानक चीजें करते देख चुका हूं। मैं फलस्तीनी आत्मघाती हमलावरों को इस्राइली डिस्को व बसों को उड़ाते और इस्राइली लड़ाकू विमानों को गाजा के उन इलाकों पर हमला करते देख चुका हूं, जहां हमास के लड़ाके रहते हैं, जिससे बड़ी संख्या में बेगुनाह नागरिकों की मौतें भी हुई हैं। लेकिन पिछले सप्ताहांत जो हुआ, वैसा मैंने कभी नहीं देखा-हमास के लड़ाके इस्राइली पुरुषों, महिलाओं और बच्चों को घेरकर, उनकी आंखों में आंखें डालकर उन्हें गोलियां मार रहे थे। इससे पहले वर्ष 1982 में मैंने बेरुत के साबरा और शतीला शरणार्थी शिविरों में ईसाई लड़ाकों द्वारा फलस्तीनी पुरुषों, महिलाओं और बच्चों के नरसंहार के दौरान ऐसी बर्बरता देखी थी। हालांकि मुझे यहूदी राज्य के विनाश के प्रति हमास की लंबी तैयारी को लेकर कोई भ्रम नहीं है, फिर भी मैं आज खुद से पूछ रहा हूं कि सामूहिक हत्या के लिए आईएस जैसी यह क्रूरता आखिर कहां से आई? जाहिर है, इसमें कुछ नई बात है, जिसे समझना जरूरी है। बेशक इस हमले की योजना हमास नेतृत्व ने महीनों पहले बनाई होगी, लेकिन मुझे लगता है कि इसकी भावनात्मक उत्पत्ति को तीन अक्तूबर को इस्राइली प्रेस में छपी एक तस्वीर से समझाया जा सकता है। इस्राइल सरकार के कुछ मंत्री अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेने के लिए रियाद (सऊदी अरब) गए थे, जिसे इस्राइली प्रेस में बहुत अधिक कवरेज मिला। लेकिन बेरुत और यरूशलम, दोनों जगह रहने के अपने अनुभवों के आधार पर अखबारों में छपी एक तस्वीर ने मुझे चौंकाया। मुझे पता था कि दोनों दुनिया में पूरी तरह से अलग-अलग प्रतिक्रियाएं होंगी। वह तस्वीर इस्राइल के संचार मंत्री, श्लोमो करही की टीम ने तब ली था, जब वे अपने होटल के कमरे में इबादत कर रहे थे। उनमें से एक ने इबादत के दौरान अपने एक सहकर्मी की फोटो ली, जो पारंपरिक यहूदी शॉल और यरमुलके टोपी में थे। उनके हाथ में पवित्र धर्मग्रंथ था, जबकि पृष्ठभूमि में खिड़की से बाहर रियाद का क्षितिज दिख रहा था। इस्राइली यहूदियों के लिए वह तस्वीर एक सपने के सच होने की तरह है। इस्लाम के जन्म स्थान और इसके दो सबसे पवित्र शहरों, मक्का और मदीना वाले मुल्क सऊदी अरब में पवित्र धर्मग्रंथ के साथ इबादत करना वह स्वीकार्यता है, जो हर इस्राइली यहूदी के मर्म को छूती है। लेकिन वही तस्वीर बहुत से फलस्तीनियों में एक तीव्र भावनात्मक क्रोध को प्रज्वलित करती है, विशेष रूप से हमास और फलस्तीनी इस्लामी जिहाद सहित इस्लामी मुस्लिम ब्रदरहुड से जुड़े लोगों में। उनके लिए यह तस्वीर इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के सर्वोच्च लक्ष्य की पूर्ण अभिव्यक्ति है-अपने विरोधियों को यह साबित करके दिखाना कि वह सभी अरब देशों, खासकर सऊदी अरब के साथ शांति समझौता कर सकते हैं, लेकिन फलस्तीनियों को एक इंच जमीन नहीं देंगे। मुझे नहीं मालूम कि हमास नेतृत्व ने वह खास तस्वीर देखी या नहीं, लेकिन यह हमला दिखाता है कि वह इस घटनाक्रम से पूरी तरह वाकिफ है। मेरा मानना है कि हमास ने न केवल इस हमले को शुरू किया, बल्कि इसे यथासंभव विनाशकारी बनाने का आदेश भी दिया। उसकी मंशा इस्राइल को भड़काने की थी, ताकि वह गाजा पट्टी पर हमला करे, जिससे बड़े पैमाने पर फलस्तीनी नागरिक हताहत हों। और इस तरह सऊदी अरब को रियाद और यहूदी राज्य के बीच रिश्ते सामान्य करने के लिए अमेरिकी-मध्यस्थता में होने वाले समझौते से पीछे हटने के लिए मजबूर करना था। साथ ही उसने संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन और मोरक्को को, जो अब्राहम समझौते का हिस्सा थे, इस्राइल से रिश्ते खत्म करने की जमीन तैयार की। नेतन्याहू, उनके यहूदी वर्चस्ववादियों तथा अति रूढ़िवादी गठबंधन के लिए हमास का संदेश स्पष्ट है-खाड़ी के अरब भाई चाहे आपको कितनी भी जमीन दे दें, यहां आप आराम से नहीं रह सकते। हम आपको गाजा में सनकी कार्रवाई करने के लिए मजबूर कर देंगे, जो अरब देशों को आपसे दूर रहने के लिए मजबूर करेगा। ध्यान रखना चाहिए कि हमास ने यहूदी बस्तियों पर हमला करने के लिए इस्राइल के कब्जे वाले पश्चिमी तट पर अपने गुर्गों को नहीं भेजा था। उसने अपने हमले को इस्राइली गांवों और किबुत्ज के फार्मों पर केंद्रित किया, जो इस्राइल के कब्जे वाले पश्चिमी तट का हिस्सा नहीं हैं। मुझे लगता है कि अमेरिका को इस्राइल की मदद करने के लिए तीन काम करने की जरूरत है। पहला, राष्ट्रपति बाइडन इस्राइल से पूछें कि वह गाजा में आगे क्या करने वाला है। उसके सबसे बड़े दुश्मन उससे क्या चाहते हैं और वह ठीक इसके विपरीत कदम कैसे उठा सकता है? इस्राइल के सबसे बड़े दुश्मन (हमास और ईरान) चाहते हैं कि इस्राइल गाजा पर आक्रमण करे और वहां एक रणनीतिक अतिक्रमण में फंस जाए। इससे विश्व मंच पर इस्राइल द्वारा अर्जित सहानुभूति कमजोर हो जाएगी, तेहरान के निरंकुश शासन से दुनिया का ध्यान भटक जाएगा और इस्राइल को गाजा और पश्चिमी तट पर स्थायी कब्जा करने के लिए अपनी सेना बढ़ाने पर मजबूर होना पड़ेगा। मुझे उम्मीद है कि बाइडन नेतन्याहू से यह कहेंगे कि अमेरिका लोकतांत्रिक इस्राइल को हमास के धार्मिक फासीवादियों और लेबनान में हिजबुल्लाह से बचाने में मदद करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगा, लेकिन नेतन्याहू को खुद को उदार लोकतांत्रिक इस्राइल से जोड़ना होगा, क्योंकि दुनिया और यह क्षेत्र इस लड़ाई को धार्मिक युद्ध के रूप में नहीं, बल्कि लोकतंत्र और धर्मतंत्र की अग्रिम पंक्ति की लड़ाई के रूप में देखता है। इसका मतलब यह है कि नेतन्याहू को अपने मंत्रिमंडल में बदलाव करना होगा और धार्मिक कट्टरपंथियों को बाहर निकालकर एक राष्ट्रीय एकता सरकार का गठन करना होगा। दुर्भाग्य से, नेतन्याहू अब भी अपने कट्टरपंथी गठबंधन को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिसकी उन्हें खुद को भ्रष्टाचार के मुकदमे से बचाने और न्यायिक तख्तापलट को पूरा करने के लिए जरूरत है, जो इस्राइल के सर्वोच्च न्यायालय को अक्षम बना देगा। यह वाकई गड़बड़ है।

देश दुनीया से

अर्थव्यवस्था पर विश्वास का प्रतीक हैं नए डीमैट अकाउंट

शेयर बाजार में जिस तेजी से नए डीमैट अकाउंट खुल रहे हैं, वह स्पष्ट रूप से लोगों के विश्वास का ही परिणाम है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था के प्रति लोगों के विश्वास को आमजन के वित्तीय निवेश को लेकर देखा जा सकता है। देश के शेयर बाजार में लगातार इस मायने में बूम देखा जा रहा है। चालू कलैंडर वर्ष के हर महीने लाखों नए डीमैट खाते खुल रहे हैं। इसी कलैंडर वर्ष की बात की जाए तो जनवरी से अब तक दो करोड़ से अधिक नए डीमैट खाते खुले हैं। अकेले सितंबर में करीब 30 लाख 60 हजार नए डीमैट खाते अस्तित्व में आए हैं। इससे पहले अगस्त में इस साल के सर्वाधिक 31 लाख नए खाते खुले। इसी तरह से गए महीने 10 आईपीओ बाजार में आए हैं और इनमें निवेशकों ने दिल खोलकर पैसा लगाया है। इन 14 आईपीओ के माध्यम से कंपनियों ने 11868 करोड़ रुपये जुटाये हैं। यदि देखा जाए तो दिसबंर 2010 के बाद सबसे अधिक आईपीओ बाजार में आये हैं। समग्र रूप से देखा जाए तो इस साल जनवरी से सितंबर तक 34 आईपीओ के माध्यम से कंपनियों ने निवेशकों से 26913 करोड़ रुपये जुटाए हैं। सभी आईपीओ ओवर सब्सक्राइब रहे हैं। यह सब तो तब है तब है जब आज दुनिया के देश आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे हैं। पर यह साफ हो जाता है कि शेयर बाजार में लगातार नए खाते खुलना और आईपीओ को अच्छा समर्थन मिलना इस बात का संकेत है कि देश की अर्थ व्यवस्था को लेकर लोगों में किसी तरह का नकारात्मक विचार नहीं है। बल्कि यह कहा जाना उचित होगा कि लोगों का देश की अर्थव्यवस्था व देश के आर्थिक हालातों के प्रति विश्वास कायम है। दरअसल कोरोना के बाद जिस तरह के हालात हुए और देश-दुनिया की आर्थिक गतिविधियां प्रभावित हुईं उससे लोगों में अर्थव्यवस्था को लेकर अनेक आशंकाएं हुईं और इसमें भी कोई दोराय नहीं कि दुनिया के अधिकांश देश आर्थिक संकट के दौर से गुजरे और आज भी गुजर रहे हैं। कोढ़ में खाज का काम पिछले लंबे समय से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध ने किया। अब इजराइल और हमास के ताजा हमलों से नया संकट सामने आ गया है। इससे सबके साथ ही दुनिया के अधिकांश देशों में हालात अच्छे नहीं चल रहे हैं। चीन की नीतियों से दुनिया के देश त्रस्त है सो अलग। इसके अलावा आंतकवादी घटनाएं, जलवायु परिवर्तन के कारण आये दिन आने वाले तूफानों, अनावृष्टि, अतिवृष्टि, मौसम की बेरुखी आदि को किसी भी हालात में सब कुछ ठीक नहीं माना जा सकता है। इन सब हालातों के बीच देश की अर्थव्यवस्था के प्रति लोगों के रुख को दो दृष्टि से समझना होगा। एक ओर बैंकों में बचत की भावना में गिरावट दर्ज हो रही है। एक समय था जब हमारी परंपरा में बचत को खास महत्व दिया जाता था आज हालात ठीक विपरीत है। बचत की तुलना में वित्तदायी संस्थाओं से कर्ज लेने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। दूसरी ओर शेयर बाजार जिसे हमेशा से अस्थिर समझा जाता रहा है और जो राष्ट्रीय ही नहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सर्वाधिक जोखिम भरा निवेश माना जाता रहा है, आज देश का मध्यम वर्ग खासतौर से युवा पीढ़ी जोखिम भरे शेयर बाजार में बेहिचक निवेश करने को आगे आ रही है। हालांकि इसके पीछे शेयर बाजार में एक कारण आकर्षक रिटर्न को माना जा रहा है तो दूसरी और अन्य क्षेत्रों में अधिक अस्थिरता देख रहे हैं। हालांकि इसमें कोई दोराय नहीं होनी चाहिए कि शेयर बाजार सबसे जोखिम भरा है, पर जिस तरह से प्रति माह नित नए डीमैट अकाउंट खोले जा रहे हैं और जिस तरह से आईपीओ को रेस्पांस मिल रहा है उससे साफ हो जाता है कि आज की पीढ़ी लाख रिस्क होने के बावजूद जोखिम भरे रास्ते को चुन रही है। इससे यह तो माना जा सकता है कि निवेशकों खासतौर से मध्यम वर्ग का शेयर बाजार पर पूरा विश्वास जम रहा है। हालांकि शेयर बाजार अंतरराष्ट्रीय हालातों से भी प्रभावित होता है। इसके साथ ही मिनट दर मिनट रिस्क भरा होता है। फिर भी लोगों द्वारा इस पर विश्वास व्यक्त करना कहीं आने वाले समय में संकट का कारण नही बन जाए। सेबी, एनएसडीएल आदि संस्थाओं को इस पर लगातार पैनी नजर रखनी होगी।

> देश के शेयर बाजार में लगातार इस मायने में बूम देखा जा रहा है। चालू कलैंडर वर्ष के हर महीने लाखों नए डीमैट खाते खुल रहे हैं। इसी कलैंडर वर्ष की बात की जाए तो जनवरी से अब तक दो करोड़ से अधिक नए डीमैट खाते खुले हैं। अकेले सितंबर में करीब 30 लाख 60 हजार नए डीमैट खाते अस्तित्व में आए हैं। इससे पहले अगस्त में इस साल के सर्वाधिक 31 लाख नए खाते खुले। इसी तरह से गए महीने 10 आईपीओ बाजार में आए हैं और इनमें निवेशकों ने दिल खोलकर पैसा लगाया है।

दृष्टिकोण

ओबीसी कार्ड का लाभ किसे, पांच राज्यों में होने वाले चुनाव क्या बदलेंगे सियासत की दिशा

राहुल गांधी के पास क्या गेम चेंजिंग आइडिया आ गया है? भले ही 'इंडिया' गठबंधन के सभी दल जातीय जनगणना के पक्ष में न हों, पर राहुल गांधी इसे मुख्य चुनावी मुद्दा बता रहे हैं। कांग्रेस शासित राज्यों में जातिगत जनगणना की गारंटी दी जा रही है। यहां तक कि महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री ने भी अपने अधिकारियों को बिहार के अधिकारियों से जातिगत जनगणना की प्रक्रिया की जानकारी लेने को कहा है। असम के मुख्यमंत्री सामाजिक-आर्थिक जातिगत जनगणना कराने की घोषणा कर चुके हैं। ओडिशा में नवीन पटनायक जातिगत सर्वे करवा चुके हैं और पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट का इंतजार है। कर्नाटक में मुख्यमंत्री के पास ओबीसी सर्वे की रिपोर्ट तैयार पड़ी है, जिसे उचित समय में सार्वजनिक करने की बात की जा रही है। आचार संहिता लागू होने से पहले राजस्थान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जातीय सर्वे की घोषणा तो कर ही चुके हैं, राहुल गांधी की मौजूदगी में ओबीसी का आरक्षण 21 फीसदी से बढ़ाकर 26 करने का एलान भी कर चुके हैं। अब नीतीश कुमार सरकार की अगली रिपोर्ट का इंतजार हो रहा है। उसमें पता चलेगा कि किस जाति के कितने लोग सरकारी नौकरी में हैं, किस पद पर हैं, निजी क्षेत्र में किस जाति के कितने लोग हैं, कितनों के पास कार-मोटरसाइकिल या साइकिल है और कितनों के पास कितनी जमीन है। इससे यह भी पता चलेगा कि सुशासन बाबू के राज में सामाजिक न्याय की दिशा में कितना काम हुआ, महादलितों, महापिछड़ों और पसमांदा मुस्लिमों की आर्थिक हालत कैसी है? नीतीश कुमार इसे समझ रहे हैं, तभी तो कह रहे हैं कि सर्वे कराने का मकसद राजनीति करना नहीं, बल्कि ओबीसी की वास्तविक संख्या का पता लगाकर उसके हिसाब से विकास की योजनाएं बनाना है। यही बात राहुल गांधी भी कर रहे हैं। वह समझ रहे हैं कि ओबीसी जनगणना को युवा ओबीसी को मिले रोजगार के मौकों और शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण से जोड़ना है। पढ़ाई और नौकरी युवा ओबीसी को लंबे समय तक 'इंडिया' से जोड़े रख सकती है। कांग्रेस समझ रही है कि उसे सत्ता में आना है, तो अपने वोट बैंक में भारी-भरकम इजाफा करना है। ऐसा वोट बैंक महापिछड़े ही हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को सिर्फ 15 फीसदी ओबीसी वोट, जबकि भाजपा को 44 फीसदी ओबीसी वोट मिला था। यहां तक कि सामाजिक न्याय की राजनीति करने वाले दलों के हिस्से में भी 41 फीसदी ओबीसी वोट ही आया था। जबकि 1996 में भाजपा को 21 फीसदी, सामाजिक न्याय वाले दलों को 54 फीसदी और कांग्रेस को 24 फीसदी ओबीसी वोट मिला था। ये आंकड़े ही बता देते हैं कि क्यों राहुल गांधी से लेकर अखिलेश यादव, लालू प्रसाद और नीतीश कुमार को ओबीसी वोट बैंक में सेंध लगाने की जरूरत है। इस हिसाब से आगामी दिसंबर से देश में सियासत करने का तरीका बदलने वाला है। अगर कांग्रेस ने छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और तेलंगाना में जीत हासिल की, तो ऐसा नरैटिव स्थापित किया जाएगा, जैसे यह ओबीसी वोट की गोलबंदी से हुआ है।

हमास की हिंसा और बर्बरता की हर ओर बिखरी है दास्तान, गांवों से सामने आ रहीं क्रूरता की निशानी

तेल अवीव ।

यह युद्ध या युद्ध भूमि नहीं... नरसंहार स्थल है। अपने जीवन में मैंने ऐसा कभी नहीं देखा। अपने बाप-दादाओं से ऐसे सामूहिक हत्याकांड के बारे में सुनते थे।' कफार अजा को अपने कब्जे में लेने के बाद इजराइली सेना के मेजर जनरल इताई वेरुव का कथन, फलस्तीनी आतंकी संगठन हमास द्वारा की गई हिंसा, बर्बरता और क्रूरता बयान कर रहा है। ऐसी ही हिंसा गाजा सीमा के करीब बसे कई इजराइली गांवों में की गई है, जिनके साक्ष्य शवों के रूप में सामने आ रहे हैं। सिक्युरिटी कैमरों, मोबाइल फोन रिकॉर्डिंग, फोटोग्राफ आदि में दर्ज हुई क्रूरता नजर आ रही है। आतंकियों ने बस का इंतजार कर रहे लोगों से लेकर सड़कों, घरों, घर के लॉन तक में मौजूद लोगों की हत्याएं की। यहां गोलियों से छलनी सैकड़ों शव मिल रहे हैं। बच्चों के खून से सने पालने व कारें और सड़कों पर एक के बाद एक बीसियों शव मिल रहे हैं। सेना के अनुसार 1,000 से अधिक हत्याएं हुई हैं, इनमें बड़ी संख्या में महिलाएं व बच्चे हैं। आतंकी 150 इस्राइलियों का अपहरण करके गाजा पट्टी भी ले गए हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लड़कियां हैं। किबुत्ज बीयरी : बच्चों सहित 100 से ज्यादा हत्याएं...गाजा पट्टी से दूरी 4.4 किमी सिक्योरिटी कैमरों में शनिवार सुबह 6 बजे दो आतंकी गांव में घुसते दिख रहे हैं। वे कार में जा रहे इस्राइलियों पर गोलियां चलाते हैं, कार पर कब्जा करते हैं। आठ और आतंकी गांव में सुबह 7 बजे घुसते हैं। वे दो घंटे बाद कार से तीन शव बाहर फेंकते दिखते हैं। कुछ अन्य वीडियो में गांव के कई लोगों को घरों से निकाल कर बंधक बनाकर सड़क पर ले जाते हुए दिखाया गया है, बाद में उनके शव सड़कों पर नजर आते हैं। इजराइली कार्यकर्ताओं में शामिल मोती बुकजिन ने बताया उनके दल को यहां 100 से अधिक शव मिले हैं, इनमें बहुत से बच्चे हैं। अब भी कई घरों में जाकर देखना बाकी है कि वहां आतंकियों ने क्या हिंसा की। नोवा फेस्टिवल : 100 से ज्यादा हत्याएं, दोस्तों की लाशों के बीच लड़कियों से दुष्कर्म...गाजा पट्टी से दूरी 5.4 किमी किबुत्ज रइम में आयोजित नोवा फेस्टिवल में सैकड़ों युवा जमा थे। सैकड़ों फलस्तीनी आतंकी हथियारों के साथ सीमा बंदी तोड़ कर खेतों से होते हुए यहां पहुंचे और गोलियां चलानी शुरू कर दीं। हमले में बचे 35 साल के आंद्रे पियरी ने बताया, मैं सैनिक रहा हूं... लेकिन उस वक्त जो हुआ, वैसा मैंने कभी नहीं देखा। इजराइली सेना के अनुसार 100 से अधिक हत्याएं करने के बाद यहां से आतंकी बड़ी संख्या में लड़कियों को बंधक बनाकर साथ ले गए।

न्यूज ब्रीफ

नेतन्याहू ने खाई हमास को तबाह करने की कसम, बोले- संगठन में शामिल हर किसी की मौत तय

येरूशलम । इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने विदेश मंत्री योव गैलेंट के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

उन्होंने पूर्व आईडीएफ स्टाफ के नेतृत्व वाली विपक्षी ब्लू एंड व्हाइट पार्टी के साथ मिलकर राष्ट्रीय आपातकाल की सरकार की स्थापना की घोषणा की है। इस कॉन्फ्रेंस में रक्षा मंत्री बेनी गैंज भी शामिल थे। पीएम नेतन्याहू ने अपने संबोधन के दौरान आतंकी संगठन को चेतावनी देते हुए कहा कि अब हमास के सभी सदस्यों की मौत तय है। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस हमास के हमले के बाद प्रधानमंत्री नेतन्याहू व्यक्तिगत तौर पर बयान दे रहे थे, लेकिन अब उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए बात की है। नेतन्याहू ने घोषणा करते हुए कहा, यहूदी राष्ट्र (इजराइल) एक है और अब इसका नेतृत्व भी एकजुटता के साथ होगा। हमास को आईएसआईएसआई से भी घटिया कहने के बाद नेतन्याहू ने शनिवार को आतंकियों द्वारा किए गए अत्याचारों का जिक्र किया, जिसमें लोगों को जिंदा जलाने की बात सामने आई है। उन्होंने कहा, इजराइल में हर परिवार किसी न किसी तरह से पीड़ितों के परिवार से जुड़ा हुआ है। हम अपने घरों के लिए साथ मिलकर लड़ेगें। नेतन्याहू ने बताया कि उन्हें विश्व स्तरीय राजनेताओं का भी समर्थन मिला है। इजराइली पीएम ने घोषणा करते हुए कहा, हम आक्रमक हो गए हैं। हमास से जुड़े प्रत्येक सदस्य की मौत तय है। नेतन्याहू ने कहा कि पूरा इजराइल अपने सैनिकों के साथ खड़ा है और अब इजराइल की जीत होगी। रक्षा मंत्री बेनी गैंज ने कहा, हम सब एक है। हम सभी इस संघर्ष में जुड़ रहे हैं। यहां केवल एक ही शिविर है और वह इजराइल राष्ट का शिविर है। उन्होंने आगे कहा कि नेतन्याहू के साथ यह नई साझेदारी राजनीतिक नहीं बल्कि भाग्य की साझेदारी है।

इजराइल तो सिर्फ शुरुआत, पूरी दुनिया में हमारा कानून लागू होगा, हमास के कमांडर का चौंकाने वाला दावा

येरूशलम । इजराइल पर हमले के बाद हमास कमांडर महमूद अल जहर ने एक मिनट से अधिक

का वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में उन्होंने पूरी दुनिया पर अपना प्रभाव बढ़ाने का दावा किया है। उनकी ये चेतावनी ऐसे समय में आई है, जब हमास ने इजराइल पर रॉकेट हमलों के बाद सैकड़ों इजराइली नागरिकों को बंधक बना लिया है। हमास ने सात अक्तूबर को इजराइल पर हवाई हमले किए, जिसमें अबतक 1200 इजराइली नागरिकों की मौत हो गई तो वहीं हजारों की संख्या में घायल हो गए हैं। इस हमले के बाद हमास के कमांडर महमूद अल जहर ने वीडियो जारी कर पूरी दुनिया को चेतावनी दी है। हमास कमांडर ने वीडियो में कहा, इजराइल केवल पहला लक्ष्य है। पूरी दुनिया हमारे कानून के अंदर होगी। 510 मिलियन वर्ग किलोमीटर वाली पूरी दुनिया एक ऐसे व्यवस्था के अंतर्गत आएगी, जहां कोई अन्याय नहीं होगा, न कोई जुल्म होगा और न ही कोई अपराध होगा, जैसा कि सभी अरब देशों, लेबनान और सीरीया में फलस्तीनियों के साथ किया जा रहा है। हमास कमांडर के इस वीडियो के बाद ही इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बयान जारी किया, जिसमें उन्होंने आतंकी संगठन को चेतावनी देते हुए कहा कि हमास के प्रत्येक सदस्यों का मौत तय है। उन्होंने कहा, हमास एक दाएश (आतंकी संगठन आईएसआईएस) है और हम उसे कुचल देंगे। जैसे दुनिया ने उसे नष्ट किया है, हम भी कर देंगे। इजराइल पर रॉकेट हमले करने के बाद हमास के आतंकियों ने सैकड़ों इजराइली नागरिकों को बंधक बनाया हुआ है। हमास के खिलाफ इजराइल के पीएम और विपक्षी पार्टियों ने मिलकर राष्ट्रीय आपातकाल की सरकार की स्थापना की है।

भारतीय मूल की गीतांजलि को अमेरिका की प्रथम महिला ने किया सम्मानित

वॉशिंगटन । भारतीय अमेरिकी किशोरी आविष्कारक गीतांजलि राव को देश भर में अपने समुदायों में बदलाव का नेतृत्व करने और एक उज्जवल भविष्य को आकार देने के प्रयास के लिए अमेरिका की प्रथम महिला जिल बाइडन ने सम्मानित किया है। उनके साथ 14 अन्य युवा महिला नेताओं को भी सम्मानित किया गया है। 17 वर्षीय वैज्ञानिक को अंतर्राष्टीय बालिका दिवस के मौके पर व्हाइट हाउस में आयोजित गर्ल्स लीडिंग चेंज समारोह में सम्मानित किया गया था। इस सम्मान के बाद गीताजंलि राव ने कहा, व्हाइट हाउस में गर्ल्स लीडिंग चेंज समारोह का जश्न मनाना मेरे लिए सम्मान की बात है। अन्य 14 युवा महिलाओं को सम्मानित किए जाने पर उन्होंने कहा, ये युवा महिलाएं पृथ्वी की रक्षा और संरक्षण कर रही हैं। मन बदलने के लिए ये कहानियां लिखती है और उसे साझा करती हैं और साथ ही अपने दर्द को उद्देश्य में बदलती हैं। वे पूरे देश में युवाओं का प्रतिनिधित्व करने की क्षमता रखती हैं। मैं आशा करती हूं कि उनके आविष्कार और शक्तियों से सभी सीखें। गीतांजलि राव हाइलैंड्स रेंच, कोलोराडो की एक वैज्ञानिक हैं, जिनके सीसा संदूषण का पता लगाने वाले उपकरण ने उन्हें ईपीए राष्टपति पुरस्कार और डिस्कवरी एजुकेशन/3एम द्वारा अमेरिका के शीर्ष युवा वैज्ञानिक का पुरस्कार दिलाया।

इजराइल ने सील की गाजा पट्टी

कुछ क्षेत्रों पर कब्जा, हमले के मास्टरमाइंड का घर ध्वस्त

यरूशलम ।

इजराइल की बमबारी में गाजा शहर खंडहर में तब्दील हो गया है। इजराइली वायुसेना ने 200 ठिकानों पर बम बरसाए। इजराइल पर हमले के मास्टरमाइंड हमास के सैन्य प्रमुख मोहम्मद दीफ के पिता का घर ध्वस्त कर दिया। इसमें दीफ के पिता, भाई और रिश्तेदार मारे गए। इस्लामी विश्वविद्यालय पर भी बमबारी की, जहां हमास आतंकियों को ट्रेनिंग और हथियार बनाता था। साथ ही, पूरे गाजा को टेंट सिटी बना देने की चेतावनी दी। इस बीच, हमास के खिलाफ अभियान की निगरानी के लिए पीएम बेंजामिन नेतन्याहू और विपक्ष के नेता बेनी गैंट्ज ने आपातकालीन एकता सरकार का गठन किया है। इसमें रक्षा मंत्री के साथ दो अन्य शीर्ष अधिकारी होंगे। उधर, इजराइल ने गाजा का संपर्क चारों तरफ से काट दिया है। ईंधन खत्म होने से गाजा का इकलौता बिजली संयत्र भी ठप हो गया। फलस्तीनी जान बचाने के लिए गाजा पट्टी छोड़कर भाग रहे हैं।

इजराइल के रक्षा मंत्री योव गैलंट ने कहा कि गाजा अब वह नहीं रहेगा, जो था। अभी आकाश से हमले किए हैं, अब जमीन से भी होंगे। इजराइली सेना के प्रवक्ता ले. कर्नल जोनाथन कॉनरिकस ने कहा, गाजा सीमा पर बख्तरबंद गाड़ियों व तोपखाने से लैस तीन लाख सैनिक तैनात हैं। वे आदेश मिलते ही ऑपरेशन शुरू कर देंगे। हमास की सैन्य क्षमता पूरी तरह खात्मा हमारा लक्ष्य है, ताकि भविष्य में वह खतरा न बन सके। उधर, लेबनान से भी इजराइली क्षेत्रों पर हमले जारी हैं। इजराइली सैन्य चौकी पर एंटी-टैंक मिसाइल भी दागी गई।

गाजा पट्टी पर इजराइली युद्धक विमानों की बमबारी से इमारतें मलबे में तब्दील हो गईं। लोगों को छोटे और सीलबंद क्षेत्र में सुरक्षा खोजने के लिए भेजा गया। यहां के लोग हमास के आतंकियों द्वारा शनिवार को छेड़े गए युद्ध के बाद इजराइली प्रतिशोध का गंभीर रूप से सामना करने को मजबूर हैं। मानवतावादी समूहों ने गाजा में सहायता प्राप्त करने के लिए गलियारे बनाने का अनुरोध किया और चेताया कि घायलों से भरे अस्पतालों में आपूर्ति खत्म हो रही है।

गाजा में भोजन, ईंधन और दवाओं की एंट्री पर रोक – इजराइल ने गाजा में भोजन, ईंधन और दवाओं की एंट्री रोक दी है, और सीमा पार मिस्र से एकमात्र पहुंच भी मंगलवार देर रात से बंद हो गई। इस बीच, इजराइली सेना ने गाजा पट्टी के कुछ क्षेत्रों पर अपना नियंत्रण भी स्थापित कर लिया है। यहां बड़ी तादाद में इमारतों के अवशेष हैं। गाजा सिटी में रिमल शहर का एक बड़ा हिस्सा भी पिछली रात घंटों हवाई हमलों के बाद मलबे में तब्दील हो गया। निवासियों को इमारतें आधी-अधूरी फटी हुई या कंक्रीट और सरिया के ढेर में तब्दील मिलीं।

अब तक 2,200 से ज्यादा की मौत – युद्ध में अब तक दोनों तरफ से 2,200 से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं। इजराइली सेना के प्रवक्ता जोनाथन ने कहा, 1,200 इस्राइलियों की मौत हुई है, 2,700 घायल हैं। आतंकियों ने हर शहर में भीषण कत्लेआम किया है। वहीं, फलस्तीनी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया, गाजा में 1,055 लोगों की जान गई व 5,184 लोग घायल हुए हैं।

कोई घर सुरक्षित नहीं – फलस्तीनी विदेश मंत्रालय ने कहा, इजराइल के हमले में 22,600 रिहायशी इमारतें, 10 स्वास्थ्य भवन और 48 स्कूल भवन ध्वस्त हुए हैं। गाजा में कोई भी घर सुरक्षित नहीं है।

हमास आईएसआईएस से भी बदतर – सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बर्बर हत्याओं की तस्वीर साझा करते हुए इजराइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने कहा कि हमास आईएसआईएस से भी बदतर है। इजराइली सेना ने कहा, केवल नरसंहारक आतंकी संगठन ही ऐसी भयावहता कर सकता है।

खंडहर हुआ इजराइली गांव – इजराइल में कफार अजा गांव की तरफ जाने वाली सड़क पर स्थानीय निवासियों व आतंकियों के शव बिखरे पड़े हैं। यहां रहने वाले इजराइली नागरिकों को हमास के आतंकियों ने बर्बरता से मारा। फिर इजराइली सेना ने आतंकियों को खत्म किया। पूरे गांव में शवों की गंध से प्रदूषण फैल रहा है। इजराइली मेजर जनरल इताय वेरुज ने इस गांव पर दोबारा नियंत्रण हासिल करने के बाद कहा, यह युद्ध का मैदान नहीं है। यह एक नरसंहार है। हमास के हमले में लोगों को एक ही पल में अपनी कई वर्षों की जमी-जमाई गृहस्थी छोड़कर भागना पड़ा। अश्कलन में आवासीय इमारतों पर रॉकेट गिरे, लोगों को कोई आश्रय तक नहीं मिला।

शीर्ष अदालत ने सीजेपी की शक्तियों पर नए कानून को बरकरार रखा, नवाज शरीफ के लिए बढ़ीं मुश्किलें

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान की शीर्ष अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को बड़ा झटका दिया है। दरअसल, पाकिस्तान की शीर्ष अदालत ने उस कानून को बरकरार रखा है, जिसका मकसद सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) की शक्ति को कम करना था। सीजेपी काजी फैज ईसा की अध्यक्षता वाली 15 सदस्यीय पूर्ण पीठ ने 10-5 के बहुमत से कई दिनों तक चली सुनवाई के बाद फैसला सुनाया।

तत्कालीन सीजेपी उमर अता बंदियाल की अध्यक्षता वाली आठ सदस्यीय पीठ ने इस साल अप्रैल में निवर्तमान संसद द्वारा पारित कानून के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी थी और इसे शीर्ष न्यायपालिका की आजादी के खिलाफ बताया था। उच्चतम न्यायालय अभ्यास और प्रक्रिया विधेयक 2023 कानून का सबसे उल्लेखनीय प्रावधान मुख्य न्यायाधीश के संज्ञान लेने के अधिकार को हटाना है।

कानून के मुताबिक, मुख्य न्यायाधीश और दो वरिष्ठतम न्यायाधीशों की तीन सदस्यीय पीठ पीठों के गठन और संज्ञान लेने या न लेने के बारे में फैसला करेगी। यह पहले मुख्य न्यायाधीश का एकमात्र विशेषाधिकार था। कानून के मुताबिक शीर्ष अदालत के समक्ष हर कारण, मामले या अपील की सुनवाई और निपटान मुख्य न्यायाधीश और दो वरिष्ठतम न्यायाधीशों से बनी एक समिति द्वारा गठित पीठ द्वारा की जाएगी। इसमें कहा गया है कि समिति के फैसले बहुमत से लिए जाएंगे। कानून में संज्ञान मामलों में फैसले के तीस दिनों के भीतर अपील दायर करने का अधिकार भी शामिल था।

इसमें यह भी कहा गया है कि संवैधानिक व्याख्या से जुड़े किसी भी मामले में पांच से कम न्यायाधीशों की पीठ नहीं होगी। हालांकि, पीठ ने मामूली बहुमत के साथ घोषणा की कि नया कानून पिछले फैसलों पर लागू नहीं होगा। इसका मतलब है कि यह विधेयक तीन बार प्रधानमंत्री रहे नवाज शरीफ, पूर्व प्रधानमंत्री सैयद यूसुफ रजा गिलानी और कई अन्य सांसदों को अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ अपील करने की अनुमति नहीं देगा।

भारत में खालिस्तानी आतंकियों को आश्रय दिया, खाना खिलाया; अब शख्स को कनाडा में प्रवेश की मिली अनुमति

टोरंटो ।

कनाडा में एक आव्रजन न्यायाधिकरण ने फैसला सुनाया है कि भारत में खालिस्तानी आतंकवादियों को आश्रय देने और उन्हें खिलाने वाले एक सिख व्यक्ति को देश में प्रवेश की अनुमति दी जानी चाहिए। न्यायाधिकरण ने कहा कि उसने जरूरत और प्रतिशोध के डर से ऐसा किया था। आव्रजन एवं शरणार्थी बोर्ड न्यायाधिकरण के सदस्य हेदी वोर्सफोल्ड ने हाल ही में एक फैसले में कहा कि सरकार के पास भारतीय नागरिक कमलजीत राम को कनाडा में प्रवेश के लिए अमान्य घोषित करने का उचित आधार नहीं है। अखबार ने कहा कि आव्रजन न्यायाधिकरण ने फैसला सुनाया कि एक दशक से अधिक समय तक भारत में सशस्त्र खालिस्तानी आतंकवादियों को रखने और उन्हें खिलाने वाले सिख व्यक्ति को कनाडा में प्रवेश की अनुमति दी जानी चाहिए, क्योंकि उसने ऐसा ज्यादातर जरूरतों के कारण और प्रतिशोध के डर से किया था।

संघीय सरकार द्वारा राम को कनाडा से प्रतिबंधित करने का फैसला तब आया, जब उसने एक साक्षात्कार के दौरान कनाडा सीमा सेवा एजेंसी के अधिकारियों को बताया कि उसने 1982 और 1992 के बीच भारत में

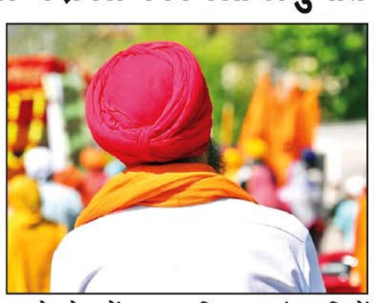

अपने खेत में सशस्त्र सिख आतंकवादियों को शरण दी थी और उन्हें खिलाया था।

ब्रिटिश कोलंबिया में 18 जून को खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंटों की संभावित संलिप्तता के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों के बाद भारत और कनाडा के बीच कूटनीतिक गतिरोध के बीच यह फैसला आया है। निज्जर की दो नकाबपोश बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। भारत ने 2020 में निज्जर को आतंकवादी घोषित किया था। भारत ने पिछले महीने कनाडा से कहा था कि वह अपनी जमीन से अवैध गतिविधियों को चला रहे आतंकवादियों और भारत विरोधी तत्वों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करे।

अमेरिका ने दो दिनों में दूसरा विमानवाहक पोत इजराइल भेजा, यूएसएस आइजनहावर भूमध्यसागर पहुंचा

येरूशलम ।

अमेरिकी नौसेना के विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड कैरियर स्ट्राइक ग्रुप के पूर्वी भूमध्य सागर पहुंचने के बाद यूएसएस ड्वायट आइजनहावर विमानवाहक पोत भी भूमध्यसागर पहुंच चुका है। व्हाइट हाउस के प्रमुख अधिकारी जॉन किर्बी ने इस बात की जानकारी दी है। यूएसएस आइजनहावर विमानवाहक पोत भूमध्यसागर पहुंचा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए जॉन किर्बी ने कहा, भूमध्य सागर में दूसरे विमानवाहक पोत की तैनाती को लेकर कोई परिचालन निर्णय नहीं लिया गया था। उन्होंने बताया कि यूएसएस ड्वायट आइजनहावर विमानवाहक पोत उस दिशा में जा रहा था।

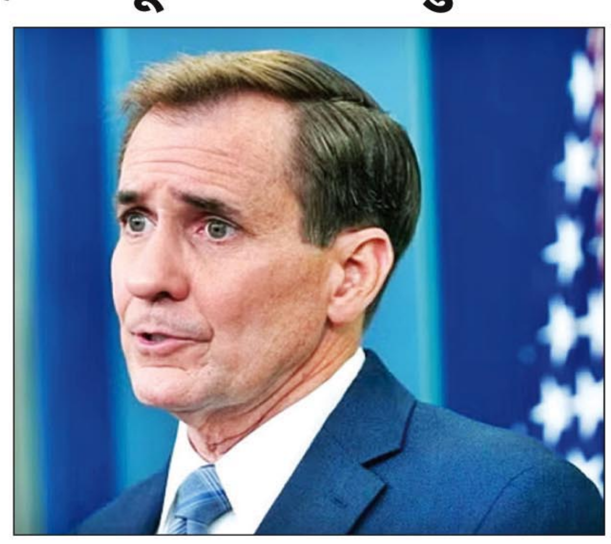

उन्होंने आगे कहा, जैसा कि आपको मालूम है, विमानवाहक पोत यूएसएस गेराल्ड आर फोर्ड फिलहाल भूमध्य सागर में है। वह पहुंचा था। ये विमानवाहक किसी भी संगठन, समूह, आतंकवादी नेटवर्क या इजराइल के प्रति शत्रुतापूर्वक इरादों को अंजाम देने के तरीकों के निवारक के उद्देश्य से वहां मौजूद है।

यूएसएस जॉर्ज वॉशिंगटन और एचएमएस प्रिंस ऑफ वेल्स को तैनाती के लिए तैयार किए जाने के सवाल पर किर्बी ने कहा, मुझे इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। मैं आपको इस पर बात करने के लिए रक्षा विभाग के पास भेजूंगा। बता दूं कि आइजनहावर को इस क्षेत्र में तैनात करने के लिए लंबे समय से तैयार किया जा रहा था। इजराइल-हमास संघर्ष में अबतक इजराइल की तरफ से 1200 के करीब नागरिकों की मौत हो चुकी है। हमास के आतंकियों ने सैकड़ों के करीब इजराइली नागरिकों को बंधक बना रखा है।

क्या है होलोकॉस्ट, जिसे बाइडन ने याद किया

हिटलर के यहूदियों पर जुल्म का सबसे खौफनाक इतिहास

वॉशिंगटन ।

इजराइल और हमास के बीच शुरू हुई लड़ाई अभी भी जारी है। आतंकी संगठन हमास के हमले ने जहां दुनिया में तहलका मचा दिया है, वहीं दूसरी ओर अमेरिका समेत कई देश इस हमले की निंदा कर रहे हैं। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने हमास के हमलों को बेहद क्रूर बताया है। बाइडन ने कहा कि उनका मानना है कि यहूदी नरसंहार (होलोकॉस्ट) के बाद यह यहूदियों के लिए सबसे घातक दिन है। आइये जानते हैं कि आखिर क्या था होलोकॉस्ट जिसका जिक्र बाइडन ने किया

पहले जानते हैं बाइडन ने कहा क्या – राष्ट्रपति बाइडन ने व्हाइट हाउस में यहूदी नेताओं की गोलमेज बैठक को सम्बोधित किया। बाइडन ने कहा कि उन्होंने फिर से इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से बात की। इस दौरान उन्होंने

इस बात पर जोर दिया कि इजराइल को कोई भी कार्रवाई युद्ध के नियमों के अनुसार करनी चाहिए। बाइडन ने कहा, मैं नेतन्याहू को 40 वर्षों से जानता हूं। हमारे बीच बहुत ही स्पष्ट रिश्ता है। एक बात जो मैंने कही है कि वास्तव में महत्वपूर्ण है कि इजराइल सभी गुस्से और हताशा में भी युद्ध के नियमों के अनुसार अपने कदम उठाए। बाइडन ने आगे कहा, मेरा मानना है कि इजराइली सरकार देश को एकजुट करने के लिए अपनी पूरी ताकत के साथ सब कुछ कर रही है और अमेरिका भी इजराइल की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अपनी ताकत से मदद कर रहा है। मैं मानता हूं कि यहूदी नरसंहार (होलोकॉस्ट) के बाद यह यहूदियों के लिए सबसे घातक दिन है।

अब जानते हैं होलोकॉस्ट क्या था – द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजियों ने लगभग 60 लाख यूरोपीय यहूदियों की हत्या कर दी थी। इसी नरसंहार को होलोकॉस्ट कहा जाता है। होलोकॉस्ट को समूचे यहूदी लोगों को जड़ से खत्म कर देने का सोचा-समझा और योजनाबद्ध प्रयास बताया जाता है। दरअसल, नेशनल सोशलिस्ट जर्मन वर्कर्स पार्टी को नाजी कहा जाता था। नाजी पार्टी जर्मनी में एक राजनीतिक पार्टी थी जो 1919 में प्रथम विश्व युद्ध के बाद स्थापित हुई थी। यह पार्टी 1920 के दशक में बहुत लोकप्रिय हुई, क्योंकि उस समय जर्मनी प्रथम विश्व युद्ध के खत्म होने के बाद गंभीर राजनीतिक संकट से गुजर रहा था। जर्मनी युद्ध हार गया था और विजेताओं को बहुत सारे पैसे देने के लिए मजबूर किया गया था और अर्थव्यवस्था बेहद बुरे दौर में थी। जर्मनी के अधिकतर लोग गरीबी में जीवन यापन कर रहे थे। उस समय लोग बदलाव की आशा के कारण नाजी पार्टी की तरफ अग्रसर हुए। नाजी नस्लवादी थे उनका मानना था कि जर्मन पूरी दुनिया में सबसे श्रेष्ठ हैं। ये यहूदियों के घोर विरोधी थे जिसका असर इनकी सभी नीतियों और कार्यों पर पड़ा। 1921 में इस पार्टी का नियंत्रण हिटलर के हाथ में गया। 1933 में जर्मनी में सत्ता संभालने के बाद से नाजियों ने जर्मन यहूदियों को मानव और नागरिक अधिकारों से वंचित करने के लिए दुष्प्रचार, उत्पीड़न और कानून का इस्तेमाल किया।

कांग्रेस ने राज्य को विकास में पिछड़ा व महंगाई में अव्वल बनाया : शेखावत

अजमेर (हिंस)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राज्य की गहलोत सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल में इस सरकार ने राजस्थान को विकास में पिछड़ा और महंगाई, भ्रष्टाचार और महिला अत्याचार में अव्वल बना दिया है। इन चुनावों में जनता इस सरकार को उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। शेखावत गुरुवार को अजमेर के दौरे पर थे। इस दौरान पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह सरकार चुनाव के समय झूठी घोषणाएं करके कांग्रेस सत्ता में आई, लेकिन किसानों के साथ छलावा किया। उनके ऋण माफ नहीं किए। युवाओं को बेरोजगारी भत्ता नहीं दिया। महिला सुरक्षा में विफल रही। सरकार बनने के बाद साढ़े चार साल तक किस्सा कुर्सी का खेल चलता रहा। इस संघर्ष के चलते राज्य के सात करोड़ से ज्यादा लोग परेशान होते रहे। शेखावत ने कहा कि जब तक यहां भाजपा की डबल इंजन की सरकार थी। प्रदेश प्रगति के हर पथ पर आगे रहा, लेकिन कांग्रेस सरकार आने के बाद राजस्थान विकास के हर पैरामीटर में निचले पायदान पहुंच गया, जबकि महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और महिलाओं के प्रति अपमानजनक व्यवहार में नंबर वन पर पहुंच गया। कभी राजस्थान देश की सांस्कृतिक

राजधानी हुआ करती थी। आज यह अपराध की राजधानी बन गई। आठ हत्याएं और अट्ठारह बलात्कार रोज हो रहे हैं। दलित उत्पीड़न हो रहा है। आज अपराध दो सौ प्रतिशत बढ़े हैं। शेखावत ने कहा कि सत्तारूढ़ दल के विधायकों के सरंक्षण में यहां अपराध और भ्रष्टाचार पनपा। यदि भ्रष्टाचार के मामलों की सही ढंग से जांच हो तो इस सरकार के कितने ही मंत्री और अधिकारी जेल में होंगे। प्रदेश में गहलोत सरकार के राज में गैंगवार चरम पर पहुंच गया। माइनिंग माफिया, शराब माफिया, बजरी माफिया, भूमाफिया और डीजल माफिया आदि पनप गए। राजस्थान को बलात्कारी प्रदेश की पहचान देने का पाप इस गहलोत सरकार ने किया है। बढ़ते बलात्कार के मामलों में जब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से पूछा गया तो वे कभी कहते हैं कि राजस्थान में केस ज्यादा रजिस्टर्ड होते हैं, इसलिए ये हो रहा है। फिर कहने लगे सबसे ज्यादा रैप रिश्तेदार करते हैं। गहलोत सरकार के सबसे वरिष्ठ कैबिनेट मंत्री शांतिलाल धारीवाल ने तो विधानसभा में राजस्थान की प्रतिष्ठा पर कालिख पोतने का काम किया। उन्होंने विधानसभा में कहा कि राजस्थान मर्दों का प्रदेश है, इसलिए यहां बलात्कार ज्यादा होते हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सरकार भ्रष्टाचार के कारनामों से इतनी डरी हुई है कि जब इस सरकार के बर्खास्त मंत्री विधानसभा में लाल डायरी के पन्ने दिखा रहे थे, तब उस डायरी को पकड़ने के लिए इसके मंत्री व विधायक दौड़ और डायरी को हथियाने के लिए लात घूंसे भी चलाने लगे। आखिर यह सरकार लाल डायरी से इतनी डरी हुई क्यों है? अभी तो भ्रष्टाचार की ऐसी न जाने कितनी डायरी और दबी हुई है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह सरकार युवा विरोधी है। बेरोजगारी भत्ता नहीं दिया। उल्टा पेपर लीककर युवाओं का भविष्य अंधकार में कर दिया। पहले मुख्यमंत्री गहलोत कहते थे कि पेपर लीक में कोई नेता और अधिकारी नहीं है, लेकिन बाद में अधिकारी भी आए और नेता भी। आरपीएससी के मेंबर भी जेल में है। अभी तो ईडी की जांच शुरू हुई है। जांच आगे बढ़ेगी तो कई सफेदपोश कांग्रेसी जेल के पीछे होंगे। शेखावत ने कहा कि इस सरकार ने प्रदेश को तुष्टिकरण की नीति के चलते सांप्रदायिक आग मे झौंका गया। मोदी जी मंदिर में बना रहे। ये मंदिर तोड़ रहे। शिवालय तोड़ रहे। इसके चलते सांप्रदायिक ताकतों के हौसले बुलंद हो गए और उदयपुर में कन्हैयालाल हत्याकांड जैसा जघन्य अपराध हुआ। तुष्टिकरण की हालत यह है कि सरकार जयपुर में एक संप्रदाय विशेष के युवक की झगड़े में मौत पर उसके परिजनों को तुरंत पचास लाख रुपए दे देती है, जबकि गैंगवार में दो दलित युवकों की मौत पर कोई प्रसंज्ञान नहीं लेती। शेखावत ने कहा कि गहलोत सरकार के राज में केंद्र सरकार की योजनाओं पर काम नहीं हुआ। जल जीवन मिशन में तीस हजार करोड़ दिए, लेकिन काम के मामले में पूरे देश में नीचे से तीसरे नंबर पर है राज्य। मिशन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गया। भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है। राजस्थान को कर्ज के गर्त में धकेल दिया। जनता इस सरकार को हटाने के लिए एक एक दिन गिन रही है। भ्रष्टाचारी, नाकारा निकम्मी सरकार और माफिया को पनपाने वाली सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए लोग तैयार है। राज्य में भाजपा के टिकटों की पहली सूची जारी होने के बाद हो रहे विरोध के मामले में उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं की उम्मीद है कि प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी।

पंजाब के पांच नगर निगमों में 15 नवंबर से पहले होंगे चुनाव

चंडीगढ़ (हिंस)। राज्यपाल की स्वीकृति के बाद पंजाब सरकार ने चुनाव आयोग को प्रदेश में निगम चुनाव करवाने के लिए रजामंदी दे दी है। राज्य में 15 नवंबर से पहले-पहले चुनाव होने हैं। ऐसे में अब आयोग किसी भी समय चुनाव का ऐलान कर सकता है। पंजाब के अमृतसर, जालंधर, लुधियाना, पटियाला और फगवाड़ा नगर निगमों में चुनाव प्रस्तावित हैं। स्थानीय निकाय विभाग की तरफ से गुरुवार को इस संबंध में चुनाव आयोग को पत्र लिखकर सूचित कर दिया गया है। राज्यपाल पंजाब बनवारी लाल पुरोहित ने पंजाब सरकार को यह चुनाव 15 नवंबर से पहले करवाने के लिए कहा था, जिसके बाद अब लोकल बॉडी ने भी चुनाव आयोग को यह चुनाव 15 नवंबर से पहले करवाने के लिए कहा है। लोकल बॉडी की तरफ से जारी पत्र के अनुसार अमृतसर, जालंधर, लुधियाना, पटियाला और फगवाड़ा में सरकार को 15 नवंबर से पहले चुनाव करवाने होंगे, जिसमें अब एक महीने का समय ही रह गया है। पंजाब के अमृतसर, जालंधर, लुधियाना व पटियाला में जनवरी, 2023 से यह चुनाव लंबित हैं, जबकि फगवाड़ा को नगर निगम बनाए जाने के बाद अभी तक चुनाव हुए ही नहीं हैं। वार्ड बंदी का काम पूरा न होने के कारण चुनाव में देरी हो रही थी।

चंडीगढ़ की 50 छात्राओं के फोटो एडिट कर इंटरनेट पर डाले, केस दर्ज

चंडीगढ़ (हिंस)। चंडीगढ़ के एक प्रतिष्ठित स्कूल की 50 से अधिक छात्राओं के फोटो एडिट करके सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया। गुरुवार को स्कूल में छात्राओं के परिजनों ने हंगामा किया इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। बताया जाता है कि कुछ छात्राओं के परिजनों को जब इस बारे में पता चला तो उन्होंने मंगलवार की शाम स्कूल प्रबंधक से जुड़े लोगों को सूचित किया। इस बारे में प्रबंधकों के कोई कार्रवाई नहीं किए जाने से गुस्साए परिजनों ने गुरुवार को स्कूल में हंगामा किया। पुलिस ने जब मामले की जांच करवाई तो पता कि 50 से अधिक छात्राओं की फोटो आर्टपिशयल इंटेलीजेंस के माध्यम से एडिट करके स्नैप चैट व अन्य प्लेटफार्म पर अपलोड किया गया है। शुरुआती जानकारी के मुताबिक छात्राओं की यह फोटो स्कूल की वेबसाइट से ही डाउनलोड की गई। इसके बाद इन्हें एडिट कर अश्लील बना दिया गया। मामला 10 अक्तूबर का बताया जा रहा है। एक लड़की के पिता छुट्टी के समय उसे स्कूल लेने गए थे। वह लड़की वहां पर मायूस होकर रोने लग रही थी। जब पिता ने इसकी वजह पूछी तो उसने बताया कि सीनियर्स का एक स्नैपचैट पोर्टल है। उस पोर्टल पर उसके अलावा कई अन्य लड़कियों की आपत्तिजनक तस्वीरें शेयर की गई है। चंडीगढ़ की एसएसपी कंवरदीप कौर ने बताया कि चंडीगढ़ पुलिस के साइबर सेल ने इस स्नैपचैट आईडी को इंटरनेट से हटा दिया है। पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

रितु बाहरी कल संभालेंगी पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट की चीफ जस्टिस का कार्यभार

चंडीगढ़ (हिंस)। भारत की राष्ट्रपति की स्वीकृति के बाद केंद्रीय विधि एवं न्याय विभाग ने पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट की जस्टिस रितु बाहरी को हाईकोर्ट का चीफ जस्टिस नियुक्त किया है। वर्तमान चीफ जस्टिस रवि शंकर झा 13 अक्तूबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इसके बाद जस्टिस रितु बाहरी 14 अक्तूबर से इस पद पर आसीन होंगी। रितु बाहरी लंबे समय से पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट में बतौर न्यायाधीश सेवारत हैं।

रोहतक में आशा वर्कर्स पर लाठी चार्ज के विरोध में कैथल में फूंका मुख्यमंत्री का पुतला

कैथल (हिंस)। रोहतक में बुधवार को आशा वर्कर्स पर लाठी चार्ज और उन्हें जेल भेजने के विरोध में गुरुवार को जिला भर की आशा वर्कर्स ने प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री का पुतला फूंका। लघु सचिवालय के बाहर प्रदर्शन के दौरान आशा वर्कर्स यूनियन की जिला सचिव कविता राणा व चरणजीत कौर ने कहा कि कल रोहतक मे आशा वर्कर्स अपनी मांगो का ज्ञापन देश के गृहमंत्री को देना चाहती थी, क्योंकि हरियाणा सरकार उनकी 65 दिन की हड़ताल होने के बावजूद भी सुनवाई नहीं कर रही थी। उन्होंने रोहतक प्रशासन से यह भी अपील की थी कि उनके 2-3 प्रतिनिधियों के माध्यम से ज्ञापन दिलवा दिया जाए, लेकिन उनकी न सुनकर पुलिस प्रशासन ने उन पर बर्बरतापूर्ण कारवाही की। उन्हें

घसीट- घसीट कर बसों में ठूंसा गया व गिरफ्तार करके जेल मे डाल दिया गया। रात के नौ बजे के लगभग छोड़ा गया। उनके छोटे- छोटे बच्चे घरों में कुलबुलाते रहे। बड़े बुजुर्गों का भी ख्याल न करते हुए परेशान किया गया। उन्होंने कहा इस प्रकार की घिनौनी कार्यवाहियों से आंदोलन नही रुकेगा। यूनियन की रीना खेड़ी, ममता सिरसल, अनीता पाई, रीटा हाबड़ी, सरोज प्रकाशो कौल, सुमन उषा क्योड़क, कविता कांगथली ने कहा कि वर्तमान हरियाणा सरकार अब तक की सारी सरकारों से बढ़कर महिला व जनविरोधी साबित हुई है। इस सरकार का जनतंत्र मे कोई विश्वास नहीं है। इस अवसर पर प्रदर्शन को किसान नेता सतपाल आनंद, गुरनाम व रमेश ने भी संबोधित किया।

संघ प्रमुख भागवत आज से 15 अक्तूबर तक जम्मू-कश्मीर के प्रवास पर

जम्मू (हिंस)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत 13 से 15 अक्तूबर तक जम्मू-कश्मीर के प्रवास पर रहेंगे। तीन दिवसीय इस प्रवास के दौरान डॉ. भागवत कई सांगठनिक बैठकों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। संघ के पूर्व प्रांत कार्यवाह पुरुषोतम दधिवि और सह प्रांत कार्यवाह अवतार कृष्ण तरकरू ने गुरुवार को हिंदुस्थान समाचार को बताया कि डॉ. भागवत 13 अक्तूबर को शाम जम्मू पहुंचेंगे। वह 14 अक्तूबर को संघ के विभिन्न संगठनों की समन्वय बैठक और प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक में मौजूद रहेंगे। डॉ. भागवत 15 अक्तूबर को कठुआ जिले में स्थित स्टेडियम में कठुआ विभाग के स्वयंसेवकों के एकत्रीकरण कार्यक्रम को संबोधित करेंगे।

ट्रेन में मान्य नहीं होता ऑनलाइन वेटिंग टिकट

जैसलमेर (हिंस)। रेलवे ने दोहराया है कि ऑनलाइन वेटिंग टिकट धारक यात्रियों को ट्रेन की किसी भी श्रेणी में यात्रा करने की अनुमति नहीं है। ऑनलाइन वेटिंग लिस्ट टिकट वाले यात्रियों को ट्रेन में पकड़े जाने पर बिना टिकट माना जाएगा। उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल के सीनियर डीसीएम विकास खेड़ा ने बताया कि हालांकि यात्री अपनी सुविधा के लिए आईआरसीटीसी के माध्यम से ज्यादातर ऑनलाइन (ई-टिकट) आरक्षण करवाते हैं मगर ऐसे यात्रियों को इस बात की जानकारी रखनी होगी कि ई-टिकट वेटिंग में रह जाने पर उनको ट्रेन में यात्रा का अधिकार नही है। उन्होंने बताया कि वेटिंग लिस्ट वाले ई-टिकट के धन वापसी की प्रक्रिया चार्ट तैयार होने के बाद प्रारंभ हो जाती है तथा इसका रिफंड उस आई डी में तीन से चार दिनों में हो जाता है जिससे यात्री ने ऑनलाइन ट्रांजेक्शन किया था। उन्होंने बताया कि वेटिंग लिस्ट वाले ई - टिकट पर यात्री को ट्रेन की किसी भी श्रेणी में यात्रा करने की अनुमति नहीं है और इसके बावजूद यात्री इस टिकट पर ट्रेन में यात्रा करते पाया जाता है तो टीटीई उसे बिना टिकट यात्री मानकर निर्धारित किराया व जुर्माना राशि लेकर चार्ज कर सकता है। खेड़ा ने जानकारी दी कि कई बार ज्यादा भीड़भाड़ या त्योहारी सीजन होने के कारण लोग इस उम्मीद में भी ई-टिकट खरीद लेते है कि वह कंर्फम हो जाएगा अथवा सीट उपलब्ध होने पर टीटीई उस टिकट पर सीट दे देगा लेकिन ऑनलाइन वेटिंग टिकट स्वत: ही रद्द हो जाता है ।

भारत व सनातन ही विश्व शांति की गारंटी देता है : सीएम योगी आदित्य नाथ

रोहतक (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं नाथ संप्रदाय के राष्ट्रीय अध्यक्ष योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सभी मतों व संप्रदायों का लक्ष्य सनातन को पुनर्स्थापितकरना है। उन्होंने श्रीबाबा मस्तनाथ मठ की धरती को साधना स्थली की संज्ञा देते हुए कहा कि इस पवित्र भूमि पर नाथ संप्रदाय के विभिन्न महंतों ने तपस्या कर लोगों के कल्याण के लिए हमेशा कार्य किया है तथा यह मठ निरंतर मानव कल्याण के कार्य में लगा हुआ है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का निर्माण निर्माण जारी है। हमें अपना कर्म करना चाहिए। भगवान कर्म का फल अवश्य देते है। योगी आदित्य नाथ ने कहा कि समूचा विश्व इस चुनौतीपूर्ण समय में आशा भरी निगाहों से भारत की ओर देख रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सभी देशों को मानव कल्याण व शांति की हमेशा आस लगी है। भारतवासियों में सभी चुनौतियों से जूझने का जज्बा है। सनातन के लिए लोक कल्याण व राष्ट्र कल्याण ही सर्वोपरि है। नाथ संप्रदाय में सभी जातियों एवं धर्मों का समावेश है। सनातन कभी भी जाति, मत व पंथ का भेदभाव नहीं करता है। महंत बाबा बालक नाथ इस मठ के माध्यम से नाथ संप्रदाय के मूल्यों को बखूबी आगे बढ़ा रहे है। योग गुरु स्वामी रामदेव ने कहा कि योग परंपरा नाथ संप्रदाय की ही देन है। नाथ संप्रदाय ने सभी जातियों व सभी संस्कृतियों का समावेश है। नाथ संप्रदाय के पास अनेक सिद्धियां है। उन्होंने कहा कि श्री बाबा मस्तनाथ मठ गुरु-शिष्य परंपरा का प्रतिरूप है। उन्होंने इस मठ को सनातन का गौरवकाल बताया। उन्होंने कहा कि श्रीबाबा मस्तनाथ मठ में अनेक महंतों ने कठिन तपस्या की है। कार्यक्रम के आयोजक एवं अलवर के लोकसभा सांसद महंत बाबा बालक नाथ ने कार्यक्रम में पहुंचे मुख्यातिथि एवं विशिष्ट अतिथियों व संतजनों का स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें यह अनुभूति हो रही है।

ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने 16 अक्तूबर तक बढ़ाई हड़ताल

फतेहाबाद (हिंस)। प्रदेश में अपनी मांगों को लेकर 72 घंटों की हड़ताल पर गए ग्रामीण सफाई कर्मचारियों ने बातचीत द्वारा समस्याओं का समाधान न होने पर हड़ताल को 16 अक्तूबर तक जारी रखने का फैसला लिया है। हड़ताल के दौश्रान ग्रामीण सफाई कर्मचारी ब्लाक स्तर पर धरना प्रदर्शन करेंगे। यह बात ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के महासचिव विनोद कुमार ने गुरुवार को बीडीपीओ कार्यालय में धरना दे रहे ग्रामीण सफाई कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कही। ग्रामीण सफाई कर्मचारी यूनियन के जिला सचिव बेगराज व कोषाध्यक्ष हरपाल सिंह ने कहा कि पिछले 3 दिन से हरियाणा के 22 जिलों के 11 हजार ग्रामीण सफाई कर्मचारी हड़ताल करके स्थाई रोजगार और समान वेतन के लिए लड़ रहे हैं। हड़ताली सफाई कर्मियों को किसान, मजदूर, कर्मचारी संगठनों, राजनैतिक दलों और सरपंच एसोसिएशन सहित चुने हुए प्रतिनिधियों ने अपना समर्थन दिया है लेकिन

सरकार ने अभी तक वार्ता की कोई पहल नहीं की। इससे जाहिर होता है कि यह सरकार दलित और सफाई कर्मचारी हितैषी होने का ढोंग कर रही है। पंचायत मंत्री देवेंद्र बबली द्वारा हड़ताल ना करने की अपील पर टिप्पणी करते हुए यूनियन महासचिव विनोद कुमार ने कहा कि सिर्फ अपील से गुजारा नहीं होने वाला, बातचीत में पहले से जो सहमतियां बन चुकी हैं, सरकार उनका पत्र जारी करे और 17 साल बेगार और शोषण की मार झेल रहे सफाई कर्मचारियों को नीति बनाकर पक्का किया जाए। तभी सफाई कर्मियों का कल्याण और भला हो सकता है।

सनातन के बयान पर घमंडिया गठबंधन चुप क्यों : दीप्ति

उदयपुर (हिंस)। वर्तमान राजस्थान सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। चाहे वह महिला सुरक्षा हो, पेपर लीक मामला हो, युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने की बात हो या महिलाओं को पेंशन, बिजली एवं पेट्रोल डीजल की दरों से आम जनता को राहत देने के दावे हों, सभी ओर से आमजन परेशान हैं। भाजपा महिला मोर्चा की राष्ट्रीय महामंत्री एवं जिला प्रवासी प्रभारी दीप्ति रावत ने गुरुवार को प्रेस वार्ता में कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार राजस्थान महिला उत्पीड़न में देश में शीर्ष स्थान पर है। कांग्रेस के पांच वर्ष के शासन में दो लाख महिला उत्पीड़न एवं 30 हजार महिला दुष्कर्म की एफआईआर दर्ज हुई। इसी से अनुमान लगाया जा सकता है कि यह सरकार कैसे चल रही है।

कभी बकरी चराती हुई बच्ची से दुष्कर्म करके जला देना, कही गर्भवती महिला को निर्वस्त्र करके घुमाना, हाल ही में प्रतापगढ़ जिले में दो बच्चियों के आत्महत्या का प्रकरण, उदयपुर जैसे शांत शहर में सरकार की लापरवाही से कन्हैया लाल की गला काटकर हत्या करने जैसी घटनाए राज्य की कानून-व्यवस्था की गवाही दे रही है। राज्य में मंदिरों एवं तोरण द्वार को तोड़ा जा रहा है, राज्य में तुष्टीकरण चरम सीमा पर है। राजस्थान सरकार के कुशासन को जनता आने वाले चुनाव में जवाब देगी एवं सबक सिखाएगी। विपक्षी गठबंधन पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि उदय स्टालिन का वक्तव्य देखिये, वह सनातन मिटाने का दावा कर रहा है, जिस पर पूरा विपक्ष चुप है। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री भैरोसिंह शेखावत के कार्यकाल को याद करते हुए अंत्योदय योजना, पंचायत राज एवं महिलाओं की सुरक्षा का जिक्र किया, केंद्र में मोदी सरकार की जल मिशन योजना, किसान नीति, उज्ज्वला योजना, हर घर इज्जतघर आदि जन लाभार्थी योजनाओं का वर्णन किया। चुनाव में भाजपा के मुद्दों के सवाल पर उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी अपने कार्यों, जनहितैषी नीतियों, सुशासन एवं विकास का रोड मैप लेकर उतरेगी जिनके उदाहरण भाजपा शासित राज्य हैं, भाजपा में छोटे से छोटे कार्यकर्ता का भी महत्व है किसी की भी उपेक्षा नहीं की जाती है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रवींद्र श्रीमाली, ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, जिला प्रभारी बंशीलाल खटीक, जिला महामंत्री डॉ. किरण जैन, गजपाल सिंह राठौड़, पूर्व सभापति एवं प्रदेश प्रतिनिधि युधिष्ठिर कुमावत उपस्थित थे।

अग्रसेन जयंती को राष्ट्रीय पर्व घोषित करने की मांग

फतेहाबाद (हिंस)। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा की प्रदेश इकाई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अग्रसेन जयंती को राष्ट्रीय पर्व घोषित करने की मांग की है। अग्रवाल समाज पिछले लम्बे समय से अग्रसेन जयंती को राष्ट्रीय पर्व घोषित करने की मांग करता रहा है। हरियाणा सरकार ने तो पिछले लंबे समय से इस जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया हुआ है लेकिन केंद्र सरकार ने अभी तक इस पर्व को राष्ट्रीय पर्व घोषित नहीं किया है, जिसको लेकर अग्रवाल समाज पिछले लम्बे समय से प्रयासरत है। अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार गोयल का कहना है कि महाराजा अग्रसेन पहले ऐसे महापुरूष हुए हैं, जिन्होंने एक रूपया एक ईंट के संदेश के साथ पूरी दुनिया को समाजवाद का पाठ पढ़ाया। उनके राज्य में जो भी जरूरतमंद बसने के लिए आता था, उन्हें अग्रोहा का हर परिवार एक रुपया एक ईंट देकर अपने बराबर का बना लेता था। ईंटों से जहां वह जरूरतमंद अपना मकान बना लेता था वही रुपयों से अपना काम धंधा शुरू कर लेता था। समाज के गरीब तबके को अपने बराबर का बनाने को ही समाजवाद का नाम दिया गया है।

समस्याओं का समाधान न हुआ तो 18 को होगी रोडवेज में हड़ताल

हिसार (हिंस)। हरियाणा रोडवेज कर्मचारी सांझा मोर्चा ने चेताया है कि यदि महाप्रबंधक ने वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की मध्यस्थता से मोर्चा को दिए गए समय के अनुसार डिपो स्तर की मांगों व समस्याओं का हल नहीं किया तो 18 अक्तूबर को एक दिन की हड़ताल की जाएगी। मोर्चा ने कहा है कि महाप्रबंधक के रवैये को देखते हुए लगता नहीं कि इस अवधि तक काम हो पाएगा, क्योंकि महाप्रबंधक की बातचीत से या काम करके समस्याओं का समाधान करने में रूचि ही नहीं है। इस संबंध में डिपो प्रांगण में गुरुवार को सांझा मोर्चा की बैठक हुई, जिसमें ताजा स्थिति पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक के बाद मोर्चा के वरिष्ठ सदस्य अजय दुहन, नरेंद्र खरड़, अमित जुगलान, राजकुमार चौहान व सुरेश स्याहड़वा ने संयुक्त बयान में कहा कि महाप्रबधक ने एसडीएम डॉ. जयबीर यादव की मध्यस्थता से 17 अक्तूबर तक मांगों व समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया था। यदि इस अवधि तक काम नहीं होता है तो 18 को सांझा मोर्चा के आह्वान पर एक दिन की हड़ताल होगी, जिसे अनिश्चितकालीन हड़ताल में भी तब्दील किया जा सकता है। महाप्रबंधक की कार्यशैली से हिसार डिपो का एक-एक कर्मचारी दुखी और परेशान है। डिपो स्तर पर काफी लंबे समय से सांझा मोर्चा महाप्रबंधक से समस्याओं का हल करवाने के लिए संघर्षरत है। अब हिसार डिपो के सभी कर्मचारियों व पदाधिकारियों में इस बात से रोष है कि महाप्रबंधक कर्मचारियों को परेशान करने के सिवाय कुछ नहीं कर रहे हैं। बैठक में नरेंद्र शर्मा, अरुण शर्मा, नरेंद्र सोनी, जितेंद्र शर्मा, बलवान ठाकुर, दयानंद सरसाना, पवन बूरा, सुभाष ढिल्लो, भागीरथ शर्मा और सभी संगठनों के सभी पदाधिकारी मौजूद रहे।

बीएसएफ की 52वीं अंतर सीमांत सपोर्ट वेपन शूटिंग प्रतियोगिता का समापन

जैसलमेर (हिंस)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर स्थित सरहदी जिले जैसलमेर की किशनगढ़ फिल्ड फायरिंग रेंज में चल रही सीमा सुरक्षा बल की चार दिवसीय 52वीं अंतर सीमांत सपोर्ट वेपन शूटिंग प्रतियोगिता का समापन गुरुवार को हुआ। सीमा सुरक्षा बल देश की प्रथम रक्षा पंक्ति के रूप में जानी जाती है और इस बल में तोपखाने का एक विशेष महत्व है। इस प्रतियोगिता का आयोजन प्रति वर्ष किशनगढ़ फील्ड फायरिंग रेंज में होता है, जो जवानों के मनोबल और बल कौशल को बढ़ाने में अत्यंत महत्वपूर्ण साबित हुई है। चार दिवसीय इस प्रतियोगिता का आयोजन नौ से बारह अक्तूबर 2023 के दौरान हुआ जिसमे सीमा सुरक्षा बल के 11 सीमांत के चुनिंदा जवानों ने भाग लिया तथा 81 एम एम मोर्टार

व मीडियम मशीन गन से बेहद सटीक निशानेबाजी के द्वारा अपने बेहतर युद्धकौशल का परिचय दिया। 81 एमएम मोर्टार प्रतियोगिता में सीमांत मुख्यालय राजस्थान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं सीमांत मुख्यालय नॉर्थ बंगाल ने द्वितीय स्थान एवं सीमांत मुख्यालय जम्मू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार मीडियम मशीन गन प्रतियोगिता में सीमांत मुख्यालय नॉर्थ बंगाल ने प्रथम, सीमांत मुख्यालय गुजरात द्वितीय स्थान एवं सीमांत मुख्यालय राजस्थान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पूरी प्रतियोगिता में सर्वोच्च स्थान सीमांत मुख्यालय नॉर्थ बंगाल ने प्राप्त किया तथा राजस्थान द्वितीय स्थान पर रहा। दोनों श्रेणी में सभी विजेता टीमों को मुख्य अतिथि द्वारा ट्रॉफी व मेडल भेंट कर पुरस्कृत किया गया। समापन समारोह को संबोधित करते हुए महानिरीक्षक पुनीत रस्तोगी ने सपोर्ट वेपन शूटिंग प्रतियोगिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सीमा सुरखा बल में जवानो के साहस, युद्ध कौशल एवं निपुणता की प्रशंसा करते हुए इस प्रतियोगिता की भूमिका की सराहना की एवं जवानों की हौंसला अफजाई की।

सीतारमण ने मोरक्को में अमेरिकी वित्त मंत्री के साथ की बैठक, आईएमएफ की नीतिगत प्राथमिकताओं पर चर्चा

मोरक्को ।
केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आईएमएफ की नीतिगत एवं इसकी सदस्यता विषय पर आयोजित एक गोलमेज चर्चा में शिरकत की। इस बैठक की मेजबानी मोरक्को के मराकोच में विश्व बैंक-आईएमएफ की वार्षिक बैठक के मौके पर अमेरिकी वित्त मंत्री जेनेट येलेन ने की। मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस दौरान कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) को भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी तरह से पूंजी-संपन्न बनाए रखने की जरूरत है। वित्त मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट जारी कर इस बैठक का ब्योरा देते हुए कहा कि वित्त मंत्री ने आईएमएफ के उद्देश्य और कर्ज नीतियों के अलावा इसे एक सशक्त, कोटा-आधारित और समुचित संसाधन वाला संगठन बनाने की बात कही। उन्होंने गरीबी ह्रास एवं विकास ट्रस्ट (पीआरजीटी) के वित्त पोषण और आईएमएफ के कामकाजी सुधारों के बारे में भी चर्चा की।

जी 20 समूह की प्राथमिकताओं का किया जिक्र – सीतारमण ने जी 20 समूह की प्राथमिकताओं का जिक्र किया। साथ ही उन्होंने वैश्विक चुनौतियों के लिए समन्वित और सर्वसम्मति पर आधारित समाधान की दिशा में आगे बढ़ने के लिए बहुपक्षवाद के महत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मुद्रकोष का खास ध्यान वृहद-आर्थिक निगरानी और नीतिगत मार्गदर्शन पर होना चाहिए। इसके अलावा सदस्यता की बढ़ती जरूरतों को ध्यान में रखना होगा। वित्त मंत्री ने आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड में कामकाज संबंधी सुधारों और लैंगिग को भारत का समर्थन दिया। उन्होंने कहा कि भारत में हाल ही में महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत सीटें आरक्षित करने के कानून पारित किया है। बयान के अनुसार, सीतारमण ने अंतर-अमेरिकी विकास बैंक (आईडीबी) के अध्यक्ष इलान गोल्डफैजन से भी मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच मौजूदा विकास चुनौतियों एवं अवसरों पर चर्चा हुई। गौरतलब है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 11 से 15 अक्तूबर तक मोरक्को के पांच दिवसीय आधिकारिक दौरे पर हैं।

न्यूज ब्रीफ

सीबीआईसी ने गंगाजल पर साफ की स्थिति, कहा- जब से जीएसटी लागू हुआ पूजा सामग्री इसके दायरे से बाहर

नई दिल्ली । केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि गंगाजल को जीएसटी से छूट दी गई है। सीबीआईसी ने कहा है कि देश भर के घरों में पूजा में गंगाजल का उपयोग किया जाता है और इस पूजा सामग्री को जीएसटी के तहत छूट दी गई है। 18-19 मई 2017 और 3 जून 2017 को हुई जीएसटी परिषद की क्रमशः 14वीं और 15वीं बैठक में पूजा सामग्री पर जीएसटी पर विस्तार से चर्चा की गई और उन्हें छूट सूची में रखने का निर्णय लिया गया। इसलिए, जीएसटी लागू होने के बाद से ही इन सभी वस्तुओं को जीएसटी से बाहर रखा गया है। इसस पहले कांग्रेस ने गंगाजल पर कथित तौर पर 18 प्रतिशत माल एवं सेवा कर (जीएसटी) लगाने के लिए मोदी सरकार की आलोचना की थी और इसे लूट व पाखंड की पराकाष्ठा करार दिया था। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने ट्विटर (अब एक्स) पर एक पोस्ट में कहा, मोदी जी, मोक्ष प्रदाता मां गंगा का महत्व एक आम भारतीय के लिए जन्म से लेकर जीवन के अंत तक बहुत अधिक है। यह अच्छा है कि आप आज उत्तराखंड में हैं, लेकिन आपकी सरकार ने पवित्र गंगा जल पर ही 18 प्रतिशत जीएसटी लगा दिया है। उन्होंने कहा, आपने एक बार भी नहीं सोचा कि उन लोगों पर क्या असर पड़ेगा जो अपने घरों में गंगाजल रखने इसे ऑर्डर देकर मंगाते हैं। यह आपकी सरकार की लूट और पाखंड की पराकाष्ठा है। इसके बाद सीबीआईसी की ओर से इस मसले पर स्थिति साफ की और बताया कि गंगाजल को जीएसटी लागू होने के बाद से ही कर के दायरे से बाहर रखा गया है।

केंद्र ने लिथियम समेत दो दुर्लभ तत्वों के लिए रॉयल्टी दर तय किए, कैबिनेट ने दी मंजूरी

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने लिथियम और नाइओबियम के लिए तीन-तीन प्रतिशत और दुर्लभ पृथ्वी तत्वों (आरईई) के लिए एक प्रतिशत की रॉयल्टी दरों को मंजूरी दे दी है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में तीन महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों के लिए रॉयल्टी दरों पर फैसला किया गया। इसमें कहा गया है कि मंत्रिमंडल की ओर से रॉयल्टी दर को मंजूरी दिए जाने से केंद्र देश में पहली बार लिथियम, नाइओबियम और आरईई ब्लॉकों की नीलामी कर सकेगा। खनन मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया, केंद्रीय मंत्रिमंडल...खान और खनिज (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1957 (एमएमडीआर अधिनियम) की दूसरी अनुसूची में संशोधन को मंजूरी दी गई है, ताकि तीन महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिजों जैसे लिथियम, नाइओबियम और दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के संबंध में रॉयल्टी की दर तय की जा सके। डिजिटल प्रोद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के लिए फ्रांस से समझौते को भी कैबिनेट की मंजूरी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने डिजिटल प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग के लिए भारत और फ्रांस के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट की ओर से इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और फ्रांस के अर्थव्यवस्था, वित्त और औद्योगिक व डिजिटल संप्रभुता मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने को हरी झंडी दिखा दी गई है। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य डिजिटल प्रौद्योगिकियों से संबंधित जानकारी के निकट सहयोग और आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है।

कच्चा नमक बनाने वाली कंपनी ने शेयर बाजार में मचाई धमक

मुंबई । कच्चा नमक बनाने और रिफाइन करने वाली कंपनी गोयल साल्ट के शेयरों की एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर धमाकेदार एंट्री हुई। हालांकि 200 फीसदी से ज्यादा का लिस्टिंग गेन देने के बाद भी इसके शेयरों में तेजी टिकी नहीं और ये लिस्टिंग के बाद ही शेयर धड़ाम से नीचे आ गए। आईपीओ के तहत 38 रुपये के भाव पर शेयर जारी हुए हैं। एनएसई एसएमई पर इसकी 130 रुपये के भाव पर एंट्री हुई है यानी कि आईपीओ निवेशकों को 242 फीसदी का लिस्टिंग गेन मिला। लिस्टिंग के बाद शेयर लुढ़ककर 124 रुपये पर आ गए है यानी कि आईपीओ निवेशक 226 फीसदी मुनाफे में हैं। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये की फेस वैल्यू वाले 49.02 लाख नए शेयर जारी हुए हैं। गोयल साल्ट का 18.63 करोड़ रुपये का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 26 सितंबर-3 अक्टूबर के बीच खुला था।

भारत ने चीन का नाम लिए बगैर साधा निशाना, श्रीलंका में दी सलाह- कर्ज के पीछे छिपे एजेंडे को समझें देश

नई दिल्ली ।
भारत ने हिंद महासागर क्षेत्र के देशों से विकास की चुनौतियों से प्रभावी तरीके से निपटने को कहा और उन्हें अव्यावहारिक परियोजनाओं या अस्थिर कर्ज में छिपे एजेंडे के खतरों के मामले में स्पष्ट रहने को कहा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हिंद महासागर रिम एसोसिएशन (आईओआरए) की 23वीं मंत्रिमंडलीय बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र संधि (यूएनसीएलओएस) के आधार पर हिंद महासागर को एक स्वतंत्र, खुले और समावेशी स्थान के रूप में बनाए रखना महत्वपूर्ण है। भारत की ओर ये ये बातें चीन की ओर से जारी कर्जे के ट्रैप जुड़ी डिप्लोमेसी के संदर्भ में कही है। बाद में प्रेस को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि आईओआरए के प्रति भारत की प्रतिबद्धता शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, साझा समृद्धि और क्षेत्रीय सहयोग के सिद्धांतों में गहराई से निहित है। उन्होंने कहा, सदस्य देशों के विकास और समृद्धि के लिए विकास संबंधी चुनौतियों का लगातार और प्रभावी तरीके से समाधान किया जाना चाहिए। विशेष रूप से, हमें समुद्री अर्थव्यवस्था, संसाधनों, कनेक्टिविटी और सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं पर सहयोग करना चाहिए।

जयशंकर ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा- हमें स्पष्ट होना चाहिए कि खतरा कहां है – जयशंकर ने किसी भी देश का नाम लिए बिना कहा, हमें समान रूप से स्पष्ट होना चाहिए कि खतरे कहां हैं, हो सकता है ये खतरे छिपे हुए एजेंडों में हो, अव्यवहार्य परियोजनाओं में हों या अस्थिर ऋण में हो। अनुभवों का आदान-प्रदान, सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना, अधिक जागरूकता और गहरा सहयोग समाधान का हिस्सा हैं।

चीन की ओर से हंबनटोटा बंदरगाह हथियाने से दुनिया चिंतित – बता दें कि हंबनटोटा बंदरगाह, जिसे चीन की ओर से ऋण देकर वित्त पोषित किया गया था, को 2017 में 99 साल के ऋण-फॉर-इक्विटी स्वैप के एवज में बीजिंग को पट्टे पर दिया गया था क्योंकि श्रीलंका ऋण का भुगतान करने में विफल रहा था। चीन की ओर से हंबनटोटा बंदरगाह को 1.2 अरब डॉलर की कर्ज की अदला-बदली के लिए 99 साल के लिए हथियाने से अंतरराष्ट्रीय चिंताओं का जन्म हुआ है। बीजिंग ने छोटे देशों को भारी ऋण और निवेश प्रदान करके घर से दूर रणनीतिक संपत्तियों का अधिग्रहण किया है। चीन की ओर से अपनी बेल्ट एंड रोड (बीआरआई) बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आड़ में ऋण जाल फैलाकर और क्षेत्रीय आधिपत्य स्थापित करने की कोशिश पर वैश्विक स्तर पर चिंताएं हैं। चीन एशिया से लेकर अफ्रीका और यूरोप तक के देशों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए भारी रकम खर्च कर रहा है। अमेरिका का पिछला डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन बीआरआई की बेहद आलोचना करता था और उसका मानना था कि चीन के हिंसक वित्तपोषण से छोटे देश भारी कर्ज में दबे हैं और उनकी संप्रभुता खतरे में है।

हिंद महासागर में चीनी नौसेना के जहाज और पनडुब्बियां सक्रिय – चीन रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र में अपनी ताकत बढ़ा रहा है और दक्षिण चीन सागर (एससीएस) और पूर्वी चीन सागर (ईसीएस) दोनों क्षेत्रों में विवादों में भी उलझा हुआ है। हिंद महासागर में चीनी नौसेना के जहाज और पनडुब्बियां भी सक्रिय हैं। चीन अपने निगरानी और अनुसंधान जहाज भी श्रीलंका भेज रहा है। जयशंकर ने कहा कि हिंद महासागर न केवल पानी का एक महत्वपूर्ण निकाय है, बल्कि एक महत्वपूर्ण आर्थिक और रणनीतिक गलियारा भी है, जो दुनिया के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा, हिंद महासागर के देशों की भलाई और प्रगति के लिए भारत की प्रतिबद्धता, जिसमें सबसे पहले प्रतिक्रिया देना और शुद्ध सुरक्षा प्रदान करना शामिल है, हमारी पड़ोस प्रथम नीति, सागर के प्रति हमारे दृष्टिकोण और विस्तारित पड़ोस के प्रति हमारे दृष्टिकोण पर आधारित है। उन्होंने कहा, यह हिंद-प्रशांत के हमारे व्यापक दृष्टिकोण पर भी आधारित है जो नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, कानून के शासन, सतत और पारदर्शी बुनियादी ढांचे में निवेश, नौवहन और उड़ान भरने की स्वतंत्रता और संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति ईमानदारी से सम्मान पर आधारित है। जयशंकर उन 16 मंत्रियों में शामिल हैं जिन्होंने बैठक में भाग लिया। इस बैठक में बांग्लादेश, ईरान, मॉरीशस, मलेशिया और दक्षिण अफ्रीका के विदेश मंत्री भी शामिल हुए।

भारत ने चीन पर परोक्ष रूप से निशाना साधा – भारत ने परोक्ष रूप से चीन पर निशाना साधते हुए कहा कि संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के प्रति सम्मान के साथ-साथ एक बहुपक्षीय नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था हिंद महासागर को एक मजबूत समुदाय के रूप में पुनर्जीवित करने का आधार है। भारत की टिप्पणी ऐसे वक्त आई है जब चीन इस क्षेत्र में लगातार अपना शक्ति प्रदर्शन कर रहा है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने यहां 'हिंद महासागर रिम एसोसिएशन' (आईओआरए) के मंत्रियों की परिषद की 23वीं बैठक में कहा कि समुद्री कानून पर संयुक्त राष्ट्र संधि के आधार पर हिंद महासागर को एक मुक्त, खुला और समावेशी स्थान बनाए रखना महत्वपूर्ण है। इस महत्वपूर्ण बैठक में भारत ने 2023-25 के लिए आईओआरए के उपाध्यक्ष की भूमिका ग्रहण की। इस मौके पर जयशंकर ने कहा, ''हम हिंद महासागर क्षेत्र में क्षमता निर्माण और सुरक्षा सुनिश्चित करने में पहले उत्तरदाता के तौर पर योगदान देने के अपने दृष्टिकोण को जारी रखेंगे। उन्होंने कहा कि हिंद महासागर के देशों की भलाई और प्रगति के लिए भारत की प्रतिबद्धता पड़ोसी प्रथम नीति, सागर दृष्टिकोण, विस्तारित पड़ोस और हिंद-प्रशांत के प्रति उसके दृष्टिकोण पर आधारित है। उन्होंने कहा, ''एक बहुपक्षीय नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था, संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के प्रति सम्मान हिंद महासागर को एक मजबूत समुदाय के रूप में पुनर्जीवित करने का आधार बना हुआ है।

बढ़ते तनाव के बीच इजराइल में मौजूद आईटी कंपनियां ले सकती हैं बड़ा फैसला, रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली ।
इजराइल और हमास के बीच जंग तेज होने से वहां मौजूद वैश्विक प्रौद्योगिकी कंपनियां अपने व्यापार संचालन को भारत, मध्य पूर्व या पूर्वी यूरोप जैसे अन्य स्थानों पर स्थानांतरित करने का मन बना सकती है। ये दावा मीडिया रिपोर्ट्स में किया गया है। उद्योग जगत के विशेषज्ञों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि इजराइल में जारी व्यवसाय समान समय क्षेत्र और प्रतिभा क्षमताओं वाले स्थानों पर स्थानांतरित किए जा सकते हैं। कथित तौर पर, इजराइल में 500 से अधिक वैश्विक कंपनियां हैं जिनमें माइक्रोसॉफ्ट, इंटेल और गूगल जैसी वैश्विक कंपनियां शामिल हैं। इसके अलावे इजराइल में विप्रो और टीसीएस जैसी भारतीय कंपनियां भी कारोबार कर रही हैं। ये कंपनियां कम से कम एक लाख से अधिक लोगों को रोजगार देती हैं। एक वैश्विक समाचार एजेंसी ने निवेशकों और विश्लेषकों के हवाले से दावा किया है कि उच्च तकनीक वाले उद्योग इजरायल में सबसे तेजी से बढ़ते क्षेत्र रहे हैं, लेकिन युद्ध के कारण उन्हें बड़े पैमाने पर व्यवधानों का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि इजराइली सेना ने हमास के हमले के बाद कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है। इस बीच, गाजा पट्टी पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण शुरू हो गया है। इजराइल के सबसे बड़े निजी नियोक्ता और निर्यातक इंटेल ने सोमवार को कहा कि वे देश में स्थिति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। इंटेल के प्रवक्ता ने कहा किर हमारे श्रमिकों की सुरक्षा और समर्थन के लिए हम कदम उठा रहे हैं। इजराइल पर हमास के हमले दो दिन बाजार बीते सोमवार को इंटेल के शेयरों में 0.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई थी। इजरायल और हमास के बीच युद्ध गुरुवार को छठा दिन है और इसके अभी और समय तक जारी रहने की आशंका है। ताजा खबरों के अनुसार दोनों पक्षों के 2,300 से अधिक लोग अब तक मारे जा चुके हैं, जबकि हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। इस बीच टेलीविजन पर प्रसारित अपने संबोधन में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमास को तबाह करने का संकल्प लिया। उन्होंने कहा, हमने लड़कों और लड़कियों को बंधे हुए देखा, जिन्हें सिर में गोली मारी गई थी। पुरुषों और महिलाओं को जिंदा जला दिया गया। युवतियों के साथ बलात्कार किया गया और उनका वध किया गया। सैनिकों के सिर कलम किए गए। उन्होंने दावा किया कि हमास के एक-एक आतंकी को चुन-चुन कर मारेंगे।

भारत को रखनी होगी आक्रामक रणनीति, तीन साल में 10 देशों में 112 अरब डॉलर का हो सकता है निर्यात

नई दिल्ली ।
सरकार के समर्थन व आक्रामक मार्केटिंग रणनीति से भारत तीन साल में अमेरिका समेत 10 देशों में 112 अरब डॉलर का निर्यात कर सकता है। भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ (फियो) ने एक अध्ययन में कहा, इन देशों में भारतीय मिशन को बाजार पहुंच से जुड़े मुद्दों की पहचान करनी चाहिए ताकि उन गंतव्यों में घरेलू सामानों के निर्यात को बढ़ावा दिया जा सके। गैर-शुल्क बाधाएं निर्यात को प्रभावित करती हैं और इन समस्याओं से निपटने की जरूरत है। मिशन उद्योग को प्रमुख आयातकों के साथ बैठकें आयोजित करने में भी मदद कर सकते हैं। इन देशों में घरेलू विनिर्माण क्षमताओं की ताकत दिखाने के लिए सक्रिय रूप से प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर अभियान चलाने पर विचार किया जा सकता है।

इन देशों को बेच सकते हैं ये उत्पाद

अमेरिका : 3.7 अरब डॉलर के हीरे, 2.2 अरब डॉलर के वाहन, 1.4 अरब डॉलर के आभूषण, 1.3 अरब डॉलर के टेलीफोन सेट आदिष

चीन : वाहन, आभूषण, झींगा, मानव बाल, काली मिर्च, मानव बाल और ग्रेनाइट आदि।

अमेरिका, चीन व वियतनाम में सबसे अधिक है संभावना – फियो ने कहा कि 112 अरब डॉलर के निर्यात संभावनाओं में अमेरिका, चीन और वियतनाम की सबसे ज्यादा हिस्सेदारी हो सकती है। भारत अमेरिका को 31 अरब डॉलर और चीन को 22 अरब डॉलर का निर्यात कर सकता है। यूएई को 11 अरब डॉलर, वियतनाम को 9.3 अरब डॉलर, हांगकांग को 8.5 अरब डॉलर और जर्मनी को 7.4 अरब डॉलर का निर्यात किया जा सकता है। इंडोनेशिया को 6 अरब डॉलर, मलयेशिया को 5.8 अरब डॉलर, ब्रिटेन को 5.4 अरब डॉलर व बांग्लादेश को 5 अरब डॉलर का उत्पाद बेच सकता है।

भारत पर चीन की तरह भारी कर्ज, लेकिन जोखिम कम, उच्च वृद्धि दर से मिलेगा समर्थन

नई दिल्ली ।
देश पर चीन की तरह ही भारी कर्ज है। इसके बावजूद कर्ज से जुड़ा जोखिम पड़ोसी देश की तुलना में भारत पर कम है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने कहा, भारत को कर्ज से जुड़े जोखिम कम करने के लिए मध्यम अवधि में घाटे को कम करने वाली एक महत्वाकांक्षी राजकोषीय सशक्तीकरण योजना बनानी चाहिए। आईएमएफ में राजकोषीय मामलों के उपनिदेशक रुड डी मोइज ने कहा, भारत पर मौजूदा कर्ज जीडीपी का 81.9 फीसदी है। चीन के मामले में यह अनुपात 83 फीसदी है। इस तरह, दोनों ही देश लगभग समान स्थिति में हैं। हालांकि, महामारी से पहले 2019 में भारत पर कर्ज जीडीपी का 75 फीसदी था। मोइज ने कहा, भविष्य में भारत का कर्ज चीन की तरह बढ़ने की आशंका नहीं है, बल्कि इसमें कमी आने की संभावना है। 2028 में भारत पर कर्ज 1.5 फीसदी घटकर जीडीपी के 80.4 फीसदी पर आ जाएगा। उन्होंने कहा, भारत की आर्थिक वृद्धि दर ऊंची है और जोखिम कम करने में सहायक होगी। उच्च वृद्धि का ताल्लुक जीडीपी के अनुपात में कर्ज से भी है। मोइज ने कहा कि भारत में कुछ राज्यों पर बहुत अधिक कर्ज है। उन्हें ब्याज के भारी बोझ का सामना करना पड़ता है। यह ऐसा कारक है, जो भारत के लिए भी जोखिम है। हालांकि, इन जोखिमों से निपटने के लिए भारत जिन तरीकों से राजकोषीय सशक्तीकरण का उपयोगी समर्थन कर सकता है, उनमें एक तरीका तकनीकी प्रणाली को मजबूत करना है। आईएमएफ अधिकारी ने कहा, भारत में राजकोषीय घाटा 2023 में 8.8 फीसदी रह सकता है। इसका बड़ा हिस्सा ब्याज पर होने वाले खर्च का है क्योंकि भारत अपने ऋण पर अधिक ब्याज देता है, जो जीडीपी का 5.4 फीसदी है। प्राथमिक घाटा 3.4 प्रतिशत रहने से राजकोषीय घाटा 8.8 फीसदी पहुंच जाएगा। आर्थिक मामलों के पूर्व सचिव अतनु चक्रवर्ती ने कहा, मजबूत खपत और निर्यात के दम पर भारत 2050 तक 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकता है। उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों ने इस साल भारत की वृद्धि दर करीब 6.3 फीसदी और महंगाई दर लगभग 6 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। इसलिए, मौजूदा मूल्य पर जीडीपी करीब 10-12 फीसदी होगी। केपीएमजी के कार्यक्रम में उन्होंने कहा, अगर जीडीपी की यही रफ्तार कुछ साल तक जारी रही तो भारत 2045-50 तक 30 लाख करोड़ डॉलर की जीडीपी बन जाएगा। प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर 21,000 डॉलर हो जाएगी।

हमास को क्रिप्टो के रूप में भेजे गए लाखों डॉलर, इजराइल पर हमले के महीनों पहले से हुआ लेन-देन

नई दिल्ली ।
हमास और उसके सहयोगियों के समूह को इजराइली पर आतंकवादी हमलों से महीनों पहले करोड़ों पाउंड की क्रिप्टोकरेंसी दान के रूप में भेजी गई थी। इस पैसे का इस्तेमाल इजराइल के खिलाफ हमलों को अंजाम देने में किया गया। विश्लेषकों के अनुसार, 2023 की पहली छमाही के दौरान हमास और संबद्ध फलस्तीनी इस्लामिक जिहाद (पीआईजे) समूह की ओर से नियंत्रित क्रिप्टोकरेंसी खातों में 134 मिलियन डालर (108 मिलियन) से अधिक स्थानांतरित किए गए थे। बता दें हमास ने शनिवार को इजराइल पर बड़े पैमाने पर आतंकी हमला किया, जिसमें 2400 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। इस हमले के बाद यह सवाल उठ रहे हैं कि आखिर हमास ने इस जटिल हमले को कैसे व्यवस्थित रूप से वित्तपोषित किया

हमास ने 18 महीनों में क्रिप्टो टोकन में लगभग 41 मिलियन डॉलर जुटाए

क्रिप्टोकरेंसी विश्लेषण कंपनी एलिप्टिक के अनुसार, ब्लॉकचेन रिकॉर्ड के विश्लेषण से पता चलता है कि अगस्त 2021 और इस साल जून के बीच अकेले पीआईजे को लगभग 93 मिलियन डॉलर (75 मिलियन) क्रिप्टोकरेंसी हस्तांतरित की गई। तेल अवीव स्थित क्रिप्टो ट्रेसिंग कंपनी बिटओके के आंकड़ों के अनुसार, हमास ने पिछले 18 महीनों में क्रिप्टो टोकन में लगभग 41 मिलियन डॉलर जुटाए हैं, इसके बारे में पहली बार वॉल स्ट्रीट जर्नल की ओर रिपोर्ट की गई थी।

क्रिप्टो के जरिए लाखों जुटा रहे हमास और अन्य आतंकी संगठन

क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल हमास और अन्य आतंकवादी संगठनों ने वैश्विक वित्तीय प्रतिबंधों से बचने के लिए किया है। एलिप्टिक के उपाध्यक्ष डेविड कार्लिस्ले ने कहा, हमास ऐसा आतंकी संगठन है जो अन्य फलस्तीनी आतंकवादी समूहों के साथ मिलकर क्रिप्टो में लाखों डॉलर जुटा रहा है।

क्रिप्टो का इस्तेमाल कर आतंकी संगठनों को भेजे गए पैसे

अप्रैल में हमास ने दानकर्ताओं की सुरक्षा के साथ समस्याओं का हवाला देते हुए क्रिप्टोकरेंसी के रूप में मिल रहे दान को निलंबित करने की घोषणा की थी। कई निजी कंपनियां और कानून प्रवर्तन एजेंसियां अपने ब्लॉकचेन के माध्यम से क्रिप्टोकरेंसी भुगतान का पता लगाने में माहिर हो गई हैं। इसका पता सार्वजनिक डिजिटल लेजर से चलता है जो बिटकॉइन जैसे टोकन के लिए प्रत्येक लेनदेन को रिकॉर्ड करते हैं। इन रिकॉर्ड्स से पता चलता हे कि क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल कर हमास और अन्य आतंकी संगठनों को पैसों का हस्तांतरण किया गया।

इजराइल का दावा- हमास से जुड़े कई क्रिप्टोकरेंसी खाते फ्रीज किए गए

इजराइल पुलिस ने मंगलवार को बताया कि उन्होने हमारे से जुड़े कई क्रिप्टोकरेंसी खातों को फ्रीज किया है। एक प्रवक्ता ने कहा, इजरायल पुलिस, रक्षा मंत्रालय और अन्य भागीदार आतंकवादी वित्तपोषण और आतंकवादी संगठनों की रणनीतिक वित्तीय संपत्तियों के खिलाफ कार्रवाई की लड़ाई जारी रखेंगे। इजरायली पुलिस ने कहा कि उन्होंने बार्कलेज में एक ब्रिटिश बैंक खाते को फ्रीज करने के लिए अपने ब्रिटिश समकक्षों के साथ भी काम किया था, जिसके बारे में उनका कहना था कि इसका इस्तेमाल हमास की ओर से दान मांगने के लिए किया गया था। इस मामले में बार्कलेज से भी टिप्पणी मांगी गई है। हमास ब्रिटेन, अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित अन्य देशों में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन है और समूह को धन प्रदान करना अवैध है।

गर्व है कि हमने फीमेल प्लेजर के बारे में बातचीत शुरू की : भूमि

मुंबई (ईएमएस)। युवा बॉलीवुड स्टार भूमि पेडनेकर को थैंक यू फॉर कमिंग (टीवाईएफसी) में उनके शानदार अभिनय के लिए सभी ने सराहा है, यह फिल्म हमारे देश में फीमेल प्लेजर के वर्जित विषय पर केंद्रित है। भूमि ने बढ़ती उम्र की फिल्म में एक 32 वर्षीय लड़की का किरदार निभाया है, जिसे यह एहसास होता है कि किसी की यौन इच्छा को संतुष्ट करने के लिए आत्म-खुशी ही महत्वपूर्ण है, बजाय इसके कि वह उस आदर्श पुरुष की प्रतीक्षा करने के विचार पर विश्वास करती है जो उसे यौन रूप से मुक्त कर सके। भूमि कहती हैं, मुझे गर्व है कि टीवाईएफसी ने फीमेल प्लेजर के बारे में एक महत्वपूर्ण बातचीत शुरू की है जो किसी तरह भारत में एक बेहद वर्जित विषय माना जाता है।

मुझे खुशी है कि फिल्म और मेरे प्रदर्शन को सर्वसम्मति से सकारात्मक समीक्षा मिली है और सभी जेंडर के लोग इसे इतना प्यार दे रहे हैं। भूमि हमेशा अपनी पीढ़ी से महिलाओं से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर अपनी आवाज उठाने वाली और सिनेमा के माध्यम से उन्हें उजागर करने वाली पहली महिला रही हैं। वह कहती हैं, एक अभिनेता के रूप में, मैंने महिलाओं के लिए महत्वपूर्ण सामाजिक विषयों पर अपनी आवाज उठाने की कोशिश की है, जैसे कि दम लगा के हईशा में एक लड़की को अपने शरीर के प्रकार से खुश रहने का अधिकार है, एक महिला को उचित मांग करने का अधिकार है। टॉयलेटः एक प्रेम कथा में उनके घर के भीतर शौचालय, लस्ट स्टोरीज, बधाई दो जैसी फिल्मों में समाज को महिलाओं और जेंडर के साथ समान व्यवहार करने की आवश्यकता है जो एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय के प्रासंगिक अधिकारों के बारे में बात करती है और उन्हें सशक्त बनाती है। वह आगे कहती हैं, अब टीवाईएफसी में, मैं एक लड़की के अधिकार और आत्म-आनंद की आवश्यकता के बारे में मुखर होने की कोशिश कर रही हूं। ये सभी भारत में लड़कियों के लिए बेहद प्रासंगिक मुद्दे हैं और मुझे खुशी है कि मैं इस विषय को अपने देश भर के लोगों तक पहुंचाने का माध्यम बनने में सक्षम हूं। उम्मीद है कि हम ये बातचीत अधिक खुले तौर पर और रचनात्मक ढंग से करेंगे।

जाह्नवी कपूर के हालिया लुक पर जीनत अमान ने लगाया चोरी का आरोप

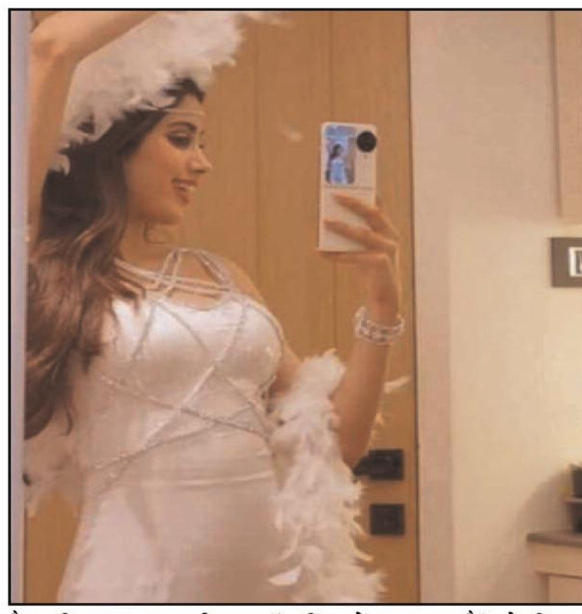

मुंबई (ईएमएस)। दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी और फिल्म निमार्ता बोनी कपूर की बेटी जान्हवी कपूर के हालिया लुक पर तीनत अमान ने चोरी का इल्जाम लगाया है। दरअसल उन्होंने कुछ फोटोज जारी किए हैं, जिनमें जाह्नवी ने जीनत अमान की कॉपी की है। भले ही जान्हवी ने अपनी एक्टिंग से खूब सुर्खियां बटोरी। लेकिन अपनी ग्लैमरस फोटोशूट को लेकर भी चर्चा में बनी रहती हैं। इसी बीच जान्हवी कपूर अपने एक और लेटेस्ट फोटोशूट को लेकर चर्चा में आ गई हैं। हालांकि जान्हवी के इस फोटोशूट के सामने आने के बाद बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस जीनत अमान ने उनपर चोरी का आरोप लगा दिया है।

जान्हवी ने जो अपना लेटेस्ट लुक शेयर किया है, उसमें वह एक्ट्रेस व्हाइट स्लिट ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने रेट्रो अंदाज में मेकअप किया है। इस दौरान जान्हवी का ऑउटफिट और उनकी अदाएं देखने लायक हैं। एक्ट्रेस इस वाइट ऑउटफिट में बला की खूबसूरत लग रही हैं। फैंस को एक्ट्रेस का ये लुक खूब पसंद आ रहा है। लेकिन गौर करने वाली बात ये है कि जान्हवी का ये लुक जीनत अमान के लुक से मेल खाता है जो उन्होंने लैला मैं लैला गाने के दौरान लिया था। जान्हवी का ऑउटफिट से लेकर एक्सेसरीज तक पूरा लुक ही जीनत से इंस्पायर्ड दिख रहा हैं। जान्हवी ने खुद भी अपने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है- मुझे मॉर्डन जीनत कहिए। बस फिर क्या था फैंस के रिएक्शन की इस वीडियो पर झड़ी लग गई। इसी बीच एक्ट्रेस जीनत अमान ने भी जान्हवी के इस वीडियो पर कमेंट किया है और उनपर उनका स्टाइल चुराने का आरोप लगाया है। जीनत ने जान्हवी के इस वीडियो पर कंमेट करते हुए लिखा कि- मेरा स्टाइल चोरी किया है, अब मुझे अपना फैन बेस चुराते हुए देखो! अब उनका ये कमेंट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। हालांकि, जीनत ने ये कंमेट मजाकिया अंदाज में किया है।

महादेव बेटिंग ऐप केस में मनीषा रानी व बादशाह से ईडी करेगी पूछताछ

मुंबई (ईएमएस)। महादेव बेटिंग एप केस में बिगबॉस की मनीषा रानी और रैपर बादशाह से पूछताछ करेगी। दरअसल एप से जुड़ा मनी लॉन्ड्रिंग का मामला इन दिनों देशभर में चर्चा का विषय बना हुआ है। छत्तीसगढ़ के कारोबारी सौरभ चंद्राकर ने इंजीनियर रवि उप्पल के साथ मिलकर ऑनलाइन सट्टेबाजी से कमाई करने के लिए इस एप को बनाया था इस एप के जरिए हुई कमाई को हवाला के जरिए होटल कारोबार और फिल्मों में लगाया गया। पहले मामले की जांच छत्तीसगढ़ पुलिस कर रही थी। अगस्त 2022 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इसकी जांच शुरू कर दी। ईडी ने इस मामले में पूछताछ के लिए रणबीर कपूर, श्रद्धा कपूर, हुमा कुरेशी, हिना खान और कॉमेडियन कपिल शर्मा जैसे बॉलीवुड ए-लिस्टर्स को नोटिस भेजा। वहीं अब इसमें कुछ और नामी नाम जुड़ गए हैं। मिली जानकारी के अनुसार जो नए नाम जुड़े हैं इनमें पहली हैं बिग बॉस ओटीटी 2 की मनीषा रानी और दूसरे हैं रैपर बादशाह जिनसे पूछताछ हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक इस केस में ईडी को अब तक की जांच में एक और पार्टी के बारे में पता चला है। ये पार्टी इसी साल अप्रैल 2023 में थाईलैंड के फुकेट शहर में आयोजित की गई थी। फाइव स्टार होटल में प्राइवेट स्क्रीनिंग के साथ ये पार्टी आईपीएल 2023 की ग्रैंड ओपनिंग के लिए रखी गई थी। इस पार्टी में तकरीबन 50 से ज्यादा सोशल मीडिया इनफ्लूएंसर शामिल हुए जिसमें बिग बॉस ओटीटी 2 फेम मनीषा रानी भी शामिल थी। सूत्रों के मुताबिक, इस अप्रैल 2023 में फुकेट में हुई पार्टी में रैपर बादशाह ने भी परफॉर्म किया था।

गणपत : ए हीरो इज बॉर्न ट्रेलर रिलीज

बहुप्रतीक्षित फिल्म गणपत : ए हीरो इज बॉर्न का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। यह डायस्टोपियन फ्यूचरिस्टिक वर्ल्ड में ले जाता है। फिल्म में टाइगर श्रॉफ, कृति सेनन और दिग्गज बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन हैं। 2 मिनट 27 सेकंड लंबे ट्रेलर की शुरूआत साइबर सिटी के शहरी परिदृश्य से होती है। इसमें शहर के खंडहरों को दिखाया गया है और यहां वॉयस ओवर शुरू होता है, जोकि टाइगर के बारे में बताता है। वॉयस-ओवर में कहा जाता है कि एक दिन एक ऐसा योद्धा पैदा होगा, जो अमर होगा। वो अमीरों और गरीबों की बीच की दीवार गिराएगा। वो योद्धा मरेगा नहीं सिर्फ मारेगा। इसके बाद साइबरपंक प्रोडक्शन डिजाइन और एलिमेंट्स के शॉट्स आते हैं, इसके बाद बॉडी के क्लोज-अप शॉट्स के साथ टाइगर को दिखाया जाता है। ट्रेलर में कृति भी एक्शन करती नजर आ रही हैं। वहीं, अमिताभ बच्चन की स्क्रीन पर दमदार एंट्री होती है। ट्रेलर में बिग बी कहते हैं कि अमीरों को उनके प्लान की भनक लग गई है और उनके लीडर को सिर्फ पैसों से मतलब है।

निर्दोष लोगों की मौत के गम में डूबी मॉडल गिगी हदीद, हमास के खिलाफ डाली पोस्ट

लॉस एंजेलिस (ईएमएस)। सुपरमॉडल गिगी हदीद हमास निर्दोष लोगों पर हमला करने को लेकर बेहद गमजदा हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डालकर हमलों की निंदा की है। हालांकि मॉडल गिगी हदीद फिलिस्तीनी मूल की हैं। उन्होंने हमास द्वारा इजराइल पर किए गए हमलों की निंदा की और इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस मामले पर टिप्पणी करते हुए जोर दिया कि वह निर्दोष लोगों का पक्ष लेंगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, अपने बयान में गिगी ने कहा कि कि उनके विचार और संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं, जो बेवजह इस हमले का शिकार बने हैं। उन्होंने आगे कहा कि फिलिस्तीनी संघर्ष और कब्जे के तहत जीवन के प्रति मेरे मन में गहरी सहानुभूति और शोक है, यह एक जिम्मेदारी है जिसे मैं रोजाना निभाती हूं। मैं अपने यहूदी दोस्तों के प्रति भी इसे स्पष्ट करने की जिम्मेदारी महसूस करती हूं, जैसा कि मैंने पहले भी किया है, हालांकि फिलिस्तीनियों के लिए मेरी आशाएं और सपने हैं, लेकिन उनमें से किसी में भी यहूदी व्यक्ति को नुकसान पहुंचाना शामिल नहीं है। सोशल मीडिया पर 28 वर्षीय मॉडल ने हमास के हमलों की निंदा करते हुए कहा कि निर्दोष लोगों को मारना मुक्त फिलिस्तीन आंदोलन के अनुरूप नहीं है, इससे उन्हें कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा कि इस विचार ने आगे-पीछे प्रतिशोध के एक लंबे चक्र को बढ़ावा दिया है और इस गलत विचार को बनाए रखने में मदद की है कि फिलिस्तीन समर्थक होना मतलब यहूदी विरोधी होना है। गिगी ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि मेरे प्रियजनों, फिलिस्तीनी और यहूदी दोनों के साथ, मैं आपको अपना प्यार और ताकत भेज रही हूं, चाहे आप कोई भी हों और जहां भी हों। उन्होंने अपना मैसेज समाप्त करते हुए कहा कि बहुत सारी जटिल, व्यक्तिगत और वैध भावनाएं हैं, लेकिन हर इंसान बुनियादी अधिकारों, उपचार और सुरक्षा का हकदार है, चाहे उनकी राष्ट्रीयता, धर्म, जातीयता या वे कहीं भी पैदा हुए हों।

खुद प्रोड्यूसर होने के बावजूद फिल्म 'धक-धक' का प्रमोशन नहीं करेंगी तापसी पन्नू

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में मसाला फिल्में करने के बाद तापसी ने बॉलीवुड में कदम रखा और अपनी लोकप्रियता में इजाफा किया। एक्टिंग के साथ-साथ तापसी ने प्रोड्यूसर के तौर पर भी काम करना शुरू कर दिया। बतौर निमार्ता उनकी दूसरी फिल्म 'धक-धक' इस समय चर्चा में है। फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ था, जिसे दर्शकों ने अच्छा रिस्पॉन्स दिया था, लेकिन अब फिल्म और प्रोड्यूसर तापसी पन्नू एक अलग वजह से चर्चा में हैं। तापसी फिल्म के सह-निमार्ताओं से नाराज हैं और उन्होंने अपनी नाराजगी भी जाहिर की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, तापसी फिल्म की मार्केटिंग रणनीति और वायकॉम 18 की फिल्म को रिलीज करने की जल्दबाजी से नाखुश हैं। ट्रेलर रिलीज से चार दिन पहले तापसी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से फिल्म से जुड़े सभी पोस्ट डिलीट कर दिए और खुद को फिल्म और इसके प्रमोशन से दूर कर लिया। मीडिया से बात करते हुए तापसी ने कहा, 'मैं अभी इस बारे में कुछ नहीं कह सकती। मैं फिल्म का इंतजार कर रहा हूं, यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि दर्शक इस पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे। मैं अपने आसपास कोई नकारात्मकता नहीं चाहती।' तापसी ने यह भी आरोप लगाया है कि फिल्म के सह-निमार्ता इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। 'धक-धक' चार महिलाओं की दोस्ती और आत्म-खोज की कहानी है। इस फिल्म में रत्ना पाठक शाह, दीया मिर्जा, संजना सांघी और फातिमा सना शेख मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

शिल्पा शेट्टी के गॉर्जियस लुक पर टिकीं सबकी निगाहें

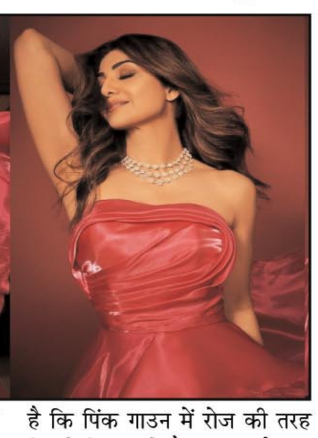

एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी उन एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जिनकी उम्र विपरीत दिशा में बढ़ती है। एक्ट्रेस एकदम स्टनर है और एक प्रोफेशनल की तरह फैशन टारगेट पर निशाना साधती रहती हैं। चाहे साड़ी हो या ग्लैमरस गाउन, शिल्पा अपने स्टाइल से हमेशा सबका ध्यान खींचती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस लेटेस्ट लुक से फैंस का दिल चुराती दिखीं। उनकी ये तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। शिल्पा शेट्टी ने ये तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि पिंक गाउन में रोज की तरह खिली दिख रही हैं। ऑफ शोल्डर थाई हाई स्लिट गाउन में एक्ट्रेस का बोल्ड लुक देखने को मिल रहा है। इसके साथ उन्होंने मैचिंग हील्स पेयर की हैं। ग्ले पर थ्री लेयर नेकलेस अलग से ही फैंस का ध्यान खींच रहा है। न्यूड मेकअप और खुले बालों से लुक को कंप्लीट करती एक्ट्रेस की ब्यूटी देखते ही बन रही है। अपने गॉर्जियस लुक से फैंस का दिल धड़काती हुई शिल्पा कैमरे के सामने एक से बढ़कर एक पोज दे रही हैं।

माहिरा खान ने लूटी महफिल

सुपरस्टार शाहरुख खान की फिल्म रईस की एक्ट्रेस माहिरा खान दूसरी शादी के बाद पति सलीम करीम सुहाने पल बिता रही हैं। एक्ट्रेस ने 1 अक्टूबर को बॉयफ्रेंड सलीन से व्हाइट वेडिंग की थी। वहीं शादी के बाद कपल ने एक पार्टी होस्ट की, जहां एक्ट्रेस अपने पति के साथ रोमांटिक होती नजर आईं। पार्टी से माहिरा की तस्वीरें अब सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। पार्टी की तस्वीरें न्यूली वेड माहिरा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की हैं। फोटोज में एक्ट्रेस फ्लोरल प्रिंट रेड लहंगा चोली के साथ रेड दुपट्टा लिए माशाल्लाह लग रही हैं। लाल चूड़ियों और बिग साइज इयररिंग्स से उन्होंने पूरा किया। स्लीक पोनीटेल, रेड लिप्स और आइलाइनर के साथ न्यूड मेकअप में माहिरा का हुस्न देखते ही बन रहा है। पहली तीन तस्वीरों में माहिरा अपने हुस्न का जादू बिखेरती नजर आ रही हैं। जबकि चौथी फोटो में वह अपने पति संग रोमांटिक होती दिख रही हैं।

बीच पर प्रेग्नेंट आशका का एक्रो योगा पोज

एक्ट्रेस आशका गोराडिया इस समय अपनी प्रेग्नेंसी लाइफ को एंजॉय कर रही हैं। प्रेग्नेंसी के दौरान आशका लगातार फैंस के साथ अपने जीवन की अनमोल झलकियां शेयर करता रहता है। हाल ही में आशका ने अपने पति के साथ एक शानदार ट्रांज़िशन वीडियो शेयर किया है। वीडियो में दोनों को दो अलग-अलग समय सीमा पर एक्रो योगा पोज करते हुए देखा जा सकता है। वीडियो का पहला पार्ट उनकी प्रेग्नेंसी से पहले का था। दूसरे पार्ट में कपल को हालिया समय में योग मुद्रा करते हुए देखा जा सकता है। इसके अलावा ब्रेंट द्वारा हवा में उठाए जाने के दौरान आशका को अपने फुल ग्रो बेबी बंप को फ्लॉन्ट करते देखा गया। इसे शेयर करते हुए प्यारी मां ने भविष्य के बारे में भी बात की और लिखा- फ्लैशबैक और वर्तमान (अतिरिक्त किलो और बराबर ताकत के साथ) भविष्य में एक छोटा बच्चा होगा, डैडी बी के पास उठाने के लिए बहुत कुछ है! मजबूत डैड।

सूडोकु नवताल- 6581

★★★★★ कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6580 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7328

शा	स	दौ	जॉ	न	अ	ब्रा	ह	म	ल्ली	क
ग	ह	ह	ग	ला	अ	जै	जी	ग	झ	क
स	क	रु	म	ह	झ	की	ना	ण	घ	को
ल	इ	ल	ख	हैं	प	श्रॉ	ला	र	ला	न
मा	श्क	ल	प	खा	रा	फ	गी	ण	ग	म
न	दा	ल	श	सं	न	ही	रं	व	ला	स
वि	वे	क	ओ	बे	रॉ	य	दे	या	ज	न्नी
अ	मि	ता	भ	ला	गु	य	रा	य	प	दे
ऋ	र	ल	प	व	ज	ना	ल	ओ	के	ओ
क	ति	ल	प	अ	या	दि	व्य	ब	स	ल
ज	जं	क	प	ख	सं	ज	य	द	त्त	म

शब्द जाल में 10 अभिनेताओं के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

शाहरुख खान, सलमान, ऋतिक, विवेक ओबेरॉय, सन्नी देओल, जॉन अब्राहम, अजय देवगन, अमिताभ, संजय दत्त, जैकीश्रॉफ .

शब्दजाल - 7327 का हल

त	स	ही	त्म	ली	अ	ल	बे	ला	प	दे
क	अ	अ	रो	त	अ	ला	र	न	र	जू
आ	स	शौ	क	ही	न	भि	द	गू	जू	वत
गे	अ	की	आ	र	रा	गु	अं	प	दे	ल
की	अ	न	त	अ	ला	ला	न	श	मा	क
सो	चा	ल	बा	ज	न	द	ल	ल	व	त
च	अ	सौ	र	जा	ला	गु	गो	प	दे	आ
ह	पु	मो	व	दो	वा	द	ह	झू	वी	ग
क	ष्प	ह	व	प	जा	द	व	प	र	र
र	क	ब्ब	फा	प	स	सू	ह	वि	बा	क
स	बा	तें	व	न	ज	द	स	गा	ह	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6281

3		1	4	7		
6	35	5	30		25	
		2			1	
1	33		31	4	29	2
	6		1	5		
4	33	3	31	6	37	6
		7			6	3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6280 का हल

5	7	2	4	3	6	1
3	31	1	23	6	32	2
6	3	4	1	2	7	5
1	30	6	33	4	36	4
2	1	7	4	5	6	3
7	35	3	35	7	37	6
4	6	5	3	1	2	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

चोटिल सुशीला चानू को एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में विश्राम; हॉकी में 20 सदस्यीय महिला टीम घोषित

नई दिल्ली ।

अनुभवी मिडफील्डर सुशीला चानू को चोटिल होने के कारण 27 अक्तूबर से पांच नवंबर तक रांची में होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) के लिए आराम दिया गया है। उन्हें 20 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम में जगह नहीं दी गई है। रियो ओलंपिक में भारत की अगुवाई करने वाली सुशीला हाल में हांगझोऊ एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थी। हॉकी इंडिया के सूत्रों ने बताया कि सुशीला जल्द ही डॉक्टर से मिलकर अपनी चोट की स्थिति का पता लगाएगी।

सूत्रों ने कहा, 'सुशीला को विश्राम दिया गया है क्योंकि वह चोटिल हैं। उन्हें डॉक्टर को दिखाने की जरूरत है। सुशीला टीम की महत्वपूर्ण सदस्य हैं और उनका आगामी टूर्नामेंटों से पहले फिट होना जरूरी है।' बलजीत कौर को सुशीला की जगह टीम में लिया गया है। एशियाई खेलों की टीम में शामिल वैष्णवी विट्ठल फाल्के को शर्मिला देवी के साथ बैकअप विकल्प के रूप में रखा गया है। सुशीला के अलावा गोलकीपर सविता के नेतृत्व वाली टीम में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है। डिफेंडर दीप ग्रेस एक्का पहले की तरह टीम की उप कप्तान बनी रहेगी।

पहला मैच 27 को थाईलैंड से – एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में भारत के अलावा जापान, चीन, कोरिया, मलयेशिया और थाईलैंड अन्य भाग लेने वाले देश हैं। भारत अपने अभियान की शुरुआत 27 अक्तूबर को थाईलैंड के खिलाफ करेगा। इसके बाद वह मलयेशिया (28 अक्तूबर), चीन (30 अक्तूबर), जापान (31 अक्तूबर) और कोरिया (2 नवंबर) के खिलाफ मैच खेलेगा।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कोच यानेक शोपमैन ने कहा, 'लय बनाए रखना और टीम के रूप में सुधार जारी रखना महत्वपूर्ण है। हमने एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करके कांस्य पदक जीता था और आगामी टूर्नामेंट में हमें अपने एशियाई प्रतिद्वंदियों के खिलाफ अपनी स्थिति में सुधार करने का एक और मौका मिलेगा।'

टीम इस प्रकार है

गोलकीपरः सविता (कप्तान), बिचू देवी खारीबाम, **रक्षक :** निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी, दीप ग्रेस एक्का (उप-कप्तान) **मध्यपंक्तिः** निशा, सलीमा टेटे, नेहा, नवनीत कौर, सोनिका, मोनिका, ज्योति, बलजीत कौर **अग्रिम पंक्ति :** लालरेम्सियामी, संगीता कुमारी, दीपिका, वंदना कटारिया, **बैकअप खिलाड़ीः** शर्मिला देवी, वैष्णवी विट्ठल फाल्के।

न्यूज ब्रीफ

सूर्यकुमार की जब भी जरुरत होगी उसे शामिल करेंगे : विक्रम राठौड़

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ ने कहा कि आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार

यादव ही जब भी टीम को जरुरत महसूस होगी। उन्हें अंतिम ग्यारह में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन का मानना है कि सूर्यकुमार को सही समय पर अवसर मिलना चाहिए। हमें हर किसी का समर्थन करने की जरूरत है। जो कोई भी खेल रहा है उसे पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। अगर ऐसी स्थिति है जहां हमें लगता है कि सूर्या को होना चाहिए तो हम निश्चित रूप से उसे जगह देंगे। वहीं कहा कि विकेटकीपर बल्लेबाज के एल राहुल पांचवें नंबर पर ही खेलते रहेंगे। साथ ही कहा कि राहुल को नंबर 4 पर आने की कोई योजना नहीं है क्योंकि वह अपने 5वें स्थान पर बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। राहुल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में 97 रन बनाकर टीम को जीत दिलाई थी जिसके बाद ही उन्हें बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजने की बातें कही जा रहीं थीं। वहीं बल्लेबाजी कोच ने कहा कि नहीं, फिलहाल नहीं क्योंकि वह नंबर 5 पर बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और श्रेयस ने नंबर 4 पर हमारे लिए वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए कोई प्रलोभन नहीं है। वहीं, सूर्यकुमार यादव पर बल्लेबाजी कोच ने कहा कि अगर थिंक टैंक को टूर्नामेंट के दौरान किसी भी समय ऐसा करने की जरूरत महसूस हुई तो वह इस बल्लेबाज को टीम में लाएंगे।
वहीं कहा कि शुभमन गिल की अनुपस्थिति में ईशान किशन ही पारी की शुरुआत करते रहेंगे। राठौर ने कहा कि उन्होंने पहले भी कई बार पारी की शुरुआत की है। यही कारण है कि वह टीम में हैं। हम जानते थे कि वह शीर्ष पर बल्लेबाजी के साथ ही मध्य क्रम में भी खेल सकते हैं।

महिला क्रिकेट का घरेलू सत्र 19 से, मंधाना महाराष्ट्र से खेलेंगी

नई दिल्ली । महिला क्रिकेटर स्मृति मंधाना के घरेलू सत्र में महाराष्ट्र की ओर से खेलने की संभावना

है। ये 19 अक्टूबर से अगले साल 26 जनवरी तक आयोजित होगा इसी कारण मंधाना ने महिलाओं की बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) से भी नाम वापस ले लिया था। तब मंधाना ने कहा था कि वह आगामी घरेलू सत्र पर ध्यान लगाना चाहती हैं और साथ ही आगे के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय वर्ष के लिए अपने कार्यभार का प्रबंधन करना चाहती हैं। वहीं डब्ल्यूबीबीएल में भारत की हरमनप्रीत (मेलबर्न रेनेगेड्स) और जेमिमा (मेलबर्न स्टार्स) से खेलेंगी। मंधाना पिछले साल भी डब्ल्यूबीबीएल में शामिल नहीं हुई थीं।
रिपोर्ट के अनुसार डब्ल्यूबीबीएल 19 अक्टूबर से दो दिसंबर तक चलेगा। इसके लिए इंग्लैंड विदेशी खिलाड़ियों के ड्राफ्ट पूल में सबसे आगे हैं जिसकी 35 खिलाड़ी इसमें शामिल हैं। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका 20 खिलाड़ियों से दूसरे नंबर पर है जिसमें करिश्माई सलामी बल्लेबाज लौरा वोलवार्ट, लिजेल ली और शबनीम इस्माइल मौजूद हैं।

IND v/s PAK मैच से पहले मिली खुशखबरी, नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर हमले की धमकी देने वाला हुआ गिरफ्तार

अहमदाबाद। अहमदाबाद अपराध शाखा ने नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में विस्फोट की धमकी देने वाले एक हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार किया है। उसने यह धमकी ईमेल भेजकर दी थी। आरोपित का नाम करण मावी है। उसे राजकोट से गिरफ्तार किया गया। बीसीसीआई को एक धमकी भरा मेल भेजा गया था। आरोपित ने इसमें लिखा था कि 14 अक्टूबर 2023 को मोटेरा इलाके में स्थित नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में विस्फोट होगा, जिससे हर व्यक्ति कांप उठेगा। अपराध शाखा के अनुसार, वह मध्य प्रदेश के धार जिले का मूल निवासी है। मावी को इससे पहले 2018 में दुष्कर्म, मानव तस्करी और आपराधिक धमकी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसके खिलाफ धार के धामनोद पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया था। अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में 14 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच मैच खेला जाएगा। इसे लेकर इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्मों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। गुजरात पुलिस ने 29 सितंबर को धमकी देने के लिए प्रतिबंधित संगठन सिख फार जस्टिस (एसएफजे) के प्रमुख गुरपतवंत सिंह पन्नू के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी।

एशियाई खेल 2023

भारत ने छुई नई ऊंचाइयां तो पाकिस्तान गर्त में पहुंचा

नई दिल्ली ।

एशियाई खेल 2023 का समापन हो चुका है। भारतीय एथलीट देश वापस लौट चुके हैं, जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर खेलमंत्री अनुराग ठाकुर और सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने सभी खिलाड़ियों का स्वागत किया। हालांकि, पड़ोसी देश पाकिस्तान में ऐसा कुछ नहीं हुआ। एशियाई खेल 2023 में पाकिस्तान ने कुल तीन पदक हासिल किए हैं। इनमें एक रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं। इस प्रतियोगिता में पाकिस्तान ने आखिरी स्वर्ण 2014 में जीता था। वहीं, भारत ने इसी साल 28 स्वर्ण पदक जीते हैं। मौजूदा समय में पाकिस्तान का प्रदर्शन भले ही भारत की तुलना में बेहद खराब हो, लेकिन एक समय ऐसा भी था, जब पाकिस्तान भारत से दोगुने पदक जीता था। यहां हम हर एशियाई खेल में दोनों देशों का प्रदर्शन दिखा रहे हैं।

भारत निखरा, पाकिस्तान बिखरा

एशियाई खेलों में दोनों देशों के पदकों की संख्या

भारत	साल	पाकिस्तान
13	1958	26
28	1978	17
35	1998	15
65	2010	8
70	2018	4
107	2023	3

1951 में पहली बार एशियाई खेलों का आयोजन हुआ था। नई दिल्ली में आयोजित प्रतियोगिता में भारत ने 51 पदक जीते थे। पाकिस्तान ने इस प्रतियोगिता में भाग नहीं लिया था। इसके बाद 1954 में भारत के प्रदर्शन में गिरावट आई और भारत की झोली में सिर्फ 17 पदक आए। वहीं, पाकिस्तान ने पहली बार एशियाई खेलों में भाग लिया और 13 पदक जीते। 1958 में भारत ने एशियाई खेलों में अपना सबसे खराब प्रदर्शन किया और सिर्फ 13 पदक जीत पाया। इस बार पाकिस्तान ने भारत से ठीक दोगुने 26 पदक जीते। इसके बाद 1962 में पाकिस्तान ने 28 और भारत ने 33 पदक जीते। 1970 से पाकिस्तान के प्रदर्शन में गिरावट शुरू हुई और भारत का प्रदर्शन लगातार निखरता गया।

साल 2002 तक पाकिस्तान 10 के करीब पदक जीतता रहा, लेकिन कभी यह संख्या 17 के पार नहीं गई। वहीं, भारत इस दौरान लगातार अपना प्रदर्शन बेहतर करता रहा। आमतौर पर 20 से 30 पदक जीतने वाले भारत ने 1982 में 57 पदक जीते। यह उस समय देश का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। 1998 से भारत के पदक जीतने की निरंतरता बेहतर हुई और पदकों की संख्या 30 से ऊपर रहने लगी।

2002 के बाद आया बड़ा अंतर

2006 एशियाई खेलों में भारत ने 53 पदक जीते। वहीं, पाकिस्तान को सिर्फ चार पदक मिले। इसके बाद से हर बार भारत ने 50 से ज्यादा पदक जीते। 2018 में एक बार फिर भारत ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और 70 पदक अपने नाम किए। वहीं, पाकिस्तान का प्रदर्शन लगातार गिरता रहा। 2018 में भी पाकिस्तान को सिर्फ चार पदक मिले। 2023 में कहानी पूरी तरह बदल गई। भारत ने पहली बार पदकों का शतक लगाया और 107 पदक जीते। वहीं, पाकिस्तान सिर्फ तीन पदक जीत पाया। पाकिस्तान ने 2002 में 13 पदक जीते थे। इसके बाद से यह देश एशियाई खेलों में कभी दहाई का आकड़ा नहीं छू पाया है। अब तक पाकिस्तान ने इस प्रतियोगिता में सिर्फ 44 स्वर्ण जीते हैं, जबकि भारत 2023 में ही 28 स्वर्ण जीतने में कामयाब रहा है।

एशियाई खेलों में पाकिस्तान ने कुल 44 स्वर्ण, 64 रजत और 99 कांस्य पदक जीते हैं। कुल मिलाकर पाकिस्तान ने 207 पदक जीते हैं और एशियाई खेलों में इस देश की औसतन रैंक 18 है। वहीं, भारत ने एशियाई खेलों में अब तक 183 स्वर्ण, 239 रजत और 357 कांस्य पदक जीते हैं। भारत की झोली में कुल 779 पदक हैं और प्रतियोगिता में भारत की औसतन रैंक पांच है।

अकरम, मलिक सहित पूर्व दिग्गज बोले-

रोहित शर्मा की पारी देखकर पाकिस्तान टीम पर पड़ेगा दबाव

लाहौर ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने जिस प्रकार अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले में आक्रामक बल्लेबाजी की है। उसकी पाकिस्तान के पूर्व दिग्गज बल्लेबाजों ने जमकर सराहना की है। उनका कहना है कि इससे पाक टीम भारत के खिलाफ शनिवार को होने वाले मुकाबले को लेकर दबाव में रहेगी। अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबले में रोहित जबरदस्त लय में नजर आये और उन्होंने पारी की शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी शुरु कर दी। रोहित के सामन अफगान गेंदबाजों की एक न चली। उन्होंने केवल 84 गेंदों पर 16 चौकों और पांच छक्कों की मदद से 131 रनों की पारी खेली। रोहित की पारी देखकर पाक प्रशंसकों की धड़कने भी बढ़ गयी हैं।

पाक के पूर्व क्रिकेटर वसीम अकरम ने रोहित की जमकर प्रशंसा की है। अकरम ने कहा, 'भारत ने जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह लाजवाब है, उन्होंने कोई अवसर नहीं दिया। ऐसा लगता है कि रोहित के पास दूसरे बल्लेबाजों की तुलना में ज्यादा समय होता है। उन्हें बल्लेबाजी करते हुए देखना आनंददायक होता है। वहीं शोएब मलिक रोहित जब मैच में टॉस के लिए आए थे तभी वह अतिरिक्त आत्मविश्वास से भरे थे। साथ ही कहा कि जब भी आप पहला मैच बड़ी टीम से खेलते हैं और जीतते हैं। जैसा कि वे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले और जीते, इसके बाद आप अलग आत्मविश्वास लेकर अगली टीम के खिलाफ उतरते हैं। इसके अलावा पाकिस्तान टीम के पूर्व कप्तान मिस्बाह उल हक ने कहा, 'यह बल्लेबाजी देखने के बाद मुझे लगता है कि जिन टीमों को आगे खेलना है, पाकिस्तान को आगे भारत से खेलना है, वे निश्चित रूप से दबाव में होंगी। गेंदबाजों को को समझ में ही नहीं आएगा कि गेंद फेंकनी हैं।

विराट ने सचिन का सबसे अधिक अर्धशतक का रिकार्ड तोड़ा

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने गत दिवस दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में अपना अर्धशतक पूरा करते ही महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का एक रिकार्ड तोड़ दिया। विराट ने इसी के साथ ही सबसे अधिक 46 अर्धशतक लगा दिये। वहीं सचिन के नाम 45 अर्धशतक का रिकार्ड था। विराट ने लक्ष्य का पीछा करते हुए सबसे अधिक अर्धशतक लगाये हैं। वहीं सचिन दूसरे ओर रोहित शर्मा 38 अर्धशतकों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं। जैक्स कैलिस ३७ अर्धशतक के साथ ही चौथे और रिकी पोंटिंग 37 अर्धशतक के साथ पांचवे नंबर पर हैं। भारतीय टीम के कप्तान रोहित ने लक्ष्य का पीछा करते हुए रिकॉर्ड 38 बार 50 से अधिक रन बनाये हैं। रोहित अब एकदिवसीय विश्व कप में 1000 रन तक पहुंचने वाले संयुक्त रूप से सबसे तेज बल्लेबाज बन गये हैं।

फिलिस्तीनी लोगों के समर्थन में किये ट्वीट से भड़के लोग, आईसीसी ने कहा

मैदान से बाहर का मामला, रिजवान पर नहीं कर सकते कार्रवाई , ये उनके बोर्ड का मामला

दुबई ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि विश्वकप मुकाबले के बाद फिलिस्तीन के पक्ष में ट्वीट करने वाले पाकिस्तान के क्रिकेटर मोहम्मद रिजवान पर हम कोई कार्रवाई नहीं कर सकते क्योंकि ये मैदान से बाहर का मामला है।

आईसीसी ने कहा कि इस मामले में जो भी कार्रवाई करनी है वह उनके क्रिकेट बोर्ड को करनी चाहिये। यह मामला पाक और श्रीलंका के बीच मुकाबले का है जिसमें शतक लगाने के बाद रिजवान ने कहा था कि मेरी ये पारी फिलिस्तीनी लोगों को समर्पित है। इससे बाद से ही सोशल मीडिया पर उनकी जमकर आलोचना हुई है और बीसीसीआई वह आईसीसी से रिजवान के खिलाफ कार्रवाई की मांग की जा रही।

रिजवान ने सोशल मीडिया पर लिखा, यह गाजा में हमारे भाइयों और बहनों के लिए था। जीत में योगदान देकर खुश हूं। इसे आसान बनाने के लिए पूरी टीम और विशेष रूप से अब्दुल्ला शफीक और हसन अली को श्रेय। अद्भुत आतिथ्य और समर्थन के लिए हैदराबाद के लोगों का बहुत आभारी हूं।

रिजवान के इस ट्वीट के बाद आईसीसी से कार्रवाई की मांग होने लगी है। रिजवान के मुद्दे पर भी आईसीसी के एक्शन की मांग हुई। इसपर आईसीसी की तरफ से कहा गया कि यह खेल के मैदान के बाहर से का है, उनके क्षेत्र में नहीं है। यह व्यक्ति और उसके क्रिकेट बोर्ड का मामला है।

रिजवान की आलोचना करते हुए कहा कि जिस प्रकार हमास के आतंकवादियों ने इजरायल में घुसकर लोगों की जानें लीं और कई लोगों को बंधक बनाकरक हत्यायें शुरु की है उसको देखते हुए रिजवान का ये बयान आतंकवाद को समर्थन देने का मामला है।

नेरवा उत्सव में खेल प्रतियोगिताएं रहेंगी आकर्षण का केंद्र, खिलाड़ी ट्रॉफी व नगद इनाम के लिए बहाएंगे पसीना

नेरवा/ शिमला।

शिमला के नेरवा में होने वाले नेरवा उत्सव के आयोजन की तैयारियां शुरू हो गई हैं। नेरवा उत्सव में कबड्डी और वॉलीबॉल प्रतियोगिता में हिमाचल व साथ लगते पड़ोसी राज्यों के खिलाड़ी भी ट्रॉफी और नगद इनामों के लिए पसीना बहाएंगे। आयोजन को लेकर क्षेत्र के लोगों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है।

दूसरे राज्य से आए खिलाड़ी लेंगे भाग– आयोजकों के अनुसार कबड्डी प्रतियोगिता में हिमाचल के साईं हॉस्टल, हिमाचल प्रदेश सचिवालय और नालागढ़ के अलावा पंजाब के राजपुरा, यूपी के सहारनपुर और पड़ोसी राज्य उत्तराखंड के खिलाड़ी जीत के लिए जोर-आजमाइश करेंगे।

महिला रस्साकस्सी और सांस्कृतिक कार्यक्रम रहेंगे मुख्य आकर्षण–वॉलीबाल में उपमंडल चौपाल की कई धाकड़ टीमों के आलावा रोहड़ू, छौहारा एवं नंदपुर की टीमों पर लोगों की विशेष नजर रहेगी। इसके अलावा पंचायत स्तर की महिला रस्साकस्सी और सांस्कृतिक कार्यक्रम नेरवा उत्सव के मुख्य आकर्षण रहेंगे।

कबड्डी और वॉलीबाल के लिए इतना देना होगा प्रवेश शुल्क – आयोजन समिति के उपाध्यक्ष दिनेश घुंटा एवं महासचिव हेमंत ठाकुर ने बताया कि कबड्डी और वॉलीबाल के लिए प्रवेश शुल्क 1500 रुपये प्रति टीम एवं रस्साकस्सी के लिए 1100 रुपये प्रति टीम रहेगा, जबकि सांस्कृतिक कार्यक्रम में पंचायत स्तर के दल निशुल्क भाग ले सकेंगे।

13 अक्टूबर तक जमा कराना होगा प्रवेश शुल्क – प्रतियोगिता में भाग लेने की इच्छुक टीमों को 13 अक्टूबर तक प्रवेश शुल्क जमा करवाना होगा, अन्यथा इसके बाद प्रतियोगिता में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

किसी भी विवाद की स्थिति में कमेटी का निर्णय अंतिम एवं मान्य रहेगा। उन्होंने व्यापार मंडल नेरवा, नगर पंचायत नेरवा, स्थानीय प्रशासन एवं लोगों से नेरवा उत्सव को सफल बनाने का अनुरोध किया है।

फिटनेस ट्रायल के दौरान हुआ था अस्वस्थ

सिंगापुर स्पोर्ट्स स्कूल में भारतीय मूल के छात्र की मौत

सिंगापुर।

सिंगापुर के एक स्पोर्ट्स स्कूल में भारतीय मूल के एक छात्र की पिछले सप्ताह फिटनेस ट्रायल के बाद अस्वस्थता महसूस होने के बाद मृत्यु हो गई। स्कूल ने कहा है कि वह 14 वर्षीय छात्र की मौत की विस्तृत जांच शुरू कर रहा है।

रिपोर्ट के अनुसार, प्रणव मधाइक को 5 अक्टूबर को 400 मीटर फिटनेस टाइम ट्रायल के बाद अस्वस्थता महसूस हुई, जिसमें कहा गया कि प्रणव सिंगापुर बैडमिंटन एसोसिएशन (एसबीए) के राष्ट्रीय इंटरमीडिएट टीम का हिस्सा थे, जो होनहार खिलाड़ियों के लिए एक युवा प्रशिक्षण कार्यक्रम है।

14 साल के छात्र की हुई मौत

प्रणव को नेशनल यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल ले जाया गया जहां उनकी मौत हो गई। बुधवार की शाम को अंतिम संस्कार समारोह आयोजित किया गया।

सिंगापुर स्पोर्ट्स स्कूल के हवाले से कहा, हम घटना की विस्तृत जांच करेंगे और अपने सुरक्षा प्रोटोकॉल की गहन समीक्षा करेंगे और माता-पिता को हर अपडेट देंगे।

स्कूल ने कहा, चूंकि जांच जारी है, इसलिए हम इस बिंदु पर अधिक जानकारी देने में अभी सक्षम नहीं हैं। हम दुख की इस घड़ी में परिवार को गोपनीयता देने के लिए जनता की समझ चाहते हैं।

प्रणव के निधन से गहरा दुख है- स्कूल

स्कूल ने कहा कि वह प्रणव के निधन से 'गहरा दुःख' है और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करता है। इसमें कहा गया है कि प्रणव एक आदर्श छात्र और एथलीट थे, जिन्होंने बैडमिंटन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था और उनका चरित्र अनुकरणीय था। वह हंसमुख और खुशमिजाज थे और अपने प्रशिक्षण और पढ़ाई के प्रति हमेशा सकारात्मक रुख बनाए रखते थे।

वह एक होनहार युवा एथलीट थे और उन्होंने कई राष्ट्रीय आयु-समूह प्रतियोगिताएं जीती हैं। उन्हें उनके साथियों, शिक्षकों और प्रशिक्षकों द्वारा भी काफी पसंद किया जाता था। स्कूल ने कहा कि वह प्रणव के परिवार को समर्थन देना जारी रखेंगे।

स्कूल ने कहा, हमारे स्कूल के परामर्शदाता और कर्मचारी भी इस कठिन अवधि के दौरान प्रभावित छात्र-एथलीटों, प्रशिक्षकों और कर्मचारियों को सहायता प्रदान कर रहे हैं, स्कूल ने कहा कि उसके छात्रों की निरंतर भलाई उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

एम्बुलेंस के अस्पताल जाने के बाद दी गई माता-पिता को जानकारी

स्कूल के फेसबुक पेज पर एक मृत्युलेख के अनुसार, सिंगापुर के छात्र के माता-पिता प्रेम सिंह मधाइक और रीता मधाइक हैं। उनके दो भाई प्रत्यूष मधाइक और प्राकृत मधाइक भी थे।

प्रणव के चाचा राज वर्मा ने कहा कि लड़के के माता-पिता को घटना की जानकारी तब दी गई जब एम्बुलेंस अस्पताल जा रही थी।

सीएनए ने वर्मा के हवाले से कहा, 'जब तक डॉक्टर ने उन्हें देखा, उनके अधिकांश अंग पहले से ही काम नहीं कर रहे थे।'

चाचा के अनुसार, किशोर की बाईपास सर्जरी हुई और उसके पैर का एक और ऑपरेशन हुआ।

एसबीए के सीईओ एलन ओउ ने कहा, एसबीए परिवार को सहायता और सहायता प्रदान कर रहा है और वे प्रणव को विदा करने की तैयारी कर रहे हैं।

जिम के कपड़ों से आने वाले बैक्टीरिया से कैसे बचें

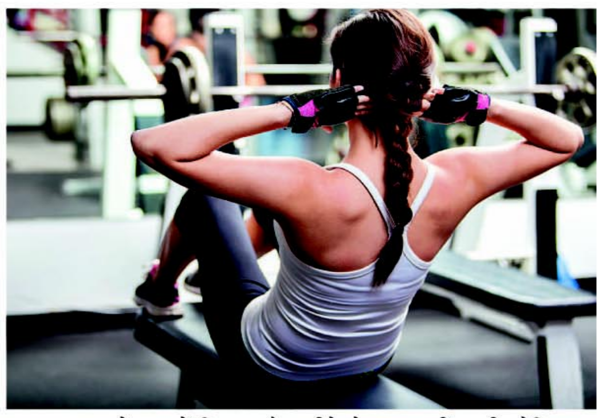

हम आपको बता दें कि आपके पसीने से बदबू नहीं आती, लेकिन यह बैक्टीरिया त्वचा के संपर्क में आते हैं तो बदबू आने लगती है। हालांकि नए कपड़े पसीने को त्वचा से दूर करने में अच्छी तरह से काम करते हैं, लेकिन इनमें बैक्टीरिया के पनपने की संभावना भी बढ़ जाती है। इससे बचने का एकमात्र तरीका है सफाई और सही रखरखाव।

तकनीकी कपड़ों के लिए इस्तेमाल होने वाले पॉलिएस्टर बैक्टीरिया को पसंद होते हैं। फाइबर की अद्वितीय बुनाई बैक्टीरिया को छिपने का स्थान देती है। यहां तक कि नियमित रूप से धोने के बाद भी बैक्टीरिया दूर नहीं होता। और चीजें निश्चित रूप से और भी खराब हो जाती है, अगर आप एक्सरसाइज के पसीने से तर कपड़ों को जिम बैग में रख देते हैं। चाहे फिर वह केवल कुछ घंटों के लिए ही क्यों न हो। अधिकांश लोगों को रखरखाव के स्तर का पता नहीं होता, जबकि इस नए मैटीरियल बदबू फ्री रखना बहुत जरूरी होता है। इसलिए जिम जाने वालों को अपने पसीने से तर एक्सरसाइज के कपड़े क्लीनिंग के तीन स्टेप से साफ करें।

पहले खंगाले और फिर हवा में डालें

तत्काल ध्यान देना किसी भी समस्या की कुंजी होती है। वर्कआउट के कपड़ों को पानी से निकालकर तुरंत बाहर हवा में डाले। बाहर की ताजी और

खुली हवा कपड़ों को न केवल सुखाएगी, बल्कि उनमें से बदबू भी हटा देगी। हालांकि तुरंत ऐसा करना अजीब लग सकता है, लेकिन यह पसीने और बैक्टीरिया को बाहर निकालने में मदद करता है। इसलिए एक्सरसाइज के बाद कपड़ों को बैग में रखना ठीक है, लेकिन घर जाने के तुरंत बाद इसे धोना सही रहता है। अगर घर जाते ही ऐसा करना संभव नहीं है तो कम से कम कपड़ों को शुष्क हवा में रख दें। कपड़े धोने के कमरे में फर्श पर नम कपड़ों का ढेर एक व्यवहार्य विकल्प नहीं है।

इन चीजों से पॉवर वॉश करें

धोने के पानी में 1 कप सफेद सिरका और 1 चम्मच बेकिंग सोडा मिला दें। यह कपड़ों से बैक्टीरिया को दूर करने में मदद करता है। अगर फिर भी बदबू आ रही है तो कपड़ों को 1 कप सफेद सिरका, 2 चम्मच हाइड्रोजन पेरोक्साइड और 2 चम्मच बेकिंग सोडा वाले पानी में एक घंटे तक भिगोकर रख दें। फिर सफेद सिरके और बेकिंग सोडा के साथ धो लें।

अपने प्रयासों पर पानी मत डालें

जिम के कपड़ों के साथ फैब्रिक सॉफ्टनर और ड्रायर शीट के प्रयोग से बचें, क्योंकि यह कपड़ों पर कोटिंग छोड़ सकता है। और कभी-कभी अपने जिम बैग को भी धोना चाहिए क्योंकि इस बैग में जिम के लिए पानी की बॉटल, कपड़े, ग्लव्स, जूते, टॉवेल, आदि कई सामान होते हैं। आप इस बैग में पसीने वाले कपड़े भी रखते हैं। पसीने के कारण इनमें भी बैक्टीरिया पनपते हैं। इनके कारण ही त्वचा पर संक्रमण फैलने की अधिक संभावना होती है। इसके लिए सबसे पहले टैग की जांच करें, अगर आपका बैग मशीन में धो सकते हैं तो अंदर से बाहर मोड़कर, इसमें मौजूद किसी भी मैटल हिस्से को हटा दें। फिर इसे मशीन को डेलिकेट मोड पर करके धो लें और सुखाने के लिए हवा में बाहर डालें। लेकिन अगर आपका बैग चमड़े का है तो इसमें अखबार रखकर बदबू को बेअसर कर सकते हैं।

पेट के कैंसर से बचा सकता है बैंगनी आलू

बैंगनी आलू को अपने भोजन में शामिल कर आप पेट के कैंसर से बच सकते हैं। बैंगनी आलू पेट के कैंसर के लिए जिम्मेदार स्टेम कोशिकाओं को नष्ट कर देते हैं तथा इस घातक बीमारी को फैलने से रोकते हैं। अमेरिका की पेन्सिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी में खाद्य विज्ञान के सहायक प्रोफेसर जयराम वानामाला ने बताया कि कैंसर का मुकाबला करने के लिए स्टेम कोशिकाओं पर हमला करना एक प्रभावी तरीका है।

क्यों आते हैं खर्राटे

कई बार वायुमार्ग के पास अतिरिक्त टिश्यू जमा हो जाते हैं जिससे वायु के प्रवाह में रुकावट आती है। इससे सांस सामान्य रूप से नहीं आता और खर्राटे की समस्या शुरू हो जाती है। वहीं खुले मुंह से खर्राटे लेने का संबंध गले के टिश्यू से हो सकता है। इसी तरह गर्भावस्था के दौरान भी गले में फैटी टिश्यू जमा होने के कारण कुछ महिलाएं खर्राटे लेती हैं। सर्दी या एलर्जी के कारण आने वाले खर्राटे अस्थायी होते हैं।

सामान्य डिलीवरी के लिए हैं ये योगासन

आज सामान्य और सेहतमंद तरीके से बच्चे को जन्म देना आसान नहीं है। इसके लिए आपको पूरी तैयारी करनी पड़ेगी। आजकल का खानपान और व्यायाम के प्रति लापरवाही के चलते सामान्य डिलीवरी अब ना के बराबर हो गई है। इसी के चलते ज्यादातर महिलाओं को ऑपरेशन के द्वारा ही बच्चें को जन्म देना पड़ता है। जो महिला के स्वास्थ्य को कमजोर कर देती है। लेकिन अगर आप सामान्य रूप से डिलीवरी कराना चाहती है तो योगा के इन तीन आसान को नियमित रूप से करें।

पश्चिमोत्तानासन

- यह आसन स्त्रियों के लिए भी लाभकारी है। यह आसन गर्भाशय से सम्बन्धी शरीर के स्नायुजाल को ठीक करता है। इससे गर्भावस्था के दौरान रीढ़ की हड्डी मजबूत होगी और कमर दर्द कम होगा। इससे तनाव कम होगा और मांसपेशियां लचीली होंगी।
- पैर सीधे करके बैठ जाएं और पंजों में हल्की दूरी रखें। अब गहरी सांस लेते हुए दोनों हाथों को उठाएं और सांसे छोड़ते हुए पंजों को छूने की कोशिश करें। अधिक स्ट्रेस न लें और सांसे सामान्य कर लें। दस तक गिने और फिर सीधी अवस्था में आ जाएं। इसे अधिकतम तीन बार करें।
- इस स्थिति में आरामदायक समय तक श्वास-प्रश्वास सामान्य रखते हुए रुकें। इसके बाद श्वास अन्दर लेते हुए हाथ तथा धड़ को धीरे-धीरे ऊपर उठाएं तथा श्वास बाहर निकालते हुए हाथ नीचे ले आएं। पश्चिमोत्तानासन के अभ्यास के बाद रीढ़ को पीछे झुकाने वाले किसी भी आसन का अभ्यास करना चाहिए।

तितली आसन

- तितली आसन को गर्भावस्था के तीसरे महीने से कर सकते है। शरीर के लचीलेपन को बढ़ाने के लिए यह आसन किया जाता है। यह गर्भावस्था के दौरान महिलाओं के यूटेरस की मांसपेशियों को लचीला बनाता है और कमर को मजबूत करता है। इसे करने से शरीर के निचले हिस्से का तनाव खुलता है।

- तितली आसन करने के लिए दोनों पैरों को सामने की ओर मोड़कर, तलवे मिला लें, यानी पैरों से नमस्ते की मुद्रा बननी चाहिए। इसके पश्चात दोनों हाथों की उंगलियों को क्रॉस करते हुए पैर के पंजे को पकड़ें और पैरों को ऊपर-नीचे करें। आपकी पीठ और बाजू बिल्कुल सीधी होनी चाहिए। इस क्रिया को 15 से अधिक बार ना करे। यदि इस क्रिया को करते वक्त आपको कमर के निचले हिस्से में दर्द महसूस होता हो तो इसे बिल्कुल भी न करें।

बद्ध कोणासन

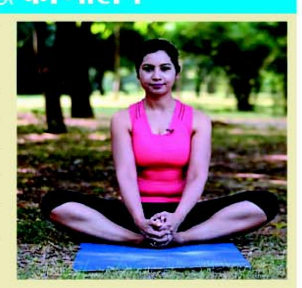

- बिना ज्यादा तकलीफ के सामान्य डिलवरी कराने के लिए गर्भवती स्त्रियों को बद्ध कोणासन करना चाहिए। इस आसन से प्रसव पीड़ा कम होती है।
- समतल स्थान पर कंबल या अन्य कोई कपड़ा बिछाकर दोनों पैरों को सामने की ओर करके बैठ जाएं। फिर दोनों घुटनों को मोड़ते हुए पैरों के पास ले आएं और दोनों पैरों के तलवें आपस में मिलाएं। दोनों हाथों की उंगलियों को आपस में जोड़ लें। पैरों की उंगुलियों को दोनों हाथों से पकड़ लें और रीढ़ को सीधा रखें जैसे तितली आसन में बैठा जाता है। बाजू को सीधा करें और पैरों को ज्यादा से ज्यादा पास लाने का प्रयास करें जिससे आपका शरीर तन जाए।
- यह इस आसन की प्रारंभिक स्थिति है। गहरी सांस भरें और सांस छोड़ते हुए धीरे-धीरे कमर से आगे इस प्रकार झुकें कि रीढ और पीठ की मांसपेशियों में खिंचाव बना रहे। प्रयास करें की आपका सिर जमीन से स्पर्श हो जाए। अगर ये संभव ना हो तो अपनी ठुड्डी को पैरों के अंगूठे से सांस को सामान्य कर लें। अंत में सांस भरते हुए वापस प्रारंभिक स्थिति में आ जाएं। दो या तीन बार इस आसन का अभ्यास करें।

छोटी सांसें यानी ऑक्सीजन की कमी

खिलाड़ी व नियमित व्यायाम करने वालों को छोड़ दिया जाए तो अधिकतर नहीं जानते कि खून में पर्याप्त ऑक्सीजन का अच्छी फिटनेस से कितना गहरा संबंध है। शरीर में स्वस्थ कोशिकाएं एरोबिक होती हैं यानी उन्हें बढ़ने के लिए पर्याप्त ऑक्सीजन की जरूरत होती है। जिस तरह बिना ऑक्सीजन आग नहीं जलती, उसी तरह हमारी कोशिकाएं भी बिना ऑक्सीजन ऊर्जाविहीन हैं। खून में ऑक्सीजन की कमी को हाइपोक्सिमिया कहते हैं। ऐसा दमा, फेफड़े की बीमारी व शरीर में लोहतत्व की कमी पर भी होता है। सांसें छोटी आना, बेचैनी, सिरदर्द, उच्च रक्तचाप और त्वचा का नीला पड़ना भी खून में ऑक्सीजन की कमी से जुड़ा है। धमनियों में से खून के नमूने की जांच करके ऑक्सीजन का स्तर जांचा जाता है।

सेहत का मामला है

खून में पर्याप्त ऑक्सीजन होने से मेटाबॉलिक दर में भी वृद्धि होती है। वह दर, जिससे शरीर भोजन को ऊर्जा में बदलता है। खून में पर्याप्त ऑक्सीजन से कोशिकाओं में टॉक्सिन्स जमा नहीं होते। इतना ही नहीं, शरीर की एरोबिक क्षमता अधिक होने पर हृदय मजबूत होता है, फेफड़े ढंग से काम करते हैं और इम्युनिटी में सुधार होता है। अधिक श्रम के व्यायाम के लिए श्वसनतंत्र की मजबूती जरूरी है।

गहरे श्वास लेना है जरूरी

ऑक्सीजन सांस के जरिए शरीर में जाती है। हवा से ऑक्सीजन को अलग करने का काम फेफड़े करते हैं। ऑक्सीजन फेफड़ों के पास से रक्त नलिकाओं तक पहुंचती है और उसके बाद खून के जरिए कोशिकाओं तक। ऑक्सीजन का सही स्तर बनाए रखने के लिए जरूरी है गहरे श्वास लेना। अधिकतर रक्त नलिकाएं फेफड़ों के निचले हिस्से में होती हैं। छोटे श्वास लेने पर हवा केवल फेफड़ों के ऊपरी हिस्से तक ही पहुंचती है।

खानपान से ऐसे बढ़ाएं ऑक्सीजन

हरी सब्जियां जैसे चुकंदर, लहसुन, ब्रोकली, लेट्यूस, मूली व सीताफल का सेवन अधिक करें। फलों में स्ट्रॉबेरी व ऐवकाडो (रुचिरा) अधिक खाएं। इसके अलावा केला, आलू व टमाटर भी एसिडिटी को कम करते हैं और खून में ऑक्सीजन की कमी को पूरा करते हैं।

- चुकंदर और लेट्यूस मिट्टी से नाइट्रेट अधिक ग्रहण करते हैं। पौधों से मिलने वाले नाइट्रेट, स्टोर किए गए मीट की तुलना में अधिक सेहतमंद हैं। इनमें एंटीऑक्सीडेंट्स भी अधिक होते हैं। शरीर में पहुंच कर ये नाइट्रिक ऑक्साइड बनाते हैं, जिससे ब्लड प्रेशर नियमित होता है और कार्डियोवस्कुलर सिस्टम में सुधार होता है।
- भरपूर पानी व कच्ची हरी सब्जियों का जूस पिएं। यदि आपको अपनी सांसें असामान्य लगती हैं तो आप प्रतिदिन एक गिलास चुकंदर का जूस ले सकते हैं।
- इंटरवल एरोबिक ट्रेनिंग करें। यदि आप केवल चलते हैं तो इसे 40 मिनट की अवधि में पांच-पांच मिनट के इंटरवल में बांट लें। एक मिनट तेज गति से चलें और फिर चार मिनट धीमी गति से। ऐसा 5 से 6 बार दोहराएं।
- श्वसन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए नियमित वजन उठाएं, जिसमें कंधे, पीठ और छाती के व्यायाम शामिल हैं। इनसे श्वास की प्रक्रिया में सुधार होता है। गहरे श्वास लें।

इन तरीकों से
धूम्रपान को कहें अलविदा

सिगरेट की लत के बारे में कहते है कि यह लगती तो आसानी है, लेकिन छूटती आसानी से नहीं है। लेकिन स्मोकिंग से होने वाले नुक्सानों को देखते हुए इसे छोड़ देना ही बेहतर है, और इस लत से छुटकारा भी पाया जा सकता है। बस, जरूरत है तो मजबूत इच्छाशक्ति की। धूम्रपान करने वालों को अक्सर लगता है कि अगर वे धुम्रपान छोड़ देंगे तो उनके जीवन की गुणवत्ता कम हो जाएगी, लेकिन ऐसा सोचना गलत है। जो लोग धूम्रपान से किनारा कर लेते हैं, वे धूम्रपान करने वालों की तुलना में कहीं ज्यादा संतुष्ट, स्वस्थ और खुश रहते हैं। यदि आप कुछ टिप्स आजमाएंगे तो यकीनन आप धूम्रपान की आदत से छुटकारा पा सकते हैं। यहां हम बता रहे हैं आपको कुछ नुस्खे, जिससे आप अपनी आदत छोड़ सकते हैं।

आत्मसंयम

दृढ़ निश्चय के बाद दूसरी सबसे जरुरी चीज जो आपको चाहिए, वो है आत्मसंयम। यदि आप खुद पर कंट्रोल नहीं रख पाएंगे तो सारा किया-धरा धुएं मे उड़ जाएगा। इसलिए आत्मनियंत्रण बहुत जरुरी है। हो सकता है शुरुआत मे दिक्कत आए, लेकिन खुद पर यकीन रखिए कि आप कर सकते हैं। आप अपने परिवार की एक ग्रुप फोटो अपने पास जरूर रखें। जब भी आप सिगरेट पीए, तो धुएं के आर-पार उस फोटो को देखें। धुएं के पार फोटो देखने से आपको लगेगा कि आप सिगरेट पी रहे है, लेकिन धुआं आपका परिवार झेल रहा है। यकीन मानिए धीरे-धीरे आपको अपनी सिगरेट पीने की आदत से चिढ़ होने लगेगी। कभी भी जल्दबाजी या आवेश मे आकर सिगरेट छोड़ने का फैसला न करें। यदि आप तैश मे आकर सिगरेट छोड़ने की कसम खाते हैं, तो यकीनन आपका दिमाग अगले ही पल कसम तोड़ने के बहाने तलाशने लगेगा। इसलिए सिगरेट छोड़ने का फैसला पूरे होश-ओ-हवास में करें।

सिगरेट को समय से जोड़े

अक्सर लोग जब खुश होते है तो सिगरेट पीते है, दुःखी होते है तो सिगरेट पीते है, टेंशन मे होते है तो पीते है। सबसे पहले तो आपको सिगरेट की फ्रिक्वेंसी पर लगाम लगानी पड़ेगी। आठ घंटे या दस घंटे मे एक सिगरेट। यदि आप चेनस्मोकर है तो आठ घंटे की फ्रिक्वेंसी सैट करिए और यदि आप दिन मे कभी कभार पीने वाले है तो 48 घंटे की फ्रिक्वेंसी सही रहेगी। वैसे यह व्यक्ति दर व्यक्ति अलग हो सकती है। स्ट्रैस होने पर सिगरेट पीने का मन करता है। पहले अपने तनाव के कारण खोजें। उन पर विचार करके उनका हल तलाशें। यह सॉल्यूशन अपने मन पसंद कामों से हो सकता है। संगीत सुनना, खेलना, फिल्म देखना, किताबें पढ़ना, सैर-सपाटा या जो कुछ भी आपको पसंद हो, तनाव दूर करने के लिए करें। स्ट्रैस कम रहेगा तो तलब भी कम लगेगी।

ऐशट्रे को साफ मत करिए

आप जितनी चाहे सिगरेट पीजिए, लेकिन अपनी ऐशट्रे को साफ मत करिए, ये आपको याद दिलाती रहेगी कि आपने कितनी सिगरेट पी हैं। यदि आप अलग-अलग जगहों पर सिगरेट पीते है, तो आप बुझी सिगरेट की बट अपने साथ घर ले आएं और घर मे एक गिलास मे सारे बट डालकर रखें, ताकि आपको यह पी हुई सिगरेट की याद दिलाता रहे। जब भी आपके पास खाली समय हो आप इंटरनेट, अखबार या किताब में सिगरेट पीने के बुरे परिणामों वालों लेख जरूर पढ़ें। जिस दिन आप सिगरेट छोड़ने का मन बनाएं, उसी दिन अपना सिगरेट का पुराना स्टॉक सबसे पहले हटाएं। सिगरेट की तलब लगे, जाकर सिर्फ एक सिगरेट लेकर आएं और पीएं। प्रतिदिन पी जाने वाली सिगरेटों की संख्या कम करें। हर बार सिर्फ आधी ही सिगरेट पीएं। सिगरेट के किसी ऐसे ब्रांड को भी ट्राई कर सकते हैं जो आपको बिल्कुल पसंद नहीं। यह भी आपको मदद करेगा।

रेसिपी

आलू पोस्तो

सामग्री

6-7 मध्यम आलू, 1 मध्यम प्याज, 2 हरी मिर्च, पंचफोरन मसाला 1 छोटा चम्मच, एक छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, $1^{1/4}$ छोटा चम्मच नमक, 4 बड़े चम्मच पोस्ता दाना, 3 बड़े चम्मच तेल

विधि

प्याज का छिलका हटकट इसे धो लें। प्याज को बारीक टुकड़ों में काट लें। हरी मिर्च का डंठल हटा कर इसे धो लें। मिर्च को बारीक काट लें और अलग रखें। कटा प्याज: आलू को छीलकर इसे धो लें। अब हर आलू को 8 टुकड़ों में काट लें। कटे हुए आलू के टुकड़े: कड़ाही में 2 बड़े चम्मच तेल गरम करें। गरम तेल में 1 छोटा चम्मच पंचफोरन मसाला डालें। जाम मसाले चटक जाएं और भुन जाएं तब इसमें कटी प्याज डालें। प्याज को गुलाबी होने तक भूनें। प्याज को भूनें में 2-3 मिनट का समय लगता है। अब भूनी प्याज में कटे आलू डालें। आलू को अच्छे से मिलते हुए दो मिनट के लिए भूनें। अब इसमें नमक डालें और आलू को थोड़ा गलने दे। इस प्रक्रिया में लगभग 5-6 मिनट का समय लगता है। यहां आलू को आधा ही गलाना है। आलू और प्याज: अब आलू में हल्दी पाउडर और कटी हुई हरी मिर्च डालें। अच्छे से मिलाएं और आलू के गलने तक पकाएं। हल्दी डालने के बाद: जब तक आलू गल रहे हैं आप थोड़ा सा पानी डालकर पोस्ता दाना को बारीक पीस कर इसका पेस्ट बना लें। अब पोस्तो के पेस्ट को आलू में डालें। पोस्तो का पेस्ट डालने के बाद: पोस्तो के पेस्ट को आलू में अच्छे से मिलाएं। अब एक चम्मच तेल डालें। सभी सामग्री को अच्छे से मिलाएं। ढकक्न लगाकर धीमी आंच पर पोस्तो आलू को दो मिनट पकने दें। आलू पोस्तो: आंच बंद कर दें अब, आलू पोस्तो तैयार है परोसने के लिए। आप इस स्वादिष्ट आलू पोस्तो को रोटी, पूरी, या फिर चावल किसी के साथ भी परोस सकते हैं।

मेवे के लड्डू

सामग्री

बादाम, अखरोट, पेकन 1 कप, काजू 1/4 कप, कटे हुए, खजूर 1 कप, क्रेनबेरी 2-3 बड़े चम्मच, हरी इलायची 4, ब्राउन शक्कर 2 बड़े चम्मच, पानी 1 बड़ा चम्मच, घी1 छोटा चम्मच (वैकल्पिक), कटे हुए मेवे

विधि

हरी इलायची की बाहरी छिलका निकालें और दानों को दरदरा कूट लें। मध्यम आंच पर कड़ाही में कटे हुए बादाम, पेकन, और अखरोट को 3-4 मिनट के लिए भूनें। अब इन्हे अलग रखें। काजू को भी मध्यम आंच पर 2 मिनट भूने और अलग रखें। खजूर के बीज हटाकर इसे बारीक काट लें। फिर से कड़ाही को गरम करें और इसमें दो बड़े चम्मच ब्राउन शुगर और एक चम्मच पानी गरम करें। जब शक्कर पिघल जाए और अच्छे से पानी के साथ मिल जाए तो इसमें कटे हुए खजूर को डालें। 2 मिनट में ही खजूर पिघलना शुरू कर देगा। खजूर के थोड़ा पिघलते ही इसमें भुने अखरोट, काजू, पेकान, और बादाम डालें। अब इलेयची पाउडर डालें। इसे बराबर चलाते हुए मेवे को खजूर के साथ 2-3 भूनें। अब इसमें क्रेनबेरी डालें। अच्छे से सभी सामग्री को मिलाएं। अब अगर आप चाहें तो जरा सा (1 छोटा चम्मच) घी दल सकते हैं इस मिश्रण में खुशबू के लिए। अब आंच बंद कर दें और लड्डू के मिश्रण को थोड़ा ठंडा होने दें। अब लगभग 1 बड़ा चम्मच मिश्रण लें और उसे गोल लोग घूमते हुए लड्डू बांधें। इसी प्रकार सारे लड्डू बना लें। स्वादिष्ट मेवे के लड्डू अब तैयार हैं। आप इन लड्डू को हफ्ते भर फ्रिज के बाहर रख सकते हैं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय) e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, (सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)